www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 255 ●ठाणे, बुधवार 17 जून, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

टाइम मैगजीन की टॉप 100 लिस्ट में स्मृति मंधाना

पेज 8

रोहित शर्मा के पास इतिहास रचने का मौका

सुप्रभात

वास्तविक धीर पुरुष तो वही है जिनका चित्त विकार उत्पन्न करनेवाली परिस्थितियों में भी अस्थिर नहीं होता। संदेह में सज्जन के अंतःकरण की प्रवृत्ति ही सत्य का निर्देश करती है। - **कालिदास**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (17 जून) 7:17 बजे, सूर्योदय (18 जून) 6:02बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (कुछ समय के लिए धूप।)**

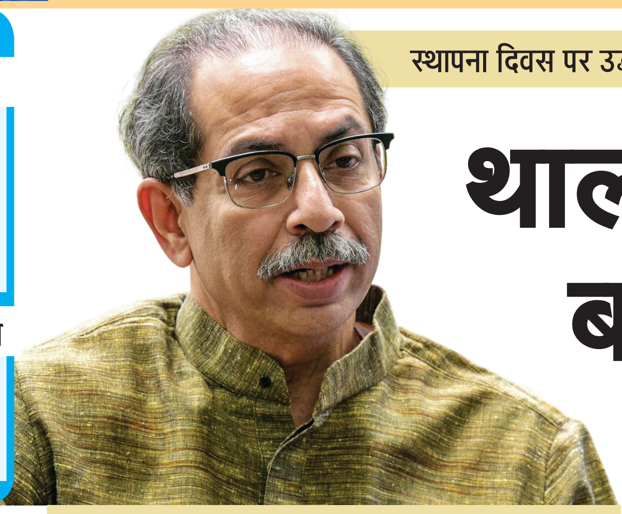

स्थापना दिवस पर उद्धव ठाकरे को लगेगा सबसे बड़ा झटका!

थाली के बैंगन... बढ़ी सियासी टेंशन

यूबीटी सांसद और संजय राउत की पोस्ट से मिला हिंट!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मतलबी यार किसके, दम लगाय खिसके... कुछ ऐसा ही हाल इन दिनों देश के राजनीतिक गलियारे में देखने को मिल रहा है। दिल्ली दरबार की एक अदृश्य महाशक्ति के इशारे पर कठपुतली की तरह नाच रहे विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के एमपी-एमएलए इन दिनों पाला बदलने की कबड्डी में व्यस्त हैं। थाली का बैंगन बन चुके इन एमपी-एमएलए को मतदाताओं की तनिक भी परवाह नहीं है। पार्टी तोड़ने-हड़पने के खेल को लोग बुरी तरह नापसंद कर रहे हैं, लेकिन सत्ता की मलाई खाने की हवस ने पालाबदलुओं को इतना निर्लज्ज बना दिया है कि उन्हें किसी की परवाह नहीं रह गई है। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर ठीक वैसा ही माहौल, वैसी ही सुगबुगाहट और वैसी ही अंदरूनी बेचैनी तैरने लगी है, जिसने साल 2022 में महाविकास आघाडी की सरकार को तख्तापलट कर उखाड़ फेंका था। इस बार चर्चा के केंद्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के लोकसभा सांसद हैं। राजनीतिक गलियारों में यह कयासबाजी बेहद तेज हो गई है कि 19 जून को होने वाले शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के ऐतिहासिक मौके पर उद्धव ठाकरे को अब तक का सबसे बड़ा झटका लग सकता है। दावा किया जा रहा है कि दिल्ली का भाजपा शीर्ष नेतृत्व सीधे उद्धव गुट के सांसदों के संपर्क में है और महिला आरक्षण व परिसीमन जैसे आगामी बड़े संवैधानिक फैसलों के लिए एनडीए इन सांसदों को अपने पाले में लाने या बाहर से समर्थन जुटाने की जोरदार तैयारी में जुटा है।

उद्धव ठाकरे ने 22 जून को बुलाई विधायकों की बैठक

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सांसदों के बाद अब विधायकों की बैठक बुलाई। ठाकरे ने 22 जून को शाम चार बजे पार्टी कार्यालय में सभी विधायकों की मीटिंग बुलाई है। मुख्य सचेतक सुनील प्रभु और एमएलसी अनिल परब की ओर से लिखे पत्र में कहा गया- शिवसेना (यूबीटी) विधायक दल (विधानसभा और विधान परिषद दोनों) के सभी सदस्यों की बैठक 22 जून को शाम 4:00 बजे मुंबई में मंत्रालय के सामने स्थित 'शिवालय' में बुलाई गई है। पार्टी प्रमुख उद्धव बालासाहेब ठाकरे इस बैठक में मार्गदर्शन करेंगे। आपसे अनुरोध है कि उक्त बैठक में समय पर उपस्थित हों।

संजय राउत की रहस्यमयी सोशल मीडिया पोस्ट

कैमरे के सामने लगातार 'ऑल इज वेल' का दावा करने वाले शिवसेना (यूबीटी) के फायरब्रांड नेता संजय राउत ने खुद ही अनजाने में इस डर को हवा दे दी है। सोमवार रात उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बेहद चौंकाने वाली पोस्ट लिखी। उन्होंने त्रिपुरा की एक छोटी सी पार्टी के नेता शिव कुंडू का जिक्र करते हुए लिखा कि टीएमसी के 22 बागी सांसदों ने दलबदल कानून से बचने के लिए उनकी पार्टी में आधिकारिक विलय कर लिया। राउत ने आगे लिखा कि महाराष्ट्र के दल-बदलुओं को भी खुद को बचाने के लिए किसी कुंडू को ढूंढना पड़ेगा।

खिचड़ी पक रही!

इस पोस्ट से साफ हिंट मिला कि उद्धव गुट के बागी सांसदों को अयोग्यता से बचाने के लिए टीएमसी वाली पटकथा पर ही किसी छोटी पार्टी में विलय की गुप्त खिचड़ी पक रही है। इसके साथ ही मीडिया में जब राऊत से पूछा गया कि सांसदों ने वफादारी की कसमें खाई हैं, तो उन्होंने तंजिया लहजे में कहा, लोग कसम तो खाते रहते हैं, कसम तो पहले वालों ने भी खाई थी।

राजाभाऊ वाजे के ताजा बयान से बढ़ी हलचल

इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब मातोश्री में उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई आपात बैठक में 9 में से केवल 4 सांसद (अरविंद सावंत, अनिल देसाई, संजय दीना पाटिल और राजाभाऊ वाजे) ही व्यक्तिगत रूप से पहुंचे। गायब रहने वाले 5 सांसदों (संजय जाधव, संजय देशमुख, ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और नागेश पाटील आष्टीकर) के बारे में दावा किया गया कि वे ऑनलाइन जुड़े थे, लेकिन सूत्रों के अनुसार उद्धव केवल आष्टीकर से ही बात कर पाए थे। ये वही पांच सांसद हैं जो इसके ठीक एक दिन पहले आदित्य ठाकरे के जन्मदिन पर भी नदारद रहे थे। इस आग में घी डालने का काम नाशिक से सांसद राजाभाऊ वाजे के ताजा बयान ने किया, जिन्होंने साफ कह दिया कि 19 जून को मुंबई के षण्मुखानंद हॉल में होने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रम में वे शामिल हो पाएंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है क्योंकि वे दिल्ली से लौट रहे हैं और उनके क्षेत्र में भी कार्यक्रम हैं।

देशमुख के बदले तेवर और जायसवाल का नो कमेंट

मातोश्री की बैठक से गायब रहने के ठीक दूसरे दिन यवतमाल-वाशिम के सांसद संजय देशमुख सीधे दिल्ली में शिंदे गुट के केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव से मिलने पहुंच गए। हालांकि अनिल देसाई ने डैमेज कंट्रोल करते हुए सफाई दी कि संजय देशमुख के घर बेटी को देखने के लिए मेहमान आने वाले थे और यह मुलाकात केवल एक शिक्षण संस्थान के निजी काम के सिलसिले में थी। दूसरी तरफ, नागपुर से महायुति के विधायक और शिंदे गुट के मंत्री आशीष जायसवाल ने ऑपरेशन टाइगर पर चुटकी लेते हुए कहा कि यह पूरी तरह से यूबीटी का अंदरूनी मामला है और अगर उनके लोग नाराज होकर जा रहे हैं तो इसमें वे कुछ नहीं कर रहे, क्योंकि वैसे भी बगावत पहले से बताकर नहीं की जाती। बहरहाल, 19 जून के शक्ति प्रदर्शन से पहले कसमों और मुलाकातों के इस खेल ने उद्धव ठाकरे की चिंताएं चरम पर पहुंचा दी हैं।

टूट की अटकलों को राऊत ने किया खारिज

सांसदों के टूट की अटकलों के बीच शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने कहा कि पार्टी में किसी तरह की संकट नहीं है. लेकिन साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि अगर कोई संकट आती है तो निपट लेंगे। पार्टी के सांसदों के शिंदे गुट के मंत्रियों से मुलाकात पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर कोई सांसद किसी काम से मंत्री से मिलना है तो इसमें क्या दिक्कत है। उन्होंने ये भी कहा कि मेरी भी प्रधानमंत्री से मुलाकात होती है।

हमारे भी दिन आएंगे

उद्धव ठाकरे के एक बयान कि 'हमारा समय अभी अच्छा नहीं चल रहा है' पर उन्होंने कहा कहा, ठीक है। हमारे भी दिन आएंगे। जब हमारे दिन आएंगे, तब पार्टियां कैसे तोड़ी जाती हैं, ये भी दिखाएंगे।

हमने बहुत से घाव झेले हैं

संजय राऊत ने अपनी पार्टी के लोगों को 'टाइगर' बताते हुए कहा कि टाइगर का ऑपरेशन आसान नहीं है लेकिन कोशिश तो करेंगे। उनके पास दूसरा कोई काम नहीं है। देश कल्याण और जनता के कल्याण का काम नहीं है। पार्टी और उनके लोगों को तोड़ो यही काम चल रहा है। हमने बहुत से घाव झेले हैं और आगे निकल चुके हैं।

नीट-यूजी परीक्षा से पहले टेलीग्राम पर बैन

सोशल मीडिया पर छिड़ी तीखी बहस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के बाद परीक्षा संबंधी धोखाधड़ी को रोकने के उद्देश्य से पूरे भारत में मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। सरकारी की तरफ से लगाए गए प्रतिबंध के बाद टेलीग्राम ऐप अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध नहीं है। गूगल ने टेलीग्राम को प्ले स्टोर से हटा दिया है, जिससे अब इसे प्ले स्टोर से डाउनलोड करना संभव नहीं है। वहीं, सरकार ने यह कदम 21 जून को होने वाली नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले कथित पेपर लीक, गलत सूचना फैलाने और नकल नेटवर्क को रोकने के लिए उठाया है। एनटीए के एक बयान के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69 ए के तहत एक निर्देश जारी किया है, जिसके तहत भारत में टेलीग्राम के उपयोग को 22 जून तक सीमित अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है। यह प्रतिबंध परीक्षा के दिन और उसके तुरंत बाद तक लागू रहेगा। इसके अतिरिक्त टेलीग्राम को भारत में 30 जून तक अपने मैसेज एडिटिंग फीचर को निष्क्रिय करने का निर्देश दिया गया है।

एनटीए ने क्या कहा?

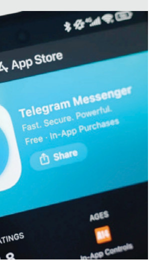

एनटीए ने कहा कि ये दोनों उपाय जनव्यवस्था बनाए रखने और उन संगठित धोखाधड़ी गिरोहों पर अंकुश लगाने के लिए लागू किए गए हैं, जिन्होंने कथित तौर पर इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल पुनर्परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों को ठगने के लिए किया था। एजेंसी ने निष्पक्ष और सुरक्षित परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समय पर हस्तक्षेप करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) का आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर छिड़ी तीखी बहस

नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम से पहले केंद्र सरकार द्वारा टेलीग्राम को अस्थायी रूप से ब्लॉक करने के फैसले पर सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है। इस बहस के केंद्र में आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर मणींद्र अग्रवाल और छात्र सार्थक सिद्धांत हैं। सार्थक ने सवाल उठाया है कि अगर गलत जानकारी की वजह से टेलीग्राम बंद किया जा सकता है, तो व्हाट्सएप पर भी वही तर्क क्यों लागू नहीं होता? आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर और डायरेक्टर मणींद्र अग्रवाल ने सार्थक की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि टेलीग्राम की समस्या केवल कथित पेपर लीक कंटेंट शेयर करना नहीं है। उनके अनुसार पेपर शेयर करने के और भी कई तरीके मौजूद हैं, लेकिन टेलीग्राम का इस्तेमाल ऐसे फर्जी दावे फैलाने के लिए किया जा रहा था जिससे छात्रों में भ्रम पैदा हो रहा था। अब इस पर सोशल मीडिया में बहस छिड़ गई है।

शादी का हवाला देकर बलात्कार का मामला वापस नहीं लिया जा सकताः अदालत

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे की एक सत्र अदालत ने एक मॉडल से कथित बलात्कार के आरोपी 27-वर्षीय एक व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने पीड़िता द्वारा अपनी प्रस्तावित शादी को बचाने के लिए प्रस्तुत किए गए समझौता हलफनामे पर विचार करने से भी इनकार कर दिया और स्पष्ट किया कि यह अपराध समझौता योग्य नहीं है और इस मामले की जांच अभी जारी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पी. वी. घुले ने नौ जून को यह आदेश पारित किया, जिसकी प्रति 15 जून को उपलब्ध हुई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सूरत निवासी अक्षयकुमार कांतिलाल जैन को ठाणे की काशीमीरा पुलिस ने 25 अप्रैल को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (बलात्कार) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत गिरफ्तार किया था। पंजाब की मूल निवासी 26-वर्षीय पेशेवर मॉडल ने आरोप लगाया है कि जैन उसे अभिनय के ऑडिशन का झांसा देकर गोवा से मीरा रोड स्थित एक होटल में ले गया, जहां उसने कथित तौर पर उसकी चाय में नशीला पदार्थ मिला दिया और उसके साथ बलात्कार किया।

जमानत का अनुरोध और विरोध

बचाव पक्ष ने सुनवाई के दौरान जमानत याचिका मंजूर करने का अनुरोध करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता ने एक नोटरीकृत शपथपत्र-सह-घोषणापत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें उसने अपनी शादी तय होने का हवाला देते हुए आरोप वापस लेने की इच्छा जताई है। अभियोजन पक्ष ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि यह गंभीर और समझौता न किया जा सकने वाला अपराध है। अतिरिक्त लोक अभियोजक मनीषा पावसे ने दलील दी कि आरोपी को जमानत दिए जाने का कोई आधार नहीं है।

यह अपराध पूरे समाज के खिलाफ है

जमानत याचिका खारिज करते हुए न्यायाधीश घुले ने कहा, शादी प्रभावित होने की आशंका का जो कारण बताया गया है, वह अप्रासंगिक है। यह अपराध पूरे समाज के खिलाफ है, इसलिए इसमें कोई समझौता नहीं हो सकता। प्राथमिकी वापस लेने का प्रयास स्वतंत्र और स्वेच्छा से किया गया प्रतीत नहीं होता। शिकायतकर्ता प्राथमिकी वापस लेने का अनुरोध नहीं कर सकती। अदालत ने पीड़िता के शपथपत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उससे यह संकेत मिलता है कि बलात्कार का अपराध हुआ है।

ऐसा अपराध नहीं, जिसमें समझौता किया जा सके

न्यायाधीश ने कहा, शिकायतकर्ता को आशंका है कि यदि उसके होने वाले पति को इस घटना की जानकारी मिली तो उसका वैवाहिक जीवन प्रभावित हो सकता है। मीरा रोड स्थित होटल में उसके ठहरने के दौरान यौन संबंध स्थापित करने के लिए उसकी सहमति नहीं थी। यह ऐसा अपराध नहीं है, जिसमें समझौता किया जा सके। अदालत ने यह भी कहा कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और आरोपपत्र दाखिल किया जाना बाकी है।

शॉर्ट स्टोरी

बिना डॉक्टर की पर्ची नहीं मिलेगा कफ सिरप

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देशभर में दवाओं की बिक्री को लेकर केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब मेडिकल स्टोर से किसी भी प्रकार की सिरप, चाहे वह खांसी, सर्दी, बुखार या अन्य बीमारी से संबंधित हो, बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदी जा सकेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसको लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया है। 9 जून को जारी इस नोटिफिकेशन में सरकार ने बताया है कि खांसी की सिरप समेत सभी तरह की सिरप अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दवा नियम 1945 में संशोधन करते हुए अनुसूची 'के' से सिरप शब्द को हटा दिया गया है।

लॉन्च से पहले देवा भाऊ टैक्सी योजना पर बवाल!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई बैंक के अध्यक्ष और भाजपा एमएलसी प्रवीण दरेकर द्वारा घोषित देवा भाऊ और छावा सहकारी टैक्सी योजना पर बवाल मच गया है। इस पूरी योजना के वित्तीय मॉडल को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने सीधे सरकार और प्रवीण दरेकर को कटघरे में खड़ा किया है। दमानिया ने सवाल उठाया कि आम नागरिकों, किसानों और छोटे उद्यमियों को जिस बैंक से ऋण लेने में पसीने छूट जाते हैं, वहां एक राजनीतिक नाम से ब्रांडेड योजना के लिए खजाना कैसे खोल दिया गया? उन्होंने पूछा, क्या मुंबई बैंक को भाजपा का निजी बैंक मान लिया गया है? जमाकर्ताओं के धन का उपयोग राजनीतिक हित साधने के लिए करना सरासर गलत है।

भीमाशंकर में अब नहीं होंगी वीआईपी एंट्री

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

पुणे के पास स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में शामिल प्रसिद्ध तीर्थस्थल भीमाशंकर मंदिर लगभग पांच महीने बाद श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिया गया है। मंदिर में चल रहे विकास और नवीनीकरण कार्यों के बाद प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब मंदिर में प्रवेश केवल उन श्रद्धालुओं को मिलेगा, जिन्होंने पहले से ऑनलाइन पंजीकरण कराया होगा। वीआईपी, सिफारिश या प्रोटोकॉल के आधार पर मिलने वाली विशेष प्रवेश व्यवस्था पूरी तरह बंद कर दी गई है। भीमाशंकर मंदिर प्रशासन के अनुसार, दर्शन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है।

निंबालकर हत्याकांड में फैसला 20 जून को!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेता पवनराजे निंबालकर और उनके चालक की 2006 में हुई हत्या के मामले में 20 जून को फैसला सुनाया जा सकता है। इस मामले में उनके चचेरे भाई एवं एनसीपी के पूर्व सांसद पद्मसिंह पाटिल मुख्य आरोपी हैं। विशेष अदालत के न्यायाधीश सत्यनारायण नवंदर की अदालत में मंगलवार को इस मामले को फैसले के लिए सूचीबद्ध किया गया था। न्यायाधीश ने यह कहते हुए सुनवाई 20 जून तक के लिए स्थगित कर दी कि फैसला पूरा करने में उन्हें दो से तीन दिन और लगेगा। सुनेत्रा पवार के सौतेले भाई पद्मसिंह पाटिल सहित सात अन्य आरोपी इस हत्याकांड के मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

राहुल गांधी का कोटा कूच!

मोदी सरकार के लिए कितनी बड़ी चुनौती? सुर्खियों में तो छाया रहेगा 'ऑपरेशन टाइगर'

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राहुल गांधी 17 जून को कोटा जा रहे हैं। कोटा से कांग्रेस का एक नया आंदोलन शुरू हो रहा है। अव्वल तो कांग्रेस का यह आंदोलन नीट परीक्षा और पेपर लीक पर ही फोकस रहने वाला है, लेकिन उसके दायरे को थोड़ा विस्तार देने का भी प्रयास है। कांग्रेस यह आंदोलन ऐसे दौर में शुरू करने जा रही है, जब कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) नाम का डिजिटल ग्रुप पहले से ही नीट परीक्षा और पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ माहौल बना चुका है। सीजेपी ने 6 जून को दिल्ली के जंतर मंतर से विरोध प्रदर्शन शुरू किया था, और उसके संस्थापक अभिजीत दिपके फिलहाल देशव्यापी अभियान पर निकले हुए हैं। जयपुर में प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके को कुछ युवकों ने थप्पड़ भी मारा है।

नया आंदोलन मोदी सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर पाएगा?

सीजेपी की पहली मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा है, जाहिर है राहुल गांधी को राजनीतिक तौर पर यह सूट भी कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ यह ऐसा मुद्दा है, जिससे सीधे सीधे देश के युवा जुड़े हुए हैं। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या कोटा से शुरू हो रहा नया आंदोलन मोदी सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर पाएगा? वहीं जानकारों का कहना है कि फिलहाल दिल्ली से महाराष्ट्र में चलाया जा रहा 'ऑपरेशन टाइगर' सुर्खियों में छाया रहेगा और राहुल के कोटा कूच को खबरों में कम जगह मिलेगी।

कोटा से शुरुआत, फिर देश के हर कोने तक

राहुल गांधी का नया अभियान शुरू तो राजस्थान के कोटा से होगा, लेकिन उसके लिए दिल्ली से ही माहौल बनाने की तैयारी है। राहुल गांधी हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से जन शताब्दी एक्सप्रेस में सवार होकर कोटा रवाना होंगे। कोटा के कार्यक्रम को 'छात्रों की गूंज' नाम देते हुए राहुल गांधी लिखते हैं, याद रखिए, जब सरकार सुनने को तैयार न हो, तब आवाज ऊंची करनी पड़ती है, इसलिए मैं आप सबको बुला रहा हूं... आइए, मिलकर एक ऐसी हुंकार बनें जिसे अनसुना करना नामुमकिन हो...।

ग्रामीण पेयजल नीति और नागपुर मेडिकल साइक्लोट्रॉन परियोजना को मंजूरी

मंत्रिमंडल की बैठक में 6 बड़े फैसले

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में मंगलवार को राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न विभागों के उन रणनीतिक प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई, जो राज्य के विकास और बुनियादी ढांचे पर गहरा प्रभाव डालेंगे। कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय मुख्य रूप से ग्रामीण अवसंरचना के कायाकल्प, स्वास्थ्य सुविधाओं में अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय तकनीक के समावेश, और राज्य भर में डिजिटल कनेक्टिविटी के जाल को और मजबूत करने पर केंद्रित रहे।

जाति वैधता प्रमाण पत्र के लिए मिला 6 महीने का विस्तार

भारत की पहली उच्च ऊर्जा चिकित्सा साइक्लोट्रॉन परियोजना

गंभीर बीमारियों के इलाज और सटीक डायग्नोसिस (निदान) के क्षेत्र में महाराष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कैबिनेट ने नागपुर में उच्च ऊर्जा चिकित्सा साइक्लोट्रॉन परियोजना (एनएचईसीपी) की स्थापना को मंजूरी दे दी है। चिकित्सा शिक्षा और औषधि विभाग के तहत शुरू होने वाली यह परियोजना पूरे मध्य भारत की एकमात्र और सबसे महत्वाकांक्षी चिकित्सा प्रणाली होगी। इस अत्याधुनिक तकनीक के जरिए कैंसर जैसी विभिन्न गंभीर बीमारियों का समय पर और बेहद सटीक पता लगाया जा सकेगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद मरीजों को मुंबई या दिल्ली भागे बिना नागपुर में ही बेहद किफायती दरों पर विश्वस्तरीय इलाज मिल सकेगा। फिलहाल फडणवीस सरकार महाराष्ट्र में जन स्वास्थ्य सेवाओं पर ज्यादा ध्यान दे रही है।

स्वच्छ पानी के लिए नई नीति

राज्य के सुदूर ग्रामीण अंचलों में भीषण जल संकट और पेयजल की कमी को स्थायी रूप से दूर करने के लिए जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग की ओर से महाराष्ट्र ग्रामीण पेयजल नीति 2026 की आधिकारिक घोषणा की गई है। इसके तहत पुरानी और खंडित जल योजनाओं को एकीकृत (इंटीग्रेट) कर एक दीर्घकालिक मास्टर प्लान बनाया जाएगा, ताकि ग्रामीण आबादी को साल भर शुद्ध, कीटाणुरहित और गुणवत्तापूर्ण पानी मिल सके।

ड्रोन और रोबोटिक्स को बढ़ावा

इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विभाग के अंतर्गत महाराष्ट्र स्वचालित प्रणाली नीति-2026 को मंजूरी दी गई है। इस क्रांतिकारी नीति के तहत कृषि, भूमि सर्वेक्षण, वायु और समुद्र के जोखिम भरे क्षेत्रों में मानव रहित प्रणालियों जैसे ड्रोन और रोबोट के स्वदेशी निर्माण, अनुसंधान (आर एंड डी) और युवाओं के तकनीकी प्रशिक्षण को विशेष बजटीय प्रोत्साहन दिया जाएगा। सरकार को उम्मीद है कि रोबोटिक्स के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार निर्माण की संभावना है।

महानत डिजिटल की स्थापना

डिजिटल कनेक्टिविटी को ग्राम पंचायतों तक तेज करने के लिए कैबिनेट ने संशोधित भारत नेट कार्यक्रम के तहत महानत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमडीआईएल) नामक एक राज्य-नेतृत्व वाली विशेष प्रयोजन इकाई (एसपीवी) स्थापित करने का निर्णय लिया है।

स्थानीय चुनाव उम्मीदवारों को 6 महीने की बड़ी राहत

शहरी विकास विभाग की ओर से स्थानीय निकाय चुनावों (नगर निगम, नगर परिषद) में आरक्षित सीटों पर जीतकर आए उम्मीदवारों को सबसे बड़ी राहत दी गई है। प्रशासनिक दिक्कतों को देखते हुए ऐसे निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए जाति वैधता प्रमाण पत्र जमा करने की वैधानिक समय सीमा को 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके लिए मुंबई नगर निगम अधिनियम और महाराष्ट्र नगर परिषद अधिनियम में आवश्यक संशोधनों के अध्यादेश को भी मंजूरी दे दी गई है।

हिंदमाता एंकरः मुंबई में मॉनसून का लंबा इंतजार, 68 साल में पहली बार हुआ ऐसा!

मंबई में 25 जून के बाद ही बारिश के आसार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की रफ्तार धीमी होने की वजह से जून महीने में अब तक देश के बड़े हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस महीने के पहले 15 दिनों में देश का 71 प्रतिशत हिस्सा बारिश की कमी झेल रहा है। देश में जून महीने में औसत बारिश 165.3 मिलीमीटर रहती है। पहले 15 दिनों में 62.1 मिलीमीटर बारिश होने की उम्मीद थी, लेकिन सिर्फ 42.4 मिलीमीटर बारिश ही दर्ज की गई है। केरल में मॉनसून के आगमन और उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण हुई बारिश को मिलाकर भी कुल आंकड़ा कम रहा है।

महाराष्ट्र में बारिश की भारी कमी

महाराष्ट्र में तो स्थिति और भी खराब है। राज्य में जून के पहले 15 दिनों में सिर्फ 21.3 मिलीमीटर बारिश हुई है। जबकि सामान्य बारिश इससे कहीं ज्यादा होनी चाहिए थी। इस हिसाब से राज्य में करीब 72 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई है। जलगांव, जलना, बीड, धाराशिव, नांदेड़, अकोला और अमरावती जैसे कुछ जिलों में बारिश सामान्य स्तर पर हुई है। वहीं, राज्य के कई अन्य इलाकों में अब भी मॉनसून की अच्छी बारिश का इंतजार है।

महाराष्ट्र में अटका मॉनसून, ओडिशा-बिहार पहुंचा

आईएमडी ने बताया कि सोमवार को मॉनसून ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है लेकिन महाराष्ट्र में इसके रुकने की मुख्य वजह अरब सागर के ऊपर अनुकूल परिस्थितियों का न होना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार से पांच दिनों में महाराष्ट्र में मॉनसून फिर एक्टिव हो सकता है। बता दें कि महाराष्ट्र में 8 जून को मॉनसून की एंट्री हुई थी। उस समय रत्नागिरी के हरनई से लेकर सातारा और सोलापुर तक दक्षिण महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश हुई लेकिन इसके बाद रफ्तार धीमी पड़ गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अब 25 जून के बाद ही मुंबई में अच्छी बारिश के आसार हैं। 20 जून के बाद मॉनसून की रफ्तार बढ़ने की उम्मीद है।

दो हिंसक घटनाओं से सनसनी

तलवार से जानलेवा हमले और हॉर्न बजाने पर मारपीट के मामलों में पांच आरोपी पुलिस के शिकंजे में

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर में दो अलग-अलग हिंसक घटनाओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। एक मामले में क्रिकेट टीम की बैठक के दौरान हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां एक व्यक्ति पर तलवार से जानलेवा हमला करने का प्रयास किया गया। वहीं दूसरी घटना में सड़क पर रास्ता मांगने के लिए हॉर्न बजाने पर स्कूटर सवार युवक के साथ मारपीट की गई। दोनों मामलों में पुलिस ने अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैठक के विवाद ने लिया हिंसक रूप

नारपोली थाना क्षेत्र के काल्हेर स्थित गुंदवली गांव में क्रिकेट टीम की बैठक के दौरान हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति पर तलवार से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता प्रवीण हरिचंद्र म्हात्रे (47) के अनुसार, 12 जून को फोर्टी प्लस क्रिकेट टीम की बैठक में पुराने विवाद को लेकर कहासुनी हुई थी।

तलवार लेकर पहुंचे आरोपी

शिकायत के मुताबिक, 13 जून की रात जिम से घर लौटते समय गांव के तालाब के पास आरोपी योगेश यशवंत म्हात्रे (37) और उसका एक साथी तलवार लेकर पहुंचे। आरोप है कि योगेश ने तलवार से हमला किया, जिसे प्रवीण ने झुककर टाल दिया। इसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और घर के सामने पहुंचकर तलवार लहराते हुए परिवार व स्थानीय लोगों को डराया। नारपोली पुलिस ने मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी योगेश म्हात्रे को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

हॉर्न बजाना पड़ा महंगा

दूसरी घटना भिवंडी के कासारआली क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता मोहम्मद नासिर नबी अहमद अंसारी (32) 12 जून की रात स्कूटर से मंडई की ओर जा रहे थे। मथुरे चौक के पास सड़क के बीच खड़ी कार और टाटा एस टेम्पो के कारण यातायात बाधित था। रास्ता खाली कराने के लिए हॉर्न बजाने पर कुछ युवक नाराज हो गए।

चार लोगों पर मामला दर्ज

शिकायत के अनुसार, विनिकेत मोरे, वैभव महाडिक, नागेश सतीश सेरपिल्ली और रोहित सुरेंद्र शिंदे ने अंसारी को रोककर गाली-गलौज की और लकड़ी के डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। निजामपुरा पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जल संकट की आशंका प्रशासन की बढ़ी चिंता

मानसून में देरी और बांधों में घटते जल भंडार

• वसई-विरार महानगरपालिका ने पानी की कटौती के दिए संकेत

बिपिन तिवारी @ विरार

वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र के नागरिकों के लिए आने वाले दिन परीक्षा वाले हो सकते हैं। मानसून में देरी की संभावना और बांधों में कम होते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने पानी की किल्लत से निपटने के लिए कमर कस ली है। महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भविष्य में पानी की कटौती को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

अल नीनो का असर

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल अल नीनो के प्रभाव के कारण औसत से कम बारिश होने की आशंका जताई गई है। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष बांधों में उपलब्ध जल भंडार में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्तमान स्थिति का आकलन करें तो बांधों में बचा हुआ पानी केवल जुलाई के अंत तक ही पर्याप्त होने का अनुमान है। फिलहाल वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र के नागरिकों को तीन प्रमुख योजनाओं के जरिए पानी पहुंचाया जा रहा है, जिनमे पेल्हार जल आपूर्ति योजना, उसगांव जल आपूर्ति योजना और सूर्या जल आपूर्ति योजना शामिल हैं।

जल आपूर्ति की स्थिति

इन तीनों स्रोतों से वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 400 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जा रही है। महानगरपालिका आयुक्त खुद लगातार इस जल भंडार और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार के सूखा निवारण और जल प्रबंधन निदेशों के तहत महानगरपालिका प्रशासन पानी की बबादी रोकने के लिए कड़े कदम उठा रहा है। प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे कदमो मे पानी की लीकेज (गैप/गळती) को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करना। जल आपूर्ति व्यवस्था का सुचारू और सुनियोजित प्रबंधन। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भविष्य में पानी की कटौती (वॉटर कट) का निर्णय लिया जा सकता है, जिसकी जानकारी समय-समय पर नागरिकों को दी जाएगी।

नागरिकों से अपील

महानगरपालिका प्रशासन और अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे ने सभी नागरिकों से पुरजोर अपील की है कि वे उपलब्ध पानी का बेहद समझदारी और बचत के साथ उपयोग करें। संकट की इस घड़ी में पानी की बबादी को रोककर प्रशासन का सहयोग करें।

छह माह पुरानी हत्या का खुलासा

लापता युवक का शव गटर चेंबर से बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

आचोले पुलिस ने सुलझाई ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आचोले पुलिस ने करीब छह महीने पुराने एक सनसनीखेज हत्याकांड का पदार्फाश किया है। जनवरी से लापता चल रहे रवि प्रेमसिंह बिडलान (34) की हत्या कर शव गटर के चेंबर में छिपा दिया गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जनवरी में हुई थी शिकायत

पुलिस के अनुसार, 26 जनवरी 2026 को रवि के भाई पंकज प्रेमसिंह बिडलान ने आचोले पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। रवि 17 जनवरी की शाम से नालासोपारा पूर्व के वैतीवाड़ी और आचोले डोंगरी क्षेत्र से लापता था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जांच टीम गठित की थी।

पूछताछ में खुला राज

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि रवि की हत्या कर दी गई है। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध सुमित उर्फ बा आजाद सारसर को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने साथियों रोहन उर्फ टाइगर, उत्कर्ष, करण और शक्ति सिंह के साथ मिलकर रवि की गला दबाकर हत्या करने की बात स्वीकार की।

गटर चेंबर से मिला शव

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने नालासोपारा पूर्व स्थित एक इमारत के गटर चेंबर को खोलकर शव बरामद किया। शव काफी हद तक सड़-गल चुका था। मृतक के भाई ने कपड़ों और अन्य पहचान चिह्नों के आधार पर शव की पहचान की।

चार आरोपी गिरफ्तार

पंकज बिडलान की शिकायत पर पुलिस ने हत्या, साक्ष्य मिटाने और समान मंशा से अपराध करने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने इस जटिल मामले को सुलझाने वाली टीम की सराहना की है।

युवक पर लोहे की रॉड से हमला

मामा को भी पीटा, चार पर मामला दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

शहर के संगमपाड़ा क्षेत्र में आधी रात को हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कुछ लोगों ने एक युवक पर लोहे की रॉड से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके मामा को भी आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीट दिया। मामले में निजामपुरा पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक पर रॉड से हमला

पुलिस के अनुसार, संगमपाड़ा स्थित बरकात मदरसा के पास रहने वाले 20 वर्षीय शाहिद मोहम्मद हनीफ अंसारी पेशे से चालक हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि 13 जून की रात करीब 12:30 बजे वह अपने इलाके में मौजूद थे। इसी दौरान कुछ लोगों को भागते हुए देखकर वह कारण जानने के लिए सड़क पर पहुंचे। आरोप है कि तभी अमीनाबाग निवासी समशेरा, रिहान, अली फकीरा और अशफाक वहां पहुंचे। चारों के हाथों में लोहे की रॉड और लकड़ी के डंडे थे। इसी दौरान अली फकीरा ने शाहिद के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

मामा को भी नहीं बख्शा

घटना की जानकारी मिलने पर शाहिद के मामा रफीक रहमान शेख उन्हें बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। आरोप है कि चारों आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया और लकड़ी के डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने निजामपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक जगदीश गीते कर रहे हैं। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है।

अवैध कॉस्मेटिक्स पर बड़ी कार्रवाई

मुंबई और भिवंडी में एफडीए के छापे

1.53 करोड़ का माल और उपकरण जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

आम उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा और बाजार में बिक रहे सौंदर्य प्रसाधनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) महाराष्ट्र ने बिना लाइसेंस और मिसब्रांडेड कॉस्मेटिक्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई और भिवंडी में की गई दो अलग-अलग छापेमारी में 1.53 करोड़ रुपए मूल्य के अवैध उत्पाद और विनिर्माण उपकरण जब्त किए गए हैं।

अंधेरी में मिले मिसब्रांडेड उत्पाद

एफडीए की टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर अंधेरी पूर्व स्थित मेसर्स क्रिया एंटरप्राइजेज का निरीक्षण किया। जांच के दौरान बच्चों और पुरुषों के उपयोग के लिए विभिन्न कॉस्मेटिक उत्पाद बिक्री के लिए रखे मिले। अधिकारियों ने पाया कि उत्पादों पर गैर-मौजूद निमार्ता का पता दर्ज था तथा बैच नंबर, निर्माण तिथि और समाप्ति तिथि जैसी अनिवार्य जानकारी भी नहीं दी गई थी। प्रारंभिक जांच में इन उत्पादों को मिसब्रांडेड पाया गया।

भिवंडी की फैक्ट्री सील

दूसरी कार्रवाई में भिवंडी के माणकोली-दापोड़े रोड स्थित मेसर्स सिग्मा लाइफस्टाइल प्राइवेट लिमिटेड की बिना लाइसेंस संचालित कॉस्मेटिक्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। जांच में फैक्ट्री के पास वैध निर्माण लाइसेंस नहीं पाया गया। यहां से क्रीम फिलिंग मशीन, लेबलिंग मशीन, पैकिंग उपकरण, कच्चा माल और तैयार उत्पाद जब्त कर फैक्ट्री को सील कर दिया गया। जब्त माल की कीमत 1.23 करोड़ से अधिक बताई गई है।

केस दर्ज, कार्रवाई जारी

एफडीए की शिकायत पर नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस और भ्रामक कॉस्मेटिक्स के निर्माण व बिक्री के खिलाफ राज्यभर में अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

माइकी डॉग केस में नया खुलासा

पालतू कुत्ते के कथित हत्या मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट आई सामने, सीसीटीवी जांच का इंतजार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

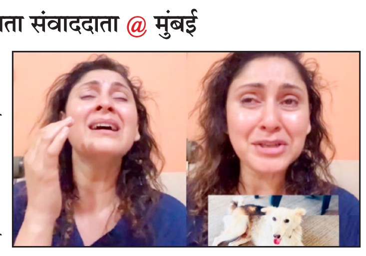

मालाड की एक गृहनिर्माण सोसायटी में पालतू कुत्ते माइकी की कथित हत्या के मामले में जांच के दौरान नया मोड़ सामने आया है। फोरेंसिक जांच में जिस लाल रंग के नमूने को खून समझा जा रहा था, वह पान की पीक निकला। पुलिस अब सीसीटीवी जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। फिलहाल मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

छह साल से सोसायटी में था माइकी

माइकी पिछले करीब छह वर्षों से सोसायटी परिसर में रह रहा था और कई निवासी उसकी देखभाल करते थे। उसके अचानक गायब होने के बाद अभिनेत्री मंजरी फडणीस समेत कुछ रहवासियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

29 मई से था लापता

शिकायत के अनुसार, 29 मई की शाम माइकी सोसायटी परिसर में नहीं दिखा। रहवासियों ने उसकी तलाश की और सोसायटी के मैसेज ग्रुप में भी जानकारी साझा की। कुछ लोगों ने दावा किया कि पहले भी कुछ सदस्य कुत्ते की मौजूदगी का विरोध कर चुके थे।

फोरेंसिक रिपोर्ट में खुलासा

मालवनी पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान परिसर से मिले लाल रंग के एक नमूने को खून होने की आशंका के चलते परीक्षण के लिए भेजा गया था। फोरेंसिक रिपोर्ट में यह नमूना पान की पीक निकला, जिससे मामले की दिशा बदल गई है।

सीसीटीवी रिपोर्ट पर नजर

पुलिस ने सोसायटी की रिकॉर्डिंग मशीन जब्त कर फुटेज की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजी है। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि माइकी के साथ वास्तव में क्या हुआ। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच जारी है।

सोसाइटी को अदालत से झटका

पूर्व सदस्य के 6.67 लाख वापसी दावे को मिली मंजूरी, मनमाने शुल्क पर उठे सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

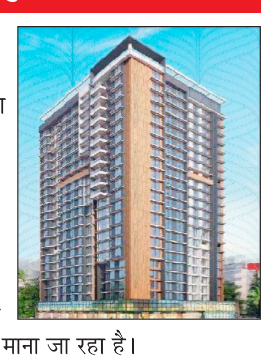

कांदिवली पश्चिम स्थित चारकोप सांगली भवन सहकारी गृहनिर्माण संस्था को महाराष्ट्र राज्य सहकारी अपील न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। न्यायालय ने पूर्व सदस्य महेश भीमराव राकटे द्वारा दायर 6.67 लाख रुपए की वसूली संबंधी विवाद याचिका को सुनवाई योग्य माना है। इस फैसले को सहकारी संस्थाओं द्वारा लिए जाने वाले अतिरिक्त शुल्क पर महत्वपूर्ण टिप्पणी माना जा रहा है।

एनओसी के बदले वसूली का आरोप

मामले के अनुसार, महेश राकटे ने अपना फ्लैट बेचने के लिए संस्था से अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा था। आरोप है कि संस्था ने एक प्रस्ताव के आधार पर उनसे 4.86 लाख रुपए अतिरिक्त शुल्क के रूप में वसूले और 1.81 लाख रुपए की अतिरिक्त मांग भी की। राकटे का कहना है कि फ्लैट बिक्री प्रक्रिया पूरी करने की मजबूरी में उन्हें यह राशि चुकानी पड़ी।

संस्था की दलील खारिज

संस्था ने अदालत में तर्क दिया कि फ्लैट बेचने के बाद राकटे सदस्य नहीं रहे, इसलिए उन्हें विवाद दायर करने का अधिकार नहीं है। हालांकि न्यायालय ने यह दलील स्वीकार नहीं की। अदालत ने कहा कि विवाद उस समय का है जब राकटे संस्था के सदस्य थे और राशि भी उसी दौरान वसूली गई थी।

आगे होगी मुख्य सुनवाई

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना संस्था के कार्यों से जुड़ा विषय है और इससे संबंधित विवाद सहकारी कानून के तहत सुना जा सकता है। अब मामले की मुख्य सुनवाई सहकारी न्यायालय में होगी, जहां यह तय किया जाएगा कि वसूली गई राशि वापस की जाएगी या नहीं। इस फैसले को सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता और सदस्यों के अधिकारों को मजबूत करने वाला माना जा रहा है।

पुलिस की तत्परता से बची जान

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

पिता के निधन से मानसिक रूप से आहत एक व्यक्ति ने तानसा नदी पुल से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, लेकिन मांडवी पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से उसकी जान बच गई। बाद में समुपदेशन कर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मांडवी पुलिस को 15 जून को सूचना मिली कि मुंबई-बड़ौदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर निमार्णाधीन तानसा नदी पुल पर लगभग 40 वर्षीय एक व्यक्ति नदी में कूदने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक आंधळे के मार्गदर्शन में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस हवलदार राजेंद्र फड तथा पुलिस कांस्टेबल धीरज अहिरे, अक्षय चंदनशिव और शुभम उगले ने स्थानीय नागरिकों की मदद से बिना व्यक्ति को सतर्क किए उसके पास पहुंचकर उसे सुरक्षित पकड़ लिया और आत्महत्या करने से रोक दिया। पुलिस स्टेशन लाकर पूछताछ और समुपदेशन के दौरान पता चला कि दो दिन पहले उसके पिता का निधन हो गया था, जिससे वह गहरे सदमे में था।

शॉर्ट स्टोरी

डॉक्टरों ने बचाई आंख

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने एक दुर्लभ और जटिल नेत्र चोट के मामले में 44 वर्षीय व्यक्ति की आंख बचाने में सफलता हासिल की है। एयरपोर्ट पर कार्यरत सचिन निकम काम के दौरान हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जब उनके चश्मे के टूटे हुए दो बड़े कांच के टुकड़े बायीं आंख और पलक में घुस गए थे। एयरपोर्ट पर बैगेज ट्रांसफर के दौरान लगेज बेल्ट की पट्टी अचानक उनके चेहरे से टकरा गई, जिससे चश्मा टूट गया और कांच के टुकड़े आंख में धंस गए। हादसे के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर थी। उन्हें तेज दर्द, रक्तस्राव और मतली की शिकायत थी। जांच में पता चला कि आंख और उसके आसपास का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। पलक दो स्थानों से कट गई थी और कॉर्निया में गहरा घाव हो गया था। आंख के अंदरूनी ऊतकों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा था, जिससे दृष्टि पूरी तरह खोने का खतरा पैदा हो गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल सर्जरी का निर्णय लिया। कंसल्टेंट ऑफ्थेल्मोलॉजिस्ट डॉ. जिमित चौधरी और उनकी टीम ने आंख में फंसे कांच के टुकड़े निकालकर क्षतिग्रस्त हिस्सों का पुनर्निर्माण किया। घावों को ठीक करने के लिए 30 से अधिक टांके लगाने पड़े। डॉक्टरों के अनुसार समय पर इलाज नहीं मिलता तो मरीज की आंख की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती थी। फिलहाल मरीज की स्थिति में सुधार है और वह रोशनी तथा हाथों की गतिविधियों को पहचानने में सक्षम हैं। आगे उनकी स्थिति के अनुसार अतिरिक्त उपचार और लेंस प्रत्यारोपण जैसी प्रक्रियाएं की जा सकती हैं।

नि:शुल्क प्री-स्कूल का शुभारंभ

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

चांदिवली के सफेद पुल परिसर में पंचशील महिला मंडल के माध्यम से संचालित होने वाले नि:शुल्क शिक्षा उपक्रम 'वेदव्यास फ्लेवीज प्री स्कूल' का शुभारंभ किया गया। इस स्कूल का उद्घाटन आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली के हाथों संपन्न हुआ। इस पहल की शुरूआत मनाली सुभाष गायकवाड द्वारा की गई है। कार्यक्रम के दौरान सुभाष गायकवाड ने उपस्थित अतिथियों एवं स्थानीय नागरिकों का स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षाविद रवि नायर, एड. अमोल मातेले, बाबू बत्तेली, लॉरेंस बाबा डिसोझा, सुनील जैन, सूर्या गौडा, एड. कैलास आगवणे, कृष्णा नलावडे, अजय शुक्ला, उत्तम पोखरकर, हिराचंद सूर्यवंशी, राजू सोनवणे, राजेंद्र कांबळे, जगन्नाथ उदूगडे सहित विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनिल गलगली ने कहा कि नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक उपक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को बेहतर भविष्य की दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से चलने वाले ऐसे प्रयास शिक्षा के प्रसार और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

फडणवीस ने सराहा योगदान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में सामाजिक विकास के क्षेत्र में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की पहलों की सराहना करते हुए कहा कि बैंक के कार्यों से राज्य के 30 जिलों में 8.3 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिला है। इनमें 75 प्रतिशत आकांक्षी जिले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी समाज के कमजोर वर्गों तक विकास का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बैंक की जल संरक्षण परियोजनाओं के तहत 1.06 अरब लीटर जल भंडारण क्षमता विकसित की गई है। इसके अलावा 45 वॉटर एटीएम स्थापित किए गए, 271 गांवों में जल सुरक्षा सुनिश्चित की गई तथा 7 लाख पौधे लगाए गए। वहीं 8,000 से अधिक किसानों को जलवायु-अनुकूल खेती का प्रशिक्षण दिया गया। रोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 6,598 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया, जिनमें 63 प्रतिशत को रोजगार मिला। लाभार्थियों में 61 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में 'सीइंग इज बिलीविंग' कार्यक्रम के तहत 4.39 लाख से अधिक लोगों की आंखों की जांच और 38,625 सर्जरी की गईं। स्टैंडर्ड चार्टर्ड की सस्टेनेबिलिटी हेड करुणा भाटिया ने कहा कि बैंक हाशिए पर रहने वाले समुदायों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोहर्रम शांति से मनाएं : डीसीपी

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

आगामी मोहर्रम पर्व के मद्देनजर भिवंडी में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) परिमंडल-2 डॉ. पवन बनसोड की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न पुलिस अधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों और सामाजिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान ताजिया जुलूस मार्ग, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, बिजली आपूर्ति और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। डीसीपी डॉ. बनसोड ने कहा कि भिवंडी शांति और भाईचारे की परंपरा वाला शहर है तथा मोहर्रम भी इसी भावना के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जुलूस और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक पुलिस अनुमति लेना अनिवार्य है। साथ ही झंडों की ऊंचाई सीमित रखने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुसार करने की सलाह दी। बैठक में जुलूस मार्ग पर मौजूद कचरे, मलबे और अन्य बाधाओं का मुद्दा भी उठाया गया। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया कि सभी अवरोधों को जल्द हटाया जाएगा। टोरेंट पावर कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी बिजली लाइनों से संबंधित समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। डीसीपी ने सोशल मीडिया पर केवल सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण सामग्री साझा करने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली पोस्ट से बचें। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने मोहर्रम को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प लिया।

फेरीवाले की पिटाई के वायरल वीडियो पर भाजपा नेता अशोक शेलके ने दी सफाई, बोले-पूरा वीडियो नहीं दिखाया गया

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

नालासोपारा में भाजपा नेता अशोक शेलके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वह एक फेरीवाले की पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। अब पूरे विवाद पर अशोक शेलके ने अपनी सफाई देते हुए वायरल वीडियो को 'आधा-अधूरा' बताया है। जानकारी के अनुसार, रविवार शाम वसई-विरार महानगरपालिका की टीम नालासोपारा पूर्व स्थित डी-मार्ट परिसर के सामने अवैध स्टॉलों और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान वहां मौजूद फेरीवालों और भाजपा कार्यकताओं के बीच बहस शुरू हो गई। आरोप है कि बहस के दौरान एक फेरीवाले ने भाजपा कार्यकर्ता पर हाथ उठा दिया। इसके बाद मौके पर मौजूद भाजपा नगर सेवक अशोक शेलके गुस्से में आ गए और कथित तौर पर फेरीवाले की पिटाई कर दी। घटना का वीडियो किसी व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विवाद बढ़ने के बाद अशोक शेलके ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए आईएएनएस से कहा कि वायरल किया गया वीडियो पूरी घटना नहीं दिखाता। डी-मार्ट परिसर के आसपास वीकएंड में शनिवार-रविवार को औसतन पांच-सात हजार लोगों की आवाजाही होती है जबकि आसपास लगभग 25 हजार लोगों की बस्ती भी है। उन्होंने दावा किया कि उस क्षेत्र में 100 मीटर के दायरे में करीब 150 गैस सिलेंडर रखे हुए थे। यदि किसी कारणवश ये सिलेंडर फट जाते, तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। अशोक शेलके ने कहा कि पिछले दो रविवार से फेरीवालों को समझाया जा रहा था कि वे किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर चले जाएं लेकिन वे इसके लिए तैयार नहीं थे। उनका आरोप है कि जब वे और उनके कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे, तब फेरीवालों ने भाजपा कार्यकर्ता हरीलाल जायसवाल पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि जब उनके कार्यकर्ता पर हमला हुआ तो प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक थी।

हिंदमाता एंकर: पलसधरी-खोपोली सेक्शन में दो महीने तक हर सप्ताह तीन दिन रहेगा रात्रिकालीन ट्रैफिक और पावर ब्लॉक, कुछ लोकल सेवाएं प्रभावित

खोपोली मार्ग पर विशेष ब्लॉक, रखरखाव कार्य के लिए निर्णय

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल ने पलसधरी और खोपोली स्टेशन के बीच ट्रैक संरक्षा एवं रखरखाव कार्य (टीएसआर) के लिए विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक घोषित किया है। यह ब्लॉक 17/18 जून 2026 की मध्यरात्रि से शुरू होकर अगले दो महीनों तक प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को लागू रहेगा।

तीन घंटे रहेगा ब्लॉक

रेल प्रशासन के अनुसार, ब्लॉक रात 1:30 बजे से सुबह 4:30 बजे तक रहेगा। इस दौरान पलसधरी और खोपोली के बीच उपनगरीय रेल सेवाएं संचालित नहीं होंगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा की योजना पहले से बनाने की अपील की है।

कुछ लोकल ट्रेनें रहेंगी रद्द

ब्लॉक के कारण गुरुवार को खोपोली से रात 12:30 बजे रवाना होने वाली खोपोली-कर्जत लोकल रद्द रहेगी। वहीं बुधवार को सीएसएमटी से रात 11:18 बजे चलने वाली सीएसएमटी-खोपोली लोकल को कर्जत स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।

पहली और आखिरी सेवाओं की जानकारी

ब्लॉक से पहले खोपोली के लिए अंतिम लोकल सीएसएमटी से रात 10:28 बजे रवाना होगी, जबकि खोपोली से अंतिम लोकल रात 11:20 बजे कर्जत के लिए चलेगी। ब्लॉक समाप्त होने के बाद पहली कर्जत-खोपोली लोकल सुबह 5:43 बजे तथा पहली खोपोली-सीएसएमटी लोकल सुबह 4:50 बजे प्रस्थान करेगी।

यात्रियों से सहयोग की अपील

मध्य रेल ने कहा है कि यह ब्लॉक रेल बुनियादी ढांचे के रखरखाव और सुरक्षित संचालन के लिए आवश्यक है। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए रेलवे ने सहयोग की अपील की है।

मुंबई की तटीय सुरक्षा को मिली नई ताकत

सागर रक्षक दल में 1246 नए स्वयंसेवक शामिल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई की समुद्री सीमाओं को अभेद्य बनाने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए मुंबई पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है। तटीय सुरक्षा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से 'सागर रक्षक दल' (एसआरडी) का व्यापक विस्तार किया गया है। इस दल में 1246 नए स्वयंसेवकों को शामिल किया गया है। जिसके बाद अब इस विशेष सुरक्षा नेटवर्क की कुल ताकत बढ़कर 3156 हो गई है। यह विस्तार तटीय सुरक्षा में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा।

सुरक्षा एजेंसियों के 'आंख और कान'

सागर रक्षक दल (एसआरडी) मुख्य रूप से तटीय सुरक्षा का एक स्वयंसेवी नेटवर्क है। जो कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए 'आंखों और कानों की तरह काम करता है। इस दल में स्थानीय मछुआरे, नाव मालक और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को शामिल किया गया है। चूंकि ये लोग समुद्र और स्थानीय भूगोल से भली-भांति परिचित होते हैं, इसलिए इनका नेटवर्क किसी भी बाहरी खतरे को भांपने में सबसे कारगर साबित होता है। साल 2008 में हुए 26/11 जैसे भीषण आतंकी हमलों की पुनरावृत्ति को रोकने और दुश्मनों की किसी भी साजिश को नाकाम करने के लिए इस सामुदायिक सुरक्षा कवच को और अधिक मजबूत किया गया है।

आधुनिक और सामुदायिक नेटवर्क का तालमेल

मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय के निर्देशों के बाद शहर के सभी तटीय पुलिस स्टेशनों में नए एसआरडी सदस्यों की भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया है। 26/11 हमलों के बाद से ही मुंबई पुलिस आधुनिक उपकरणों और तकनीक के इस्तेमाल के साथ-साथ त्वरित सूचना तंत्र के लिए एक मजबूत मानव नेटवर्क तैयार करने पर विशेष ध्यान दे रही है। इस दल के सभी स्वयंसेवकों को सख्त हिदायत दी गई है कि, वे समुद्र या तटीय इलाकों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि, लावारिस नाव, वस्तु या किसी अजनबी व्यक्ति को देखते ही तुरंत 112 आपातकालीन हेल्पलाइन या स्थानीय पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते त्वरित कार्रवाई की जा सके।

डीजल कीमतों और बढ़ते खर्च का असर

• महाराष्ट्र एसटी ने बढ़ा हुआ किराया एक माह और बढ़ाया

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बढ़ती डीजल कीमतों और परिचालन खर्च के दबाव के बीच महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल ने यात्रियों को फिलहाल किराए में राहत न देने का फैसला किया है। साधारण बस सेवाओं पर लागू 10 प्रतिशत अतिरिक्त किराया वसूली की अवधि को एक माह बढ़ाते हुए 15 जुलाई तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। महामंडल का कहना है कि ईंधन लागत में लगातार वृद्धि और कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से आर्थिक बोझ बढ़ा है, जिसके कारण यह कदम उठाना पड़ा। इस फैसले के चलते यात्रियों को अगले एक महीने तक बढ़े हुए किराए पर ही सफर करना होगा, जबकि साधारण और मिडी बस सेवाओं के मौजूदा किराया दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

महामंडल के खर्च में लगातार हो रही है बढ़ोतरी

एसटी महामंडल की ओर से बताया गया है कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और राजस्व में वृद्धि के उद्देश्य से 15 अप्रैल से साधारण बस सेवाओं के किराए में 10 प्रतिशत की अस्थाई बढ़ोतरी की गई थी। इस व्यवस्था की अवधि 15 जून को समाप्त होने वाली थी, लेकिन बढ़ती ईंधन लागत और अन्य खर्चों को देखते हुए इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। एसटी प्रशासन के अनुसार डीजल की कीमतों में वृद्धि के कारण महामंडल के खर्च में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके साथ ही कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में हुई वृद्धि का अतिरिक्त आर्थिक भार भी महामंडल पर पड़ा है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अस्थायी किराया वृद्धि को एक माह तक जारी रखने की मंजूरी दी गई है।

महामंडल ने जारी किए निर्देश

■ महामंडल द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार साधारण और मिडी बस सेवाओं के लिए प्रति चरण किराया दर 11.05 रुपए ही बनी रहेगी। वहीं न्यूनतम यात्रा किराया वयस्क यात्रियों के लिए 14 रुपए और बच्चों के लिए 7 रुपए यथावत रहेगा, इससे यात्रियों को फिलहाल मौजूदा किराया दरों पर ही यात्रा करनी होगी। महामंडल ने इस संबंध में सभी विभाग नियंत्रकों, क्षेत्रीय प्रबंधकों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए है। अधिकारियों को बढ़े हुए किराया दरों को तत्काल प्रभाव से लागू करने तथा यात्रियों को इसकी जानकारी देने के लिए कहा गया है। एसटी प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय केवल आर्थिक परिस्थितियों और बढ़ती लागत को देखते हुए लिया गया है। आने वाले समय में ईंधन कीमतों और वित्तीय स्थिति की समीक्षा के बाद किराया संरचना पर आगे निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल यात्रियों को 15 जुलाई तक 10 प्रतिशत बढ़े हुए किराए का भुगतान करना होगा।

2029 तक खत्म हो जाएगी शिवसेना यूबीटी

ऑपरेशन टाइगर के बीच एकनाथ शिंदे गुट के नेता का बड़ा दावा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में कथित 'ऑपरेशन टाइगर' और उद्धव ठाकरे गुट के सांसदों के पाला बदलने की चचाओं के बीच एकनाथ शिंदे की शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने विपक्ष पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। निरुपम ने दावा किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) अंदरूनी तौर पर बेहद कमजोर हो चुकी है और पार्टी के भीतर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपनी ही लीडरशिप से भरोसा पूरी तरह उठ गया है। उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन पर लग रहे विधायकों को तोड़ने के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। संजय निरुपम ने 'ऑपरेशन टाइगर'की अटकलों पर तंज कसते हुए कहा कि यह पूरी शब्दावली सिर्फ मीडिया द्वारा गढ़ी गई है और महायुति सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

2029 तक पूरी तरह समाप्त हो जाएगा 'उबाठा'का वजूद

संजय निरुपम ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि साल 2029 के आते-आते उद्धव ठाकरे की पार्टी का वजूद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हर बीतते दिन के साथ उद्धव के नेतृत्व से तंग आकर लोग लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। निरुपम ने तंज कसा कि जो उद्धव ठाकरे हमेशा खुद फेसबुक पर लाइव रहते थे, पहली बार उनसे प्रेरणा लेकर उनके अपने सांसद भी मातोश्री की बैठक में खुद ऑनलाइन लाइव हो गए और शारीरिक रूप से हाजिर नहीं हुए। उन्होंने कहा कि सांसदों और विधायकों के बीच पनपा यह जबरदस्त असंतोष इस बात का साफ प्रमाण है कि आने वाले दिनों में यह पार्टी पूरी तरह बिखरने वाली है।

निरुपम ने गिनाईं आंतरिक कलह की तीन बड़ी वजहें

शिवसेना में लगातार बढ़ रही इस अंदरूनी बगावत के पीछे संजय निरुपम ने तीन प्रमुख कारणों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पहली वजह यह है कि इस समय 'उबाठा'के शीर्ष नेतृत्व में अत्यधिक अहंकार आ गया है। दूसरी बात, पार्टी का नेतृत्व अपने ही विधायकों और सांसदों के लिए सुलभ नहीं है, जिससे उनसे मिलना भी नामुमकिन हो जाता है। तीसरी और सबसे बड़ी वजह यह है कि इस पार्टी को चलाने वाले दोनों प्रमुख नेता, यानी उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे अपने घर से बाहर कदम ही नहीं निकालते और न ही कभी जमीनी स्तर पर महाराष्ट्र के दौरों पर जाते हैं।

सांसदों की गैरहाजिरी से गरमाई राज्य की राजनीति

इस पूरे विवाद की जड़ रविवार (14 जून 2026) को मुंबई स्थित ठाकरे आवास 'मातोश्री'में बुलाई गई पार्टी के लोकसभा सांसदों की आपात बैठक से जुड़ी है। इस अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के कुल 9 सांसदों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर केवल 4 सांसद ही वहां उपस्थित हो सके और 5 प्रमुख चेहरे गायब रहे। हालांकि, डैमेज कंट्रोल करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविंद सावंत ने स्पष्टीकरण दिया था कि कुछ सांसद व्यक्तिगत आपातकालीन कारणों से मुंबई नहीं आ पाए थे और वे केवल वर्चुअली (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) इस बैठक से जुड़े थे, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे किसी बड़े सियासी विस्फोट से पहले की शांति मान रहे हैं।

मुंबई की 575 किमी सड़कें हुईं कंक्रीट

बारिश के बाद अक्टूबर में फिर शुरू होगा काम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मानसून आने से पहले बीएमसी ने शहर भर में चल रहे सभी सड़क सीमेंटीकरण कार्यों पर अस्थायी रोक लगा दी है। अब यह परियोजना मानसून के बाद अक्टूबर में एक बार फिर से शुरू की जाएगी। मानसून से पहले उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बीएमसी अब तक अपने सड़क सीमेंटीकरण लक्ष्य का 80.63 प्रतिशत पूरा कर चुकी है। यह कार्य 17,700 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी मेगा सीमेंटीकरण परियोजना का हिस्सा है, जिसके तहत बीएमसी ने शहर की 713 किलोमीटर लंबी सड़कों को कंक्रीट में बदलने का लक्ष्य रखा है। इस परियोजना की घोषणा वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई को गड्ढा मुक्त बनाने के उद्देश्य से की थी।

10 प्रतिशत सड़कों पर अभी तक सीमेंटीकरण शुरू ही नहीं

करीब 575 किलोमीटर सड़क कार्य पूरा होने के बावजूद लगभग 10 प्रतिशत सड़कों पर अभी तक सीमेंटीकरण शुरू ही नहीं हुआ है। नागरिक डैशबोर्ड के अनुसार, ऐसी अधिकांश सड़कें मुख्य शहर क्षेत्र में स्थित हैं। सबसे अधिक लंबित सड़कें बी वार्ड में हैं, जहां 39 सड़कों पर काम शुरू नहीं हुआ है। इसके बाद डी वार्ड में 31, ई वार्ड में 28 और एफ/नॉर्थ वार्ड में 25 सड़कें शामिल हैं। वहीं, बोरीवली, दहिसर, कांदिवली और गोरेगांव जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक सड़कों का सीमेंटीकरण हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, दूसरे चरण के टेंडरों में हुई देरी के कारण मुख्य शहर क्षेत्र में कार्य की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। अधिकारियों का कहना है कि 'जहां सड़कें सीमेंट की वन चुकी है, वहां गड्ढों की शिकायतें कम होने की उम्मीद है। सड़कों की लगातार निगरानी की जाएगी।

पहले चरण में दिए गए थे 325 किलोमीटर के लिए ठेके

परियोजना के पहले चरण के तहत 325 किलोमीटर सड़क नेटवर्क के कंक्रीटीकरण के लिए जनवरी 2023 में ठेके दिए गए थे, जबकि दूसरे चरण के ठेके अगस्त 2024 में आवंटित किए गए। काम शुरू होने के तीन वर्ष बाद भी बीएमसी 5 जून तक अपने वास्तविक लक्ष्य का लगभग 80.6 प्रतिशत ही पूरा कर सकी है। बीएमसी से प्राप्त रिकॉर्ड के अनुसार, 5 जून तक शहर में कुल 574.88 किलोमीटर सड़कों का सीमेंटीकरण किया जा चुका था। इनमें से पहले चरण में 89 प्रतिशत यानी लगभग 290 किलोमीटर सड़कों का काम पूरा हो चुका है, जबकि दूसरे चरण के लक्ष्य का 73.30 प्रतिशत कार्य पूरा किया गया है। हालांकि जून से अक्टूबर तक के चार महीने के मानसून काल में सीमेंटीकरण परियोजना से जुड़े सभी सिविल कार्य स्थगित रहेगे, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सड़क सीमेटीकरण की प्रक्रिया तीन चरणों में होती है।

यात्रियों को मिलेगी निर्बाध बस सेवा

एमएमआर में रूट, किराया और टाइमटेबल एकीकृत करने की तैयारी शुरू

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र की बस सेवाओं में व्यापक बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर राज्य सरकार ने 7 परिवहन उपक्रमों के रूट, किराया ढांचे, समय-सारिणी और तकनीकी प्रणालियों को एक मंच पर लाने की कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत 'वन एमएमआर नेटवर्क की संकल्पना को साकार करने के लिए तकनीको और अध्ययन समूहों का गठन किया गया है। ये दोनों समूह जुलाई के अंत तक एकीकृत बस परिवहन का खाका तैयार कर रिपोर्ट सरकार को सौंपिंगे, जिससे यात्रियों को निर्बाध, सुविधाजनक और अधिक किफायती बस सेवा उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा। नगर विकास विभाग द्वारा सोमवार को जारी शासनादेश के अनुसार वर्तमान में एमएमआर क्षेत्र में विभिन्न परिवहन उपक्रम अलग-अलग रूट, किराया संरचना, समयसारिणी और तकनीकी प्रणालियों के आधार पर संचालित होते हैं। इससे यात्रियों को कई बार असुविधा का सामना करना पड़ता है।

एकीकृत बस परिवहन मॉडल तैयार

इसी समस्या के समाधान के लिए एकीकृत बस परिवहन मॉडल तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर नगर विकास विभाग ने मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण डोंबिवली, मीरा-भायंदर, वसई-विरार और पनवेल की बस सेवाओं को एकीकृत करने के लिए तकनीकी समूह और अध्ययन समूह का गठन किया है। इन समूहों को जुलाई के अंत तक एकीकृत बस परिवहन व्यवस्था का विस्तृत खाका तैयार कर सरकार को सौंपने की जिम्मेदारी दी गई है।

15 जुलाई तक तकनीकी समूह देगा रिपोर्ट

बेस्ट के सहायक महाप्रबंधक (यातायात एवं संचालन) की अध्यक्षता में गठित तकनीकी समूह की 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। यह समूह विभिन्न परिवहन उपक्रमों के बस नेटवर्क का अध्ययन कर मार्गों के पुनर्गठन, समान समय सारिणी, तकनीकी एकीकरण और साझा बस डिपो व अन्य सुविधाओं के उपयोग के लिए सुझाव देगा। समूह अंतर-शहरी और अंतर अधिकार क्षेत्रीय बस सेवाओं के लिए किराया दरो के युक्तिकरण पर भी विचार करेगा। साथ ही एक से अधिक परिवहन उपक्रमों के क्षेत्र से गुजरने वाली बस सेवाओं के लिए किराया निर्धारण और राजस्व वितरण की पद्धति भी प्रस्तावित करेगा।

1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का दावा

चंद्रपुर में नहीं पहुंची एम्बुलेंस घर में हुए प्रसव के बाद महिला की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ चंद्रपुर

एक तरफ जहां देश को महाशक्ति बनाने, डिजिटल इंडिया और महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ चंद्रपुर और गढ़चिरोली जैसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों की जमीनी हकीकत आज भी रोंगटे खड़े कर देने वाली है। बुनियादी ढांचे और पक्की सड़कों के अभाव में आज भी सुदूर ग्रामीण इलाकों के नागरिक तड़प-तड़प कर दम तोड़ने को मजबूर हैं। ऐसा ही एक बेहद दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण मामला चंद्रपुर जिले से सामने आया है, जहां खराब सड़क के चलते समय पर एम्बुलेंस न मिलने के कारण बच्चे को जन्म देते ही एक 25 वर्षीय आदिवासी महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान संगीता गेदम के रूप में हुई है। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और ग्रामीण विकास के दावों की पोल खोल कर रख दी है।

एम्बुलेंस के लिए नहीं है कोई पक्की सड़क

यह पूरी घटना चंद्रपुर जिले के जीवाती तालुका के अंतर्गत आने वाले सुदूर गांव घोडनकप्पी में घटित हुई। तेलंगाना सीमा के बेहद करीब स्थित इस पहाड़ी और जंगली गांव तक पहुंचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क उपलब्ध नहीं है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, संगीता गेदम को गर्भावस्था के आठवें महीने में ही अचानक प्रसव पीड़ा (लेबर पेन) शुरू हो गई। गांव की कनेक्टिविटी न होने के कारण परिजनों ने आनन-फानन में घर पर ही उसका प्रसव कराया, जहां उसने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। लेकिन प्रसव के तुरंत बाद महिला को अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा, जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी।

गड्ढों में फंसी रही एम्बुलेंस, तड़प-तड़प कर प्रसूता ने तोड़ा दम

स्थिति गंभीर होते देख परिजनों ने तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना दी और आपातकालीन सरकारी एम्बुलेंस सेवा को कॉल किया। डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी एम्बुलेंस लेकर रवाना भी हुए, लेकिन घोडनकप्पी गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क इतनी बदतर, संकरी और गड्ढों से भरी थी कि एम्बुलेंस गांव के भीतर प्रवेश ही नहीं कर सकी। जब तक स्वास्थ्य कर्मी अन्य वैकल्पिक साधनों से पैदल या अन्य तरीके से पीड़ित महिला तक पहुंचने का प्रयास करते, तब तक समय पर सही इलाज न मिल पाने के कारण अत्यधिक खून बह जाने से संगीता गेदम ने दम तोड़ दिया।

महिला को पाटन स्वास्थ्य केंद्र आने की दी गई थी सलाह

इस दुखद घटना के बाद जब प्रशासनिक अमले पर सवाल उठने शुरू हुए, तो जिला स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तरफ से आधिकारिक सफाई पेश की है। स्वास्थ्य प्रशासन के अनुसार, विभाग की ओर से महिला की नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच की जा रही थी। चूंकि घोडनकप्पी गांव में पक्की सड़क की गंभीर समस्या है, इसलिए आशा वर्कर और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने संगीता को प्रसव के अनुमानित समय से पहले ही पाटन के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शिफ्ट होने या अपने मायके चले जाने की तत्परता दिखाई थी, जहां सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त थीं। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि महिला ने स्वयं वहां रहने से मना कर दिया था और आठवें महीने में अचानक समय से पहले प्रसव होने के कारण यह हादसा हो गया।

2 लाख रंगदारी लेते आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच ने सोशल मीडिया के जरिए व्यवसायियों को फर्जी खबरों से बदनाम कर रंगदारी वसूलने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच यूनिट-5 ने आरोपी को 2 लाख रुपए की रंगदारी लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपी रणदीप सिंह गुजराल (40) 'आफ्टरनून टाइम्स'नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट का संचालन करता था, जिसके करीब 10 हजार फॉलोअर्स हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने मुलुंड के एक दूध उत्पाद व्यवसायी को निशाना बनाया। उसने दुकान के उत्पादों को खराब बताते हुए फर्जी वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी।

50 हजार पहले वसूल, फिर 2 लाख की मांग

व्यवसायी की शिकायत के अनुसार, आरोपी पहले 50 हजार रुपए ऑनलाइन वसूल कर चुका था। इसके बाद उसने 2 लाख रुपए नकद में मांगे। लगातार धमकियों के बाद पीड़ित ने क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। क्राइम ब्रांच और सीआईयू की टीम ने मुलुंड के सोनापुर सिग्नल इलाके में जाल बिछाया और 14 जून 2026 को आरोपी को पकड़ लिया।

149 करोड़ मुनाफे का झांसा देकर 6.81 करोड़ की ठगी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

साइबर अपराध शाखा पुलिस ने दक्षिण मुंबई के एक 59 वर्षीय सेवानिवृत्त व्यक्ति से लगभग 7 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले, साइबर जालसाजों की मदद के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दयानंद सुरेश कोलेकर (31), धनंजय सागवेकर (36) और सुकृत भोसले (33) के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस ने कुल 10 लोगों के खिलाफ बीएनएस और आईटी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच

पीड़ित बुजुर्ग को ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच दिया गया था। धोखेबाजों के झांसे में आकर पीड़ित ने 11 अप्रैल से 27 मई के बीच कुल 48 लेनदेन के माध्यम से विभिन्न बैंक खातों में 6.81 करोड़ रुपए स्थानांतरित कर दिए। जालसाजों ने एक फर्जी वेबसाइट बना रखी थी। जिस पर पीड़ित का निवेश और कथित मुनाफा बढ़कर काल्पनिक रूप से 149 करोड़ रुपए दिखाई दे रहा था। जब बुजुर्ग ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की, तब उन्हें इस बड़ी धोखाधड़ी का अहसास हुआ।

वसई-विरार शहर महानगरपालिका
प्रभाग समिती 'एफ' धानिव/पेल्हार
ता. वसई, जि. पालघर, पिन ४०१ २०८

ई-मेलः pelharbvvcmc@gmail.com
जा.क्रः वविशम/प्रसएफ/कर.वि./९६२/२०२६-२७
दिनांक : ०८/०६/२०२६

जाहिर नोटीस

वसई विरार शहर महानगरपालिका सर्व नागरीकांना सुचित करण्यात येते की, खालील नमुद मिळकत बिलालपाडा विभागातील मालमत्तां धारकांनी हस्तांतरण कामी लेखी अर्ज तसेच कागदपत्रे सादर केली आहेत. उक्त फेरफार प्रकरणी कोणतीही हरकत/तक्रार असल्यास त्यांनी कार्यालयात जाहीर नोटीस प्रसिद्ध झालेल्या तारखेपासून सात (७) दिवसाच्या आत लेखी हरकत/तक्रार कागदपत्रांसह नोंदवावी. सदर हरकत/तक्रार न आल्यास कार्यालय पुढील मालमत्ता हस्तांतरणाची कार्यवाही करण्यांत येईल.

अ. क्र.	विभाग	नविन मा.क्र.		ज्यांचे नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजेच विकणाऱ्याचे किंवा करदात्याचे नांव	खरीददाराचे किंवा अभिहस्तांकन करदात्याचे नांव
		वॉर्ड क्र.	मा.क्र.		
1.	बिलालपाडा	०८	७२९९	सीमा रितेश शुक्ला	शकुंतला मनीष मौर्या
2.	बिलालपाडा	०१	३६७४/३	मो नवाब फरुकी मो फरुख	अनवरी हमीदुल हसन खान
3.	बिलालपाडा	०३	१८७८	सिमा पन्नालाल विश्वकर्मा	कतवारु सिरी गुप्ता
4.	बिलालपाडा	०८	१८५/१३	तुकाराम नामदेव पवार	आकाश भरत गायकवाड
5.	बिलालपाडा	१३	१३९०२	अन्सारी इसरत जहान मोहम्मद शमीम	मो. फिरोज s/o मो. शलीम
6.	बिलालपाडा	०१	६१३/४	शंकर पुंडलिक माळी	राधिकादेवी मनोज अग्रवाल
7.	बिलालपाडा	१३	१३२०२/३	रमजान अली अब्दुल मजीद खान	मनोज रामप्रसाद सिंह
8.	बिलालपाडा	०१	२२९१	सीमा पन्नालाल विश्वकर्मा	रितेश कुमार विश्वकर्मा
9.	बिलालपाडा	०१	४०५	मंजु प्रेमकुमार केवट	प्रेमकुमार श्यामलाल केवट
10.	बिलालपाडा	१३	१५३४६/२	अजयकुमार एम प्रजापती	गुडिया राजु गुप्ता
11.	बिलालपाडा	०८	४६५६/२	संतु शांती भौमिक	संजु शशिकांत रावत
12.	बिलालपाडा	१३	२०४२३	रीतादेवी ललाजीप्रसाद मौर्या	पिंकी जयप्रकाश मौर्या
13.	बिलालपाडा	१३	१९४५७	किरीट भाई सोमाभाई पटेल	जोहेंद्र सोनवारी प्रजापती/सविता जोहेंद्र प्रजापती
14.	बिलालपाडा	१३	११३३२	मोहम्मद नफिस फते मोहम्मद	जाहिदा तजमुल्ल हुसैन रजा
15.	बिलालपाडा	०८	१५८२/९	सुभाषचंद्र रामलखन पासी	अभिषेक सभाजित यादव
16.	बिलालपाडा	१३	११०१२/२	अब्दुल सलाम मुहम्मद हनीफ	अलीमुन्नीशा अब्दुल सलाम
17.	बिलालपाडा	०१	३३३	त्रिलोकी महेश मौर्या उर्फ तिर्भलोगी शिवप्रसाद मौर्या	तस्सवर अली हसन रजा खान
18.	बिलालपाडा	०१	३८४२/८	राजेश पंचराम गुप्ता	निलेश शिवशंकर यादव
19.	बिलालपाडा	०२	१७०५	सुरेंद्र प्रताप मौर्या	मनोज कुमार पटवा
20.	बिलालपाडा	०४	१९८	महमुद अहमदचंद मोहम्मद	रियाजुल हक खान
21.	बिलालपाडा	१३	१९८८३/२	रुकमीणी शिवप्रसाद यादव	ओम प्रकाश s/o बुधिराम

सही/-
सहा. आयुक्त
प्रभाग समिती 'एफ' धानिव/पेल्हार
वसई विरार शहर महानगरपालिका

हिंदमाता एंकरः नागपुर की महिला के साथ रेप और ब्लैकमेलिंग, 2 गिरफ्तार, मौलाना फरार

एमपी ले जाकर कराया धर्मांतरण और जबरन निकाह!

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर के सोनेगांव थाना क्षेत्र में एक विवाहित महिला के साथ नशीला पदार्थ मिलाकर दुष्कर्म करने, अश्विल वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और उसके बाद धर्मांतरण के लिए दबाव डालने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में कलमेश्वर निवासी अय्याज ताज मदारे और अमीन शेख को गिरफ्तार किया है, जबकि तामिया मध्य प्रदेश निवासी हजरत मौलाना फरार है। मौलाना की तलाश में नागपुर पुलिस तामिया पहुंची हुई है।

बहाने से बुलाया होटल

पीड़िता का पति सेना में कार्यरत है। वह किसी दूसरे शहर में तैनात है। पीड़िता प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करती है। फरवरी 2025 में आरोपी ने उसे प्लॉट खरीदने के बहाने संपर्क कर नागपुर के होटल में बुलाया था। फरियादी ने पुलिस थाने में कहा कि आरोपी ने नशीला पदार्थ मिलाकर जूस पिलाया, बेहोशी की हालत में दुष्कर्म कर वीडियो और फोटो बना लिए।

2 की गिरफ्तारी के बाद तीसरे की तलाश जारी

सोने गांव थाने के पुलिस निरीक्षक राहुल तसरे ने बताया कि 13 जून को महिला ने थाने में इसकी शिकायत की। इसके तहत एफआईआर दर्ज की गई। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तीसरे की तलाश की जा रही है।

महाराष्ट्र अंध श्रद्धा निर्मूलन कानून के तहत केस दर्ज

पुलिस ने महाराष्ट्र अंध श्रद्धा निर्मूलन कानून के तहत भी मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उस आरोपी को सहायता करने वाले आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है एवं पूरी तहकीकात शुरू कर दी है।

2024 में लड़की की हुई शादी

पुलिस के अनुसार, महीला बचपन से एक दूसरे को जानते थे। एक ही गांव के पड़ोसी थे। 2024 में लड़की की शादी हुई, शादी के बाद इंस्टाग्राम पर फिर से दोनों की मुलाकात हुई। फरियादी प्रॉपर्टी डीलिंग के काम करती थी। ऐसा आरोपी को पता था और आरोपी ने उसे फोन किया कि एक प्रॉपर्टी डीलिंग की मीटिंग करनी है। उसके बहाने उसे एक होटल में बुलाया। उसके बाद उसने उसका शारीरिक शोषण किया।

पीड़िता ने पुलिस को दिया वीडियो

थाने के पुलिस निरीक्षक ने बताया कि पीड़िता ने अपनी फरियाद में बताया है। साथ ही एक वीडियो भी महिला ने पुलिस को दिया है। मुख्य आरोपी उस पर ब्लैक मैजिक काला जादू की तरह कुछ कर रहा है। उसका मोबाइल और वीडियो जप्त कर लिया।

कलमा पढ़ाया गया और हुआ निकाह

छिंदवाड़ा के एक जगह गए थे। तामिया नाम की जगह पर गए थे। मुस्लिम रीति रिवाज के तहत कलमा वहां पर उसके ऊपर पढ़ गया और वहीं पर उसके साथ वहां पर निकाह कराया गया। पिड़िता का कहना है कि निकाह के लिए उसकी सहमति नहीं थी। ऐसा पीड़िता ने कहा और इसकी तहकीकात की जा रही है।

जबरन खिलाया बीफ

तामिया नामक गांव में पुलिस ने नागपुर से टीम भेजी है। वहां पर क्या चल रहा है। कैसे चल रहा है। उसकी भी पुलिस तहकीकात कर रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब वह तामिया गई वहां पर एक मौलाना भी थे, जिन्होंने कलमा पढ़ाया और धर्मांतरण और विवाह निकाह के बाद उसे बीफ भी खिलाया गया, जब उसने कहा कि वह नॉनवेज खाती है लेकिन इसका स्वाद अलग है तो, मुख्य आरोपी ने बताया कि यह बीफ है।

विचार प्रवाह

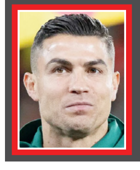

कुछ फैन्स मुझे चिढ़ाते रहते हैं और मुझ पर सीटी बजाते हैं क्योंकि मैं हैंडसम हूं, अमीर हूं, और एक महान खिलाड़ी हूं। वे मुझसे जलते हैं।

– क्रिस्टियानो रोनाल्डो

संपादकीय

डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ

भारत में सामान्यतः उत्पादों पर गुणवत्ता व उपयोग-तिथि के दावों के बावजूद उसके सेहत से जुड़े सरोकार सवालों के घेरे में रहे हैं। यह आम धारणा बनी हुई है कि कुछ लोग मुनाफे के लिए सामान की एक्सपाइरी डेट दर्ज करने में हेरफेर करने तक से नहीं चूकते। यह भी विश्वास से नहीं कहा जा सकता है कि सामान में शामिल घटकों का विवरण ईमानदारी से लेबल पर दर्ज किया गया हो। गाहे-बगाहे मीडिया व उपभोक्ता अदालतों में ऐसे मामलों की गूंज रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील लोगों के जीवन पर सही लेबलिंग से आंच नहीं आ सकती। इसी के मद्देनजर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा कई खाद्य कंपनियों को गुमराह करने वाले ट्रेड नाम के इस्तेमाल और सेहत से जुड़े दावों के लिए नोटिस जारी करना, निश्चय ही एक स्वागतयोग्य कदम है। अक्सर प्रतिष्ठित उत्पाद वाली कंपनियों के लेबल लगाकर हल्के सामान बेचने के मामले भी उजागर होते हैं। हकीकत है कि आकर्षक पैकेजिंग के जरिये उत्पाद की न्यूट्रिशन से जुड़ी जानकारी को पार्श्व में डाल दिया जाता है। विडंबना यह है कि देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित नहीं हो पाया है जो लगातार जनहित में खाद्य उत्पादों की जांच-पड़ताल कर सके। निश्चित रूप से रेगुलेटरी संस्था की निगरानी सिर्फ कभी-कभार नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस तरह की कार्रवाई कुछ समय के लिए तो सुर्खियां बनती हैं लेकिन फिर लोगों को इसकी याद कम ही रह जाती है। इस तरह की पहल को ग्राहकों की सुरक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और जागरूकता पर आधारित लगातार चलने वाले एक राष्ट्रीय मिशन का रूप दिया जा सकता है। निश्चित रूप से लाखों भारतीयों के लिए खाने की चीजों पर लेबलिंग सेहत से जुड़ा मामला है। मसलन कशेरुक रोग से पीड़ित लोग ग्लूटेन से बचने के लिए लेबलिंग पर लिखी जानकारी पर निर्भर रहते हैं, क्योंकि यह उनकी आंतों को नुकसान पहुंचा सकता है। निस्संदेह, कई एलर्जी व रोगों से जूझने वाले लोगों को कुछ उत्पादों में मौजूद पदार्थों की वजह से लंबे समय तक रहने वाली परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि उत्पादों के लेबल पर आधी-अधूरी, अस्पष्ट जानकारी ही दी जाती है। अक्सर उत्पादों पर हेल्दी, नेचुरल और आयुर्वेद पद्धति पर आधारित जैसे लुभावने शब्दों का इस्तेमाल करके ग्राहकों को भ्रमित किया जाता है, जिससे उपभोक्ता असमंजस की स्थिति में पड़ आते हैं। मधुमेह, एलर्जी और खानपान से जुड़े दूसरे परहेजों में अस्पष्ट व गलत जानकारी हानिकारक हो सकती है। उत्पादकों की ईमानदारी व उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर भरोसा करना ग्राहकों के लिए मुश्किल हो जाता है। जैसे-जैसे भारतीय समाज में पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, देश में एक मजबूत नियामक ढांचे की सख्त आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, देखने में आता है कि छोटे दुकानदार अपने नुकसान को बचाने के लिए उसका बोझ ग्राहकों पर डाल देते हैं। एक प्रतिबद्ध नैतिकता का अभाव इस मुनाफे के कारोबार में अक्सर नजर आता है। निस्संदेह, किसी उत्पाद के पैकेट में उल्लेखित जानकारी ग्राहक के समझने के लिए आसान होनी चाहिए। साथ ही बिना तथ्य व तार्किकता के सेहत से जुड़े दावे करने वाले उत्पादकों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि समय-समय पर इन उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया की औचक निगरानी व पड़ताल होनी चाहिए। साथ ही बार-बार नियम तोड़ने पर कड़े जुर्माने का प्रावधान भी होना जरूरी है। देश में कोशिश हो कि उपभोक्ता जागरूकता अभियान को सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाया जाए। इस अभियान में स्कूलों, हेल्थकेयर संस्थानों और विभिन्न मीडिया समूहों को आम लोगों का मार्गदर्शन करना चाहिए कि किसी उत्पाद में दर्ज न्यूट्रिशन लेबल को कैसे समझें। कैसे भ्रमित करने वाले दावों की पड़ताल करें। साथ ही कैसे वे सेहत के अनुकूल उत्पादों के विकल्प का चयन कर सकें। निश्चित रूप से एक जागरूक उपभोक्ता ही अनैतिक मार्केटिंग के खिलाफ बचाव की राह दिखा सकता है। खाद्य उत्पाद से जुड़े कारोबारियों को कानून के बजाय नैतिक दायित्वों के निर्वहन से कारोबार में शुचिता को बनाये रखनी चाहिए।

आज का इतिहास

- 1994 - उत्तरी कोरिया अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को अपने देश में बने रहने देने को सहमत।
- 1999 - लेकेव जुमा द. अफ़्रीका के उपराष्ट्रपति नियुक्त, कारगिल में चल रहे युद्ध के मद्देनजर आई.एस.आई. द्वारा कारगिल जेहाद फंड की स्थापना।
- 2001 - नेपाल शाही परिवार हत्या प्रकरण में डॉक्टर ने कहा कि दीपेंद्र के खून में शराब का अंश नहीं था।
- 2002 - कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पुनः खोला गया।
- 2003 - फ्रांस में 165 ईरानी आतंकवादी गिरफ़्तार।
- 2004 - मंगल पर पृथ्वी की चट्टानों से मिलते-जुलते पत्थर मिले। बगदाद में सेना की भर्ती केंद्र पर विस्फोट में 42 मरे तथा 127 घायल।
- 2008 -देश में विकसित हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' का बंगलौर में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- रूस ने 2012 तक अपने विनाशकारी रासायनिक हथियारों का जखीरा नष्ट करने की दिशा में कदम बढ़ाया। कनाडा सरकार ने तमिल वर्ल्ड मूवमेंट संगठन को आतंकवादी समूहों की सूची में डाला।
- 2012- साइना नेहवाल तीसरी बार इंडोनेशिया ओपन चैंपियन बनीं।
- 1973 - लिएंडर पेस - भारत के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी
- 1981 - अमृता राव - हिंदी चलचित्र अभिनेत्री।
- 1970 - निशिकांत कामत - हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता थे।
- 1945 - पी. डी. टी. आचार्य - भारत के भूतपूर्व लोक सभा महासचिव रहे हैं।
- 1942 - भगत सिंह कोश्यारी - उत्तराखंड के राजनीतिज्ञ तथा वहां के दूसरे मुख्यमंत्री रहे हैं।
- 1903 - ज्योति प्रसाद अग्रवाल - असम के प्रसिद्ध साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी तथा फि ल्म निमार्ता।
- 1887 - कैलाश नाथ काटजू - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा मध्य प्रदेश राज्य के भूतपूर्व मुख्यमंत्री।
- 2015 - मदन मोहन पुंछी - भारत के भूतपूर्व 28वें मुख्य न्यायाधीश थे।
- 1928 - गोपबंधु दास - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, कवि, साहित्यकार तथा उड़ीसा के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता।
- 1895 - गोपाल गणेश आगरकर - प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता।
- 1862 - लॉर्ड कैनिंग - भारत के पहले वाइसराय और कुशल राजनीतिज्ञ

भारतीय रेल की नई रफ्तार

आत्मनिर्भर व पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था की ओर बढ़ती भारतीय रेल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पिछले दिनों पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल डीजल का सीमित और समझदारी से इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा दें और जहां निजी वाहन की जरूरत हो वहां कारपूलिंग अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि हमें विदेशी मुद्रा बचानी होगी।

डीजल बचत में बड़ी सफलता

प्रधानमंत्री की अपील का जनता पर कितना असर पड़ा यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन भारतीय रेल द्वारा विद्युतीकरण मुहिम के जरिये डीजल की बचत की जा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल ने विद्युतीकरण के जरिये 185 करोड़ किलो लीटर डीजल बचाया। यह मात्रा देश की कुल चार दिन की डीजल की मांग के बराबर है। सबसे बड़ी बात यह है कि विद्युत कर्षण (रेल के पहियों को खींचने में लगने वाली ऊर्जा) पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ डीजल ट्रैक्शन की तुलना में 70 प्रतिशत किफायती भी है।

विद्युतीकरण की शुरुआत

■ उल्लेखनीय है कि 2014 से पहले देश में मात्र 21,801 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने रेल विद्युतीकरण को प्राथमिकता दी। तत्कालीन रेल मंत्री के निर्देशन में रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू किया गया। इस मिशन का लक्ष्य रेलवे के पूरे नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण करना है।

लक्ष्य के करीब पहुंचा नेटवर्क

■ रेलवे ने यह मिशन डीजल इंजनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने और ट्रेनों की सामान्य गति को बढ़ाने के लिए तैयार की है। डीजल इंजनों की कार्यक्षमता काफी कम होती है और इन्हें चलाने में बहुत लागत आती है। मार्च 2026 तक रेलवे के कुल 70,175 किलोमीटर ब्राडगेज नेटवर्क में 69,906 किलोमीटर नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। अर्थात कुल ब्राडगेज नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकृत किया जा चुका है।

शेष कार्य अंतिम चरण में

■ अब मात्र 269 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क ऐसा है, जिसका विद्युतीकरण किया जाना बाकी है। जिन राज्यों में रेल विद्युतीकरण अभी लंबित है, उनमें गोवा, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम और राजस्थान शामिल हैं। गोवा में 91 प्रतिशत, तमिलनाडु में 97 प्रतिशत, कर्नाटक में 97 प्रतिशत, असम में 98 प्रतिशत, राजस्थान में 99 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वर्ष 2014 से पहले देश में प्रतिदिन औसत 1.42 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ।

रिकॉर्ड गति से बढ़ा काम

■ वहीं रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू होने के बाद 2019-2025 में प्रतिदिन औसतन 15 किलोमीटर रेललाइनों का विद्युतीकरण किया गया। 2023-24 में रेल विद्युतीकरण का रिकार्ड बना जब प्रतिदिन औसतन 19.7 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ। यह परिवर्तन भारतीय रेल को अधिक तेज, स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाते हुए नए भारत की विकास रीढ़ को और मजबूत कर रहा है।

दुनिया के लिए मिसाल

■ स्पष्ट है कि 1925 में बांबे वीटी (वर्तमान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) और कुर्ला के बीच हार्बर लाइन पर चली पहली बिजली चालित रेलगाड़ी के 100 वर्ष बाद भारतीय रेल ने शत प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। रेल विद्युतीकरण के मामले में भारत दुनिया की कई अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ चुका है। जहां भारत में 96.6 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हो चुका है वहीं ब्रिटेन में 39 प्रतिशत, रूस में 52 प्रतिशत और चीन में 82 प्रतिशत रेलमार्गों का ही विद्युतीकरण हो पाया है।

सौर ऊर्जा का बढ़ता उपयोग

■ सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रेलवे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों क इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहा है। नवंबर 2025 तक रेलवे अपने कुल परिचालन में 898 मेगावाट सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा था। 2014 में मात्र 3.68 मेगावाट सौर ऊर्जा का इस्तेमाल रेलवे कर रहा था। 898 मेगावाट में से 629 मेगावाट का उपयोग रेलगाड़ियों को चलाने के लिए किया जा रहा है, जबकि 269 मेगावाट अन्य जरूरतों को पूरा करने में। इनमें स्टेशन की लाइटिंग, वर्कशाप, सर्विस बिल्डिंग और रेलवे क्वार्टर शामिल हैं।

नेट जीरो की ओर कदम

■ वर्तमान में 2,626 रेलवे स्टेशन सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। इस तरह के उपाय 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। भारत ने हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन तथा 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है।

हाइड्रोजन और पवन ऊर्जा पर फोकस

■ रेलवे ने हरित ऊर्जा स्रोतों को विविधीकरण करते हुए हरियाणा कजींद-सोनीपत रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली 10 कोच वाली ट्रेन को मंजूरी दे दी है। इससे प्रदूषण काफी कम होगा। रेलवे अपने ऊर्जा स्रोतों को विविधीकृत कर रहा है। वर्तमान में रेलवे ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 4,260 मेगावाट सौर और 3,427 मेगावाट पवन ऊर्जा के लिए समझौता किया है। इसके अलावा भी रेलवे ने 1,500 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लिए अनुबंध किया है।

पर्यावरण संरक्षण की मौन क्रांति

■ रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर लिमिटेड अपने सोलर पार्क से भारतीय रेलवे को सौर ऊर्जा की आपूर्ति कर रही है। इसके साथ-साथ 2025-26 में रेलवे ने 81.59 लाख पौधे लगाए, 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्र एवं 8,313 वर्षा जल संचयन संरचनाएं भी स्थापित किए। इस प्रकार भारतीय रेल पर्यावरण संरक्षण में मौन क्रांति ला रहा है।

दो करोड़ के लालच में कत्ल

• पूर्व सैनिक की मौत का राज तीन महीने बाद कब्र से आया बाहर

हिंदमाता नेटवर्क @ कर्नाटक

कर्नाटक के बेलगावी जिले में 13 मार्च 2026 की सुबह एक सामान्य सड़क दुर्घटना ने ऐसी सनसनीखेज कहानी को जन्म दिया, जिसने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया। भारतीय सेना से सेवानिवृत्त संदीप मंजरगी किसी काम से बाहर निकले थे, तभी वह सड़क हादसे का शिकार हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल घटप्रभा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। शुरुआती तौर पर मामला एक सामान्य दुर्घटना का लग रहा था और परिवार को उम्मीद थी कि संदीप जल्द स्वस्थ होकर घर लौट आएंगे।

इलाज के बीच हुई मौत

अस्पताल में इलाज के दौरान संदीप की तबीयत अचानक बिगड़ गई और कुछ ही समय बाद उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों और परिजनों ने इसे दुर्घटना से जुड़ी जटिलताओं का परिणाम माना। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिवार को सौंप दिया। गांव में अंतिम संस्कार की बजाय शव को दफ्न कर दिया गया। उस समय किसी को अंदाजा नहीं था कि मौत की असली वजह अभी जमीन के नीचे दफ्न है।

पूर्व सैनिक की सामान्य जिंदगी

संदीप मंजरगी ने भारतीय सेना में करीब 17 वर्षों तक सेवा दी थी। तीन वर्ष पहले सेवानिवृत्त होने के बाद वह अपने गांव घोडागेरी लौट आए थे। लगभग 20 वर्ष पहले उनकी शादी सुमा से हुई थी और परिवार सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा था। इसी दौरान उनकी दोस्ती पुंडलिक डोंगर नामक व्यक्ति से हुई, जो स्थानीय स्तर पर अंडा-चावल की दुकान चलाता था। धीरे-धीरे यह दोस्ती इतनी गहरी हो गई कि पुंडलिक का संदीप के घर में नियमित आना-जाना शुरू हो गया।

दोस्ती के पीछे पनपा अवैध रिश्ता

जांच में सामने आया कि समय के साथ संदीप की पत्नी सुमा और पुंडलिक के बीच कथित रूप से अवैध संबंध विकसित हो गए। दोनों एक-दूसरे के करीब आ चुके थे और साथ जीवन बिताने के सपने देखने लगे थे। लेकिन उनके रास्ते में सबसे बड़ी बाधा संदीप थे। इसी दौरान उन्हें यह भी जानकारी मिली कि संदीप ने करीब दो करोड़ रुपए का जीवन बीमा करा रखा है। यहीं से रिश्तों की यह कहानी कथित तौर पर एक खतरनाक साजिश में बदल

बीमा राशि ने बदली सोच

पुलिस जांच के अनुसार, दो करोड़ रुपए की बीमा राशि ने सुमा और पुंडलिक के मन में लालच पैदा कर दिया। दोनों ने कथित रूप से ऐसा रास्ता तलाशना शुरू किया जिससे संदीप रास्ते से हट जाएं और बीमा की रकम भी उनके हाथ लग सके। 13 मार्च को हुए सड़क हादसे ने उन्हें अपनी योजना को अंजाम देने का अवसर प्रदान कर दिया।

स्पेशल वार्ड में रची गई योजना

हादसे के बाद सुमा ने बेहतर इलाज का हवाला देकर संदीप को अस्पताल के एक विशेष वार्ड में शिफ्ट करा दिया। संयोग से वहां पुंडलिक का रिश्तेदार राहुल जोगी कार्यरत था। आरोप है कि इसी वार्ड में संदीप की हत्या की पूरी योजना तैयार की गई। बाहर से सब कुछ सामान्य इलाज जैसा दिखाई दे रहा था, लेकिन जांच एजेंसियों के अनुसार अंदर ही अंदर एक खतरनाक साजिश आकार ले रही थी।

सलाइन में मिलाया गया जहर

जांच में सामने आया कि 14 मार्च को संदीप को चढ़ाई जा रही सलाइन की बोतल में खटमल मारने की दवा और चूहे का जहर मिलाया गया। हालांकि उस दिन उनकी मौत नहीं हुई। इसके बाद कथित साजिशकर्ताओं की बेचैनी बढ़ गई। अगले दिन एक और कदम उठाया गया। आरोप है कि बाहर से मंगाई गई सलाइन की बोतल में भारी मात्रा में कीटनाशक मिलाकर संदीप को चढ़ाया गया। जहरीला मिश्रण शरीर में पहुंचने के बाद उनकी हालत तेजी से बिगड़ी और कुछ समय बाद उनकी मौत हो गई।

दिल का दौरा बताकर दफ्न किया सच

संदीप की मौत के बाद परिवार और रिश्तेदारों को बताया गया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। शुरुआती जांच में पुलिस भी इसी निष्कर्ष की ओर बढ़ी। मामला सामान्य मृत्यु मानकर लगभग बंद कर दिया गया। लेकिन बताया जाता है कि साजिश में शामिल लोगों के बीच बढ़ते तनाव और बातचीत ने इस राज को ज्यादा समय तक छिपने नहीं दिया।

फॉरेंसिक रिपोर्ट पर भी सवाल

जांच के दौरान यह भी आरोप सामने आया कि कुछ प्रभावशाली संपर्कों के जरिए फॉरेंसिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की गई। पुलिस के अनुसार, कथित तौर पर कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंच बनाकर फॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर कराई गई। आरोप है कि जहर से हुई मौत को प्राकृतिक हार्ट अटैक के रूप में दर्शाने की कोशिश की गई, ताकि किसी को शक न हो। इस कथित हेरफेर के बाद मामला पूरी तरह शांत पड़ गया था।

लालच बना साजिश का दुश्मन

हालांकि अपराध की दुनिया में अक्सर लालच ही सबसे बड़ी कमजोरी साबित होता है। पुलिस के अनुसार, दो करोड़ रुपए की बीमा राशि के बंटवारे को लेकर सुमा और पुंडलिक के बीच विवाद शुरू हो गया। दोनों के संबंधों में दरार पड़ने लगी। इसी दौरान कुछ जानकारियां बाहर आने लगीं और सोशल मीडिया पर की गई गतिविधियों ने भी संदेह को बढ़ा दिया। पुलिस ने दोबारा पूछताछ शुरू की तो कहानी की परतें खुलती चली गईं।

कब्र से निकला हत्या का राज

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में संदीप के शव को कब्र से बाहर निकलवाया। अवशेषों का दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया और नमूनों को जांच के लिए भेजा गया। साथ ही पहले की फॉरेंसिक रिपोर्ट का सत्यापन कराने के लिए उसे बेंगलुरु की प्रयोगशाला भेजा गया। जांच में कथित तौर पर शरीर में विषैले तत्वों की पुष्टि हुई। इसके बाद मामला एक बार फिर हत्या के रूप में दर्ज किया गया।

कई गिरफ्तारियां, जांच जारी

जांच आगे बढ़ने पर केवल पत्नी और उसके कथित प्रेमी की भूमिका ही नहीं, बल्कि फॉरेंसिक तंत्र से जुड़े कुछ लोगों के नाम भी सामने आए। पुलिस ने सुमा, पुंडलिक डोंगर और फॉरेंसिक विभाग से जुड़े कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि पुंडलिक ने एक वीडियो बयान में अपने संबंधों और बीमा राशि के लालच में रची गई कथित साजिश का जिक्र भी किया है। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

अब भी बाकी हैं कई सवाल

एक पूर्व सैनिक की संदिग्ध मौत से शुरू हुआ यह मामला अब हत्या, बीमा धोखाधड़ी और कथित फॉरेंसिक हेरफेर जैसे गंभीर आरोपों तक पहुंच चुका है। तीन महीने तक कब्र में दफ्न रहा सच आखिरकार बाहर आ गया, लेकिन इस सनसनीखेज प्रकरण में अब भी कई ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब जांच एजेंसियां तलाश रही हैं। यह मामला न केवल रिश्तों में विश्वासघात की कहानी है, बल्कि लालच के उस खतरनाक चेहरे को भी उजागर करता है, जो इंसान को किसी भी हद तक जाने के लिए मजबूर कर सकता है।

प्रेरक प्रसंग

बच्चे की कसम

तेज धूप से बचने और कुछ खाने-पीने के लिए हरिकेश ने सड़क किनारे एक ढाबे पर अपनी मोटरसाइकिल रोक दी। ढाबे के सामने खड़े पुराने आम के पेड़ की छाया में बैठकर उसने राहत की सांस ली। घर पहुंचने की जल्दी में वह सुबह का नाश्ता भी ठीक से नहीं कर पाया था। उसके बैग में रखा नाश्ते का पैकेट अब भी जस का तस पड़ा था। रेट कार्ड देखकर वह हैरान था कि साधारण दिखने वाले ढाबे के दाम किसी रेस्तरां से कम नहीं थे। तभी पीछे से एक कमजोर और अपंग भिखारी ने हाथ जोड़कर कहा, बाबूजी, कुछ खिला दीजिए। कल रात से कुछ नहीं खाया है। हरिकेश कुछ सोच ही रहा था कि ढाबे का मालिक आ गया। उसने भिखारी को डांटकर भगा दिया। थोड़ी देर बाद हरिकेश के सामने भोजन की थाली आ गई। तभी उसने देखा कि पेड़ के पीछे से वही भिखारी उम्मीद भरी निगाहों से उसकी ओर देख रहा है। दया आ गई। उसने अपना बचा हुआ नाश्ते का पैकेट उसे दे दिया। ढाबे वाले ने यह देखकर फिर चेतावनी दी, साहब, इन लोगों को मुंह मत लगाइए। बाद में परेशानी होगी। हरिकेश को बात अजीब लगी, लेकिन उसने ज्यादा ध्यान नहीं दिया और खाना खाकर वहीं चारपाई पर आराम करने लगा। कुछ देर बाद शोर-शराबे से उसकी नींद खुली। बाहर भीड़ जमा थी। वही भिखारी जमीन पर पड़ा छटपटा रहा था और कई लोग उसे घेरे हुए थे। ढाबे वाले ने घबराए हुए स्वर में बताया कि लोग आरोप लगा रहे हैं कि हरिकेश द्वारा दिए गए खाने में जहर था। अगर मामला बढ़ गया तो पुलिस, मुकदमा और जेल तक की नौबत आ सकती है। यह सुनते ही हरिकेश के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसके सामने परिवार, पत्नी, बच्चे और बूढ़े माता-पिता की तस्वीर घूमने लगी। वह बुरी तरह डर गया। ढाबे वाले ने खुद को उसका शुभचिंतक बताते हुए कहा कि कुछ पैसे देकर मामला रफा-दफा किया जा सकता है।

■ डर और घबराहट में हरिकेश ने अपनी सारी जेबें टटोल डालीं। कुल 8,870 रुपए निकले। उसने वह रकम ढाबे वाले को देते हुए कहा, मेरे पास अब एक पैसा भी नहीं है। चाहे मेरे बच्चे की कसम ले लो। ढाबे वाले ने पैसे रख लिए और उसे पीछे के रास्ते से निकल जाने की सलाह दी। हरिकेश मोटरसाइकिल लेकर जाने लगा, लेकिन कुछ दूर जाकर रुक गया। उसने पलटकर कहा, मैंने उस भिखारी को जो खाना दिया था, उसमें कुछ भी खराब नहीं था।

■ मुझे मेरे बच्चे की कसम है। फिर भी मैं फंस गया। हरिकेश के जाने के बाद ढाबे वाला देर तक उसे देखता रहा। फिर उसके चेहरे पर कुटिल मुस्कान फैल गई। वह बुदबुदाया, मुझे पता है साहब, खाने में कोई जहर नहीं था। खराब तो आपका नसीब था, जो हमारे जाल में फंस गए। बच्चे की कसम...। उसकी हंसी सुनसान सड़क पर देर तक गूंजती रही, और हरिकेश इंसानियत की कीमत चुकाकर बहुत दूर निकल चुका था।

राशिफल

मेष– पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

वृषभ–स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी।

मिथुन– घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कर्क–लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। आय में वृद्धि होगी।

सिंह– रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा।

कन्या– बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है। दूसरों की बातों में न आएं।

तुला–सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक– उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी।

धनु– किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें। वरिष्ठजनों की सलाह काम आएगी। नए मित्र बनेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मकर– सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं।

कुंभ– आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मीन–मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें। चोट लग सकती है। थकान तथा कमजोरी महसूस होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

राहुल को प्रतिरोध का नारा बनाएगा विपक्ष का चेहरा

2029 में पीएम मोदी और नेता विपक्ष का सीधा मुकाबला

लोकसभा चुनाव में अभी तीन साल का वक्त है लेकिन राजनीति जिस दिशा में चल पड़ी है, उससे साफ जाहिर है कि न सिर्फ 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव बल्कि अब 2029 तक जितने भी चुनाव होंगे सब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी के बीच ही सीधा मुकाबला होगा। अगर सब कुछ ठीक रहा तो इस बार लोकसभा चुनावों में कांग्रेस राहुल गांधी को अपने नेता और भावी प्रधानमंत्री का उम्मीदवार घोषित करके चुनाव लड़ेगी और इससे सहमति असहमति सहयोगी दलों पर छोड़ देगी। उधर स्वाभाविक रूप से एनडीए और भाजपा का चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहेंगे।

युवाओं और छात्रों से सीधे संवाद की पहल का मकसद क्या?

इसका संकेत खुद राहुल गांधी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक में दिए गए अपने भाषण में दिया। उन्होंने कहा कि अब देश में चुनावों की परंपरागत राजनीति से आगे प्रतिरोध की राजनीति का युग आ गया है। प्रतिरोध की राजनीति से राहुल गांधी का सीधा मतलब है कि मोदी सरकार को संसद के साथ-साथ विपक्ष अब सड़क पर भी घेरेगा। राहुल ने कहा कि सभी संस्थाएं सरकार के कब्जे में हैं और चुनावों का कोई मतलब नहीं रह गया है। इसलिए कांग्रेस को प्रतिरोध की राजनीति के अपने पुराने दौर में लौटना होगा। राहुल ने सिर्फ एलान ही नहीं किया बल्कि उन्होंने प्रतिरोध की राजनीति की शुरुआत करते हुए सबसे पहले युवाओं और छात्रों से सीधे संवाद करने के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसकी शुरुआत वह कोटा, इलाहाबाद, पटना और दिल्ली में छात्र युवा सम्मेलन से कर रहे हैं।

क्या नरेंद्र मोदी के मुकाबले राहुल गांधी को आगे करने में कोई गुरेज नहीं?

भाजपा और एनडीए तो 2014 से ही चाहे लोकसभा हो या विधानसभा का चुनाव नरेंद्र मोदी को आगे करके उनके नाम पर ही हर चुनाव लड़ रहा है। सत्ता पक्ष के लिए नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और नाम चुनावों में जीत का सबसे बड़ा मंत्र है जबकि इसके विपरीत कांग्रेस मोदी के मुकाबले अपने किसी भी नेता को आगे करके चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी। इसी तरह 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्षी इंडिया गठबंधन भी मोदी के मुकाबले बिना कोई चेहरा आगे लाए ही मैदान में उतरा था। लेकिन अब कांग्रेस जिस राह पर चल पड़ी है, उससे यह साफ है कि अब उसे नरेंद्र मोदी के मुकाबले राहुल गांधी को आगे करने में कोई गुरेज नहीं है। अब राहुल गांधी खुद आगे बढ़कर सरकार के खिलाफ होने वाली लड़ाई की कमान संसद के साथ सड़क पर भी संभालने के लिए तैयार हैं।

भाजपा ने क्यों नहीं गिना नेहरू के 1946 से लेकर 1952 तक का कार्यकाल?

हाल ही में भारतीय जनता पार्टी और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के बारह साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस जश्न के दौरान न सिर्फ मोदी सरकार के 12 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का जोर-शोर से प्रचार प्रसार किया गया बल्कि यह भी बताया गया कि आम चुनावों में निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को भी पीछे छोड़ दिया है। इसे साबित करने के लिए नेहरू के 1946 से लेकर 1952 तक के कार्यकाल को इस आधार पर छोड़ दिया गया कि यह समय देश के पहले आम चुनावों से पहले का था। इसलिए 1952 के आम चुनावों के बाद से नेहरू के कार्यकाल की तुलना मोदी के 2014 से अब तक के कार्यकाल से की गई और बताया गया कि निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी सबसे लंबे समय तक इस पद पर रहने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए।

क्या आगे भी सारे चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ेगा एनडीए?

हालांकि नेहरू पहले 1946 में अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री मनोनीत हुए। इसके बाद जब देश 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ तो संविधान सभा निर्वाचित हुई और नेहरू फिर प्रधानमंत्री बने और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के बाद भी संविधान सभा भंग नहीं हुई बल्कि संसद के रूप में 1952 में चुनावों के बाद नई सरकार के गठन होने तक बनी रही। इसलिए नेहरू के इस कार्यकाल को अनिर्वाचित नहीं कहा जा सकता है। लेकिन सत्ता पक्ष की यह कवायद 2029 के लोकसभा और उससे पहले होने वाले चुनावों के लिए फिर नरेंद्र मोदी के चेहरे को ज्यादा चमकदार और कामयाब बनाकर जनता के बीच पेश करने के लिए की जा रही है। यानी यह तय है कि आगे भी सारे चुनाव एनडीए मोदी के चेहरे और नाम के सहारे ही लड़ेगा।

क्या अब कोई भी क्षत्रप कांग्रेस को उलाहना नहीं देगा?

उधर विपक्षी खेमे की तस्वीर अब खासी बदल गई है। हाल ही में हुए पांच विधानसभा चुनावों में प.बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन के किले ढह गए और इसके पहले बिहार में तेजस्वी यादव, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे भाजपा के हाथों हार चुके हैं। कांग्रेस भी 2024 के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और असम में भाजपा से हारी है लेकिन केरल में उसकी जीत और तमिलनाडु में डीएमके को छोड़कर टीवीके सरकार में शामिल होने से पार्टी को फिर आक्सीजन मिल गई है। इसलिए अब मामला कांग्रेस और क्षत्रपों के बीच बराबरी का हो गया है और अब कोई भी क्षत्रप कांग्रेस को यह उलाहना नहीं दे सकता कि भाजपा का मुकाबला क्षेत्रीय दल ही सफलता पूर्वक कर पाते हैं।

2029 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्यों के सियासी समीकरण कैसे?

क्षत्रपों में अब झारखंड में हेमंत सोरेन अकेले ऐसे नेता हैं जो दो बार लगातार भाजपा को चुनावी मात दे चुके हैं और कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन है जबकि 2014, 2017, 2019 और 2022 में लगातार भाजपा के हाथों चुनावी हार झेल चुके अखिलेश यादव ने 2024 में लोकसभा चुनावों में भाजपा को पटखनी देकर फिर से 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए खम ठोंक रहे हैं। अब 2027 में उत्तर प्रदेश अकेला ऐसा राज्य है, जहां चुनाव में भाजपा का सपा से मुकाबला होगा और कांग्रेस उसकी सहयोगी पार्टी होगी। वहीं पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस का सीधा मुकाबला होगा क्योंकि यहां भाजपा अभी अपनी जमीन बनाने की कोशिश कर रही है और अकाली दल के सामने अस्तित्व बचाने की चुनौती है। बाकी 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले होने वाले सारे राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश,गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला होगा। वहीं तेलंगाना में कांग्रेस बीआरएस और भाजपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा। यहां भी कांग्रेस मुख्य किरदार होगी।

विदेश से जुड़े मुद्दों पर क्या है विपक्ष का रुख?

इसलिए अब ज्यादातर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के सामने कहीं अपनी सरकारें बचाकर दोबारा जीतने की और कहीं भाजपा को हराने की चुनौती है। उत्तर प्रदेश जहां कांग्रेस सपा की सहयोगी पार्टी होगी वहां भी कांग्रेस के प्रदर्शन पर भी बहुत कुछ नतीजे निर्भर करेंगे। यह बात कांग्रेस नेतृत्व समझ रहा है और इसीलिए अब बिना देर किए राहुल गांधी ने खुद को मैदान में उतार दिया है। चाहे महंगाई हो, बेरोजगारी हो, पर्चा लीक हो, सीबीएसई का गड़बड़झाला हो, भारत अमेरिका व्यापार समझौता हो, खाड़ी युद्ध में भारत की विदेश नीति हो और अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा हो हर मुद्दे पर राहुल गांधी सीधे प्रधानमंत्री मोदी को ही घेर रहे हैं। इस तरह उन्होंने एक तरह से मोदी के सामने खुद को सबसे बड़ी विपक्षी चुनौती के रूप में प्रस्तुत कर दिया है। सत्ता पक्ष इसे समझ चुका है इसलिए उसके भी हमले सबसे ज्यादा राहुल गांधी पर ही हो रहे हैं। इससे जाने अनजाने सत्ता पक्ष भी राहुल गांधी को ही मोदी के सामने विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा बना रहा है।

राहुल के प्रतिरोध के एजेंडे पर चर्चा क्यों?

अब सवाल है कि क्या क्षेत्रीय दल जो भले ही इन दिनों अस्त-व्यस्त हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार करेंगे। कांग्रेस की रणनीति है कि उसे अपने संघर्ष के कार्यक्रम पर आगे बढ़ना है। राहुल गांधी ने लगभग उसी तरह पूरे विपक्ष और खुद कांग्रेस के सामने प्रतिरोध की राजनीति की चुनौती पेश कर दी है, जैसे कभी महात्मा गांधी ने आजादी के आंदोलन के दौरान उस कांग्रेस के सामने खड़ी की थी जो लंबे समय तक अंग्रेजों को सिर्फ ज्ञापन देने और उनसे चर्चा करने का क्लब भर थी। गांधी ने उसे सीधे अंग्रेज सरकार से सत्याग्रह के जरिए प्रतिरोध की राजनीति के अगुआ संगठन में बदल दिया था। राहुल गांधी कुछ उसी रास्ते पर हैं और अब उन्होंने प्रतिरोध का अपना एजेंडा तय कर लिया है और उस पर चल पड़े हैं। जिसे उनके साथ चलना हो चले वरना पीछे छूट जाए। अगर क्षेत्रीय दलों को अपनी जमीन बचानी होगी तो उन्हें भी प्रतिरोध की इस गांधीवादी राह पर राहुल के साथ चलना होगा। वरना प्रतिरोध की आंधी उनकी जमीन भी उनसे छीन लेगी।

क्या संगठन में कील कांटे दुरुस्त करने में जुटी भाजपा?

कांग्रेस की रणनीति है कि एक तरफ राहुल गांधी अपनी प्रतिरोधी की राजनीति को आगे बढ़ाएंगे तो दूसरी तरफ पार्टी संगठन में अपने कील कांटे दुरुस्त करते हुए आने वाले सभी चुनावों की तैयारी में जुटेगी। जिससे आने वाले चुनावों में ज्यादा से ज्यादा राज्यों में जीत दर्ज करके 2029 तक भाजपा के सामने खुद को एक विकल्प के रूप में पेश कर सके।

आधार कार्ड सिर्फ पहचान के लिए हो : सुप्रीम कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। इस याचिका में केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और भारत के चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आधार का इस्तेमाल केवल पहचान के सबूत के तौर पर हो, न कि नागरिकता, निवास, पते या जन्म तिथि के सबूत के तौर पर। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों, ECI और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया। मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी।

■ याचिका में कहा गया है कि आधार एक्ट, 2016 की धारा 9 साफ तौर पर कहती है कि आधार नागरिकता या निवास का सबूत नहीं है, जबकि UIDAI के नोटिफिकेशन साफ करते हैं कि आधार सिर्फ पहचान का सबूत है, न कि नागरिकता, पते या जन्म तिथि का सबूत। इन कानूनी सीमाओं और अदालती फैसलों के बावजूद कि आधार उम्र का सबूत नहीं है, इस डॉक्यूमेंट को स्कूल में एडमिशन, प्रॉपर्टी के लेन-देन, जन्म प्रमाण पत्र जारी करने, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे कई कामों के लिए उम्र, निवास, नागरिकता और निवास स्थान के सबूत के तौर पर बड़े पैमाने पर स्वीकार किया जाता है। PIL में खास तौर पर नए वोटर रजिस्ट्रेशन (फॉर्म-6) के लिए एप्लीकेशन फॉर्म में जन्म तिथि और निवास के सबूत के तौर पर आधार के इस्तेमाल को चुनौती दी गई है। इसमें तर्क दिया गया है कि ऐसा इस्तेमाल आधार एक्ट, UIDAI के नोटिफिकेशन और जनप्रतिनिधित्व कानून (Representation of the People Act) के प्रावधानों के खिलाफ है।

■ उपाध्याय ने केंद्र, राज्यों और एउकसे ऐसे उचित कदम उठाने के निर्देश देने की मांग की है जिनसे यह सुनिश्चित हो सके कि आधार का इस्तेमाल सख्ती से पहचान के सबूत के तौर पर ही हो, न कि उन कामों के लिए जो आधार एक्ट और UIDAI गाइडलाइंस के तहत मना हैं। आधार एनरोलमेंट फ्रेमवर्क का हवाला देते हुए याचिका में तर्क दिया गया है कि सभी निवासी, जिनमें भारत में कम से कम 182 दिनों से रह रहे विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, आधार पाने के हकदार हैं। इसमें आगे कहा गया है कि आधार एनरोलमेंट कॉमन सर्विस सेंटर्स और रेंट एग्रीमेंट या स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सर्टिफिकेट जैसे सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स के जरिए किया जा सकता है। याचिका में दावा किया गया है कि कथित घुसपैठिए और अवैध प्रवासी कमजोर वेरिफिकेशन सिस्टम के जरिए आधार कार्ड हासिल कर लेते हैं और फिर आधार का इस्तेमाल राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और वोटर आईडी कार्ड जैसे दूसरे पहचान और हक वाले दस्तावेज पाने के लिए करते हैं।

■ याचिकाकर्ता के अनुसार, यह प्रक्रिया आधार एक्ट के तहत बनाए गए पहचान सिस्टम की विश्वसनीयता को कमजोर करती है और ऐसे लोगों को सब्सिडी, कल्याणकारी योजनाओं और दूसरे लाभों का फायदा उठाने का मौका देती है जो असल में इसके हकदार नहीं हैं। याचिका में तर्क दिया गया है कि ऐसी गतिविधियों से सरकारी संसाधनों का गलत इस्तेमाल होता है, असली हकदार छूट जाते हैं और समानता, निष्पक्षता और लक्षित कल्याणकारी लाभ पहुंचाने के संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन होता है। यह मामला तब सामने आया जब आधार के कानूनी रूप से तय मकसद से हटकर उसके कथित गलत इस्तेमाल को लेकर चिंताएं पैदा हुईं, जबकि आधार एक्ट और UIDAI के नोटिफिकेशन्स में बार-बार यह स्पष्ट किया गया था कि आधार का सबूत के तौर पर सीमित महत्व है। याचिका में केंद्र, राज्यों और एउकसे उचित कदम उठाने के निर्देश देने की मांग की गई है ताकि यह पक्का किया जा सके कि आधार का इस्तेमाल सिर्फ पहचान के सबूत के तौर पर हो। इसमें यह घोषणा करने की भी मांग की गई है कि वोटर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में जन्म तिथि और निवास के सबूत के तौर पर आधार का इस्तेमाल कानूनी रूप से सही नहीं है और इसे अमान्य और बेकार घोषित किया जाना चाहिए।

ममता ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा: मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की जीत को दी चुनौती

भवानीपुर में हार पर रार

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजों को कानूनी चुनौती दी है। इस सीट पर भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल के वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें शिकस्त दी थी। ममता बनर्जी ने इस चुनावी हार के खिलाफ हाईकोर्ट में एक चुनाव याचिका दायर की है।

गढ़ में मिली शिकस्त

2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को अपने इस पुराने गढ़ में करारी हार का सामना करना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने 15,105 मतों के अंतर से पराजित किया। इस अप्रत्याशित हार ने राज्य के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। इस चुनावी नतीजे के बाद से ही टीएमसी खेमे में भारी असंतोष और बेचैनी देखी जा रही है। पहले विधायकों ने और अब सांसदों ने भी बगावत कर दी है।

सबूतों को सहेजने की मांग

हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका में ममता बनर्जी ने बेहद गंभीर मांगें रखी हैं। कानूनी याचिका के जरिए उन्होंने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के सभी चुनाव संबंधी रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने का आग्रह किया है। इसमें मतदान से जुड़े दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ईवीएम शामिल हैं। ममता बनर्जी का कहना है कि इन उपकरणों और दस्तावेजों को तुरंत सील किया जाए ताकि इनके साथ कोई छेड़छाड़ या इन्हें नष्ट न किया जा सके।

क्या मुकदमेबाजी और ममता का पुराना नाता?

साल 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर मिली करीबी हार को तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी की जीत को सीधे कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी। ममता बनर्जी का आरोप था कि वोटों की गिनती में धांधली की गई है, इसलिए उन्होंने नंदीग्राम में फिर से मतगणना कराने की मांग की थी। इस हाई-प्रोफाइल मामले के शुरूआती जज ने ममता बनर्जी पर अदालत का समय खराब करने के आरोप में 5 लाख का जुर्माना भी लगाया था, जिसके बाद मामले की सुनवाई दूसरी बेंच को सौंप दी गई। यह कानूनी लड़ाई आज भी अदालत में जारी है, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इतिहास ने खुद को दोबारा दोहराया है। हाल ही में हुए 2026 के विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से भी हरा दिया है। इस नई हार के बाद ममता बनर्जी ने एक बार फिर चुनावी नतीजों को खारिज करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में दूसरी याचिका दायर कर दी है। इसके चलते अब उच्च न्यायालय में ममता बनर्जी बनाम शुभेंदु अधिकारी के दो अलग-अलग चुनावी विवादों पर एक साथ कानूनी सुनवाई चल सकती है।

यूपी में बाबा, बंगाल में दादा; सम्राट चौधरी

अपराधियों को बिहार छोड़ अब नेपाल ही जाना पड़ेगा

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में अपराध करने वाला अब किसी भी सूरत में नहीं बच पाएगा। अपराधियों को या तो बिहार छोड़कर जाना होगा या फिर वे श्मशान पहुंच जाएंगे। दूसरा कोई रास्ता नहीं है। सीएम ने कहा कि बिहार के बगल में उत्तर प्रदेश है, जहां बाबा (योगी आदित्यनाथ) पहले से बैठे हैं। उधर (पश्चिम बंगाल) में शुभेंदु अधिकारी (दादा) आ गए हैं। अब तो एक तरफ बाबा और दूसरी तरफ शुभेंदु हैं, तो बिहार के अपराधियों को नेपाल ही भागना पड़ेगा। दूसरा कोई विकल्प नहीं है। सीएम सम्राट चौधरी ने मंगलवार को सीवान जिले में आयोजित एक सभा के दौरान यह बयान दिया। सीएम लगातार अपराधियों के बिहार छोड़ने की बात कह रहे हैं। एक दिन पहले उन्होंने भोजपुर जिले में कहा था कि हमारी पुलिस को जो भी चैलेंज करेगा, उसे 48 घंटे में जवाब दिया जायेगा। वैसे 80 से 90 फीसदी अपराधी या तो नेपाल भाग गए हैं या वाराणसी की ओर जा रहे हैं। उधर, बाबा (योगी आदित्यनाथ) भी उन्हें नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसे में साफ है कि कोई भी अपराधी नहीं बचेगा। वहीं, सम्राट चौधरी ने सोमवार को गयाजी में कहा था कि अपराधियों का या तो पिंडदान होगा, या फिर वे सलाखों के पीछे जाएंगे। जब भी कोई अपराधी पुलिस वालों को चैलेंज करता है तो मैं फोन कर कहता हूं कि इन्हें 48 घंटे के अंदर जवाब देना है। सीएम ने कहा कि 90 प्रतिशत अपराधी बिहार छोड़कर चले गए हैं, बाकी का पता किया जा रहा है। पुलिस उनका दोनों तरीके से इलाज करती रहेगी।

उद्योगों के लिए कानून व्यवस्था जरूरी

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सीवान में कहा कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कानून व्यवस्था को बनाए रखना जरूरी है। बिहार में सुशासन चाहिए। जैसे ही सुशासन और बढ़ेगा, वैसे ही उद्योग बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि अपराधी किसी भी जाति या धर्म का हो, वह बचेगा नहीं। सम्राट चौधरी के ये बयान ऐसे समय मे आ रहे हैं, जहां पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ की घटनाएं बढ़ी हैं। आए दिन अपराधी पुलिस एनकाउंटर में घायल हो रहे हैं। कुछ मुठभेड़ में अपराधियों को पुलिस ढेर भी कर चुकी है।

आज तीन जिलों के दौरे पर रहे सीएम

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को तीन जिलों के दौरे पर रहे। सीवान जिले में उन्होंने 180 रुपये की 38 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने रोहतास जिले के शिवसागर स्थित बड्डी गांव पहुंच कर क्रिकेटर आकाशदीप को शादी की शुभकामनाएं दीं। सीएम ने कैमूर जिले में मां मुंडेश्वरी के दर्शन भी किए। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए 196 करोड़ रुपए की लागत वाली 60 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया।

APFBC परियोजना में IFS अधिकारी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

पंकज नाथ @ असम

असम सरकार के वन विभाग के अंतर्गत फ्रांस की अनुदान निधि से चल रहे 'Assam Project on Forest and Biodiversity Conservation Society (APFBC)" परियोजना में मिली जानकारी और आरटीआई दस्तावेजों के आधार पर कई स्थानों पर अवैध आवंटन और धनराशि के गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं। बताया गया है कि 2021 में तेजपुर में करीब 36 करोड़, शिलचर में करीब 12 करोड़ , बोंगाइगाँव में करीब 16 करोड़ , जोरहाट में करीब 22 करोड़ , कोकराझार में करीब 16 करोड़ और हाफलॉन्ग जिलों में करीब 34 करोड़ रुपए की पौधारोपण और चहेरा-फेंसिंग के ठेके दिए गए। ठेकेदारों में M/s Badri Rai & Company (Duliajaan), M/s Gramin Vikas Trust (Uttar Pradesh) AüSX M/s Sarada Project Limited (Hyderabad) प्रमुख हैं। इन ठेकों के कुल अनुबंध मूल्य करोड़ों में रहे और ठेकेदारों को अनेक प्रथम किस्तें जारी की गईं, जबकि उस समय वन विभाग में किसी भी ठेकेदार द्वारा प्रत्यक्ष पौधारोपण की स्पष्ट नियमावली मौजूद नहीं थी। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार APFBC सोसाइटी के परियोजना निदेशक ङरढश पवन कुमार, IFS पर अपने पसंदीदा ठेकेदारों के साथ मिलकर सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा गैरकानूनी रूप से हड़पने का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ठेकेदारों को प्रथम किस्तें तभी जारी कर दी गईं जब वे परियोजना निदेशक के 'समझौते' पर सहमत थे। पत्रकारों द्वारा Badri Ray & Company के काम की रिपोर्टिंग के बाद इस ठेकेदार ने शिकायत दर्ज करवाई और शिकायत संख्या 1964/2022 के तहत अभियोग चलाया गया। शिकायत में यह भी आरोप था कि रिपोर्टर ने फेंसिंग सामग्री चुरा ली। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने ठेकेदार के कोई ठोस साक्ष्य न होने के कारण रिपोर्टर को बरी कर दिया; अदालत ने 06/02/2026 को रिपोर्टर को निर्दोष करार दिया। सुनवाई के दौरान अभियोजक पक्ष कई दिनों पर उपस्थित नहीं रहा और कोई निर्णायक प्रमाण नहीं दे पाया। साथ ही एक और गंभीर प्रकरण में APFBC के फंड से 05/04/2023 को 129 वाहन खरीदने की स्वीकृति दी गई थी। आरटीआई व जांच के दस्तावेज बताते हैं कि इन वाहनों की खरीद का अनुबंध केरल की एक कंपनी S.B.L. Knowledge Services Pvt. Ltd. से लगभग 10.94 करोड़ की संदिग्ध कागजात के आधार पर कर दिया गया था। इस खरीद में भी वर्तमान में जांच जारी है और खरीद संबंधी अनियमितताओं की फौरन जांच की मांग उठी है। इन आरोपों के बीच पवन कुमार, IFS को वर्तमान में PCCF (Wildlife) पद के लिए केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में अपील दायर करते हुए देखा जा रहा है। स्थानीय आरटीआई कार्यकर्ता दिलीप नाथ ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को अनुरोध करते हुए कहा है कि ऐसे अधिकारी को किसी भी तरह से वन्यजीव विभाग के PCCF पद पर नियक्ति न दी जाए जब तक इसके ऊपर चल रही जांच और पारदर्शिता सुनिश्चित न हो।

सिख मंत्रियों ने खोला भगवंत मान के खिलाफ मोर्चा

हिंदमाता नेटवर्क @ चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लगे बेअदबी और पंथ विरोधी आरोपों और उन पर अकाल तख्त के हालिया आदेशों का असर अब पंजाब की राजनीति पर भी दिखने लगा है। पंजाब भाजपा का दावा है कि केंद्र सरकार में शामिल सिख मंत्रियों ने मुख्यमंत्री का बहिष्कार करने का फैसला किया है और कहा है कि उनसे तब तक नहीं मिलेंगे, जब तक वे अकाल तख्त के सामने माफी नहीं मांग लेते। पंजाब भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को सलाह दी है कि वे श्री अकाल तख्त साहिब के फैसलों का सम्मान करें और टकराव का रास्ता न अपनायें। मौजूदा समय में मोदी सरकार में सिख समुदाय से दो मंत्री (हरदीप सिंह पुरी और रवनीत सिंह बिट्टू) हैं। ढिल्लों ने कहा कि अकाल तख्त सिखों के लिए सर्वोच्च धार्मिक संस्था है और इसके निर्देशों का सम्मान

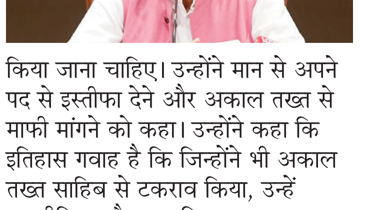

किया जाना चाहिए। उन्होंने मान से अपने पद से इस्तीफा देने और अकाल तख्त से माफी मांगने को कहा। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जिन्होंने भी अकाल तख्त साहिब से टकराव किया, उन्हें राजनीतिक और सामाजिक नुकसान उठाना पड़ा। चंडीगढ़ में मंगलवार को कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल के कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए ढिल्लों ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को एक सच्चे सिख की तरह श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष उपस्थित होकर अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए और पंथ से क्षमा मांगनी चाहिए।

क्या कोई आरोपी कभी स्वीकार करता है

मुख्यमंत्री द्वारा संबंधित वीडियो को अपना न मानने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ढिल्लों ने कहा कि क्या कोई आरोपी कभी स्वीकार करता है कि उसने कोई गैरकानूनी काम किया है? उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री इस मामले में अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहे हैं। दूसरी तरफ, AAP का आरोप है कि BJP 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले इस मुद्दे को धार्मिक जवाबदेही और राजनीतिक आचरण पर एक बड़ी बहस में बदलना चाहती है। आप ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन खत्म करने के बाद से BJP राज्य में तेजी से अपनी पैठ बढ़ा रही है और यह विवाद उसकी रणनीति का हिस्सा है। इस अवसर पर शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता एवं चार बार पार्षद रह चुके सुखविंदर पाल सिंह मिंटा तथा उनकी पत्नी हरप्रीत कौर भाजपा में शामिल हुए। मिंटा वर्तमान में अकाली दल की राज्य पीएसी के सदस्य हैं।

सीएम विजय थलापति के जन्मदिन पर मिलेगा लोगों को खास तोहफा

22 जून से बांटेंगे राशन कार्ड

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

तमिलनाडु के उट थलपति विजय अपने जन्मदिन के मौके पर राज्य की जनता को एक बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। 22 जून से राज्य में नए राशन कार्डों को बांटने का प्रोसेस शुरू किया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अनुसार, पहले चरण के तहत वितरण के लिए लगभग 46,000 नए राशन कार्ड पूरी तरह प्रिंट होकर तैयार हो चुके हैं। इसके लिए सरकार के पास लगभग 2.5 लाख आवेदन आ चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस समय आवेदनों की वेरिफिकेशन के लिए काम किया जा रहा है। इसके लिए शार्टलिस्ट किए गए लोगों को 22 जून से कार्ड मिलने शुरू हो जाएंगे, जबकि अन्यों को जांच पूरी होने के बाद आने वाले महीनों में राशन कार्ड जारी किए जाएंगे।

पेरम्बूर में होगा मुख्य आयोजन

सीएम बनने के बाद यह विजय का पहला जन्मदिन होगा, जिसके चलते यह काफी खास होगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सीएम विजय अपने विधानसभा क्षेत्र पेरम्बूर में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान इस योजना का औपचारिक उद्घाटन करेंगे और खुद अपने हाथों से कुछ चुनिंदा लाभार्थियों को नए राशन कार्ड सौंपेंगे।

ळश्ङ मनाएगी सेवा सप्ताह

मुख्यमंत्री के जन्मदिन और इस योजना की शुरूआत को देखते हुए सत्ताधारी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कजगम' (ळश्ङ) पूरे राज्य में उत्सव की तैयारी कर रही है। पेरम्बूर सहित तमिलनाडु के सभी जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा 22 जून के पहले और बाद के पूरे हफ्ते में कई तरह के जनसंपर्क और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कांग्रेस यूपी में लिख रही नई गठबंधन की स्क्रिप्ट

चंद्रशेखर-ओवैसी के साथ हाथ मिलाने का प्लान

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का सपा के साथ गठबंधन है, लेकिन सीट शेयरिंग का मामला फंसा हुआ है। कांग्रेस ने यूपी में गठबंधन की नई स्क्रिप्ट लिखने की कवायद में जुट गई है। कांग्रेस की नजर दलित नेता चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की है। सहारनपुर से कांग्रेस के लोकसभा सांसद इमरान मसूद ने आजतक से बात करते हुए असदुद्दीन ओवैसी को भाई और चंद्रशेखर आजाद को अपना दोस्त और हमदर्द बताया है। इमरान मसूद ने कहा कि यूपी में बीजेपी को कोई अकेले दम पर चुनाव नहीं हरा पाएगा। उत्तर प्रदेश में अगर कोई गलत फहमी में है तो वो दूर कर ले। राहुल गांधी का हाथ थामे बगैर कोई भी बीजेपी को नहीं हरा सकता है। इस तरह इमरान मसूद यूपी में गठबंधन की नई इबारत लिखने की कवायद में है।

सपा पर प्रेशर पॉलिटिक्स का दांव तो नहीं?

यूपी में सपा का कांग्रेस के साथ गठबंधन है, जिसके संकेत अखिलेश यादव कई बार दे चुके हैं। सपा और कांग्रेस में सीट शेयरिंग को लेकर मामला जरूर फंसा हुआ है। ऐसे में इमरान मसूद ने ओवैसी और चंद्रशेखर के साथ हाथ मिलाने के संकेत देकर सपा पर दबाव बनाने की रणनीति भी हो सकती है। हालांकि, यूपी में सपा और कांग्रेस दोनों का सियासी आधार करीब-करीब एक ही है। दोनों ही पार्टियों का कोर वोटबैंक मुस्लिम है, जिसके चलते ही उनके रिश्ते काफी उतार चढ़ाव वाले रहते हैं। इमरान मसूद 2022 के चुनाव में कांग्रेस छोड़कर सपा में गए थे, लेकिन उन्हें अखिलेश यादव ने चुनाव नहीं लड़ाया था। इसके बाद बसपा से होते हुए कांग्रेस में फिर से वापसी कर गए थे।

यूपी में कांग्रेस गठबंधन की नई स्क्रिप्ट लिख रही

कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी अपने गठबंधन की स्क्रिप्ट तैयार कर रही है। इस गठबंधन में कई छोटे दल शामिल हो सकते हैं। चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी को अपना भाई बताते हुए इमरान मसूद ने कहा कि अभी कांग्रेस की तरकश में बहुत तीर है। मसूद ने कहा कि सूबे में अपनी स्क्रिप्ट कांग्रेस पार्टी गठबंधन को लेकर खुद लिखने वाली है। कांग्रेस एक तरफ ए ग्रेड की 170 सीटों की बात और दूसरी तरफ चंद्रशेखर और ओवैसी की तारीफ। यह इशारा कर रहा है कि कांग्रेस यूपी में अखिलेश यादव के दामन को छोड़ना तो नहीं चाहती है, लेकिन पिछलग्गू बनकर भी गठबंधन में नहीं रहेगी। ऐसे में इमरान मसूद ने जिस तरह से चंद्रशेखर और ओवैसी को गले लगाने की कवायद में है, उसके राजनीतिक मायने हैं।

ओवैसी और चंद्रशेखर को इमरान ने बताया भाई

इमरान मसूद ने आजतक से बात करते हुए बीजेपी को तो सांप्रदायिक तो कहा, लेकिन ओवैसी पर सांप्रदायिक होने का ठप्पा लगाने से बचते रहे। इससे पहले तक कांग्रेस के नेता असदुद्दीन ओवैसी को बीजेपी की बी-टीम कहते रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी को इमरान मसूद ने अपना बड़ा भाई बताया, लेकिन गठबंधन के सवाल पर कहा कि यह फैसला पार्टी करेगी। असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में 2027 को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुस्लिम बहुल बहराइच के मटेरा से अपनी चुनावी तैयारी की शुरुआत करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने मटेरा सीट से अपने प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली को अपना उम्मीदवार भी घोषित कर दिया। ओवैसी के सक्रिय होने के साथ ही इमरान मसूद ने जिस तरह नरम तेवर अपना रखा है, उसके सियासी संकेत माने जा रहे हैं। आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद को इमरान मसूद ने अपना दोस्त और हमदर्द बताया। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में चंद्रशेखर ने उनकी मदद की है, हम चाहते हैं कि वो खूब तरक्की करें। ऐसे में हमसे जो बन पढ़ेगा, वो करेंगे। चंद्रशेखर की पार्टी से गठबंधन के सवाल पर साफ-साफ जवाब नहीं दिया, लेकिन संकेत जरूर दे दिया।

ब्रज में आस्था का महासंगम

अधिकमास के दौरान 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने पूरी की ऐतिहासिक परिक्रमा

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

धार्मिक नगरी मथुरा में अधिकमास के दौरान आयोजित होने वाली ऐतिहासिक 255 किलोमीटर ब्रजमंडल परिक्रमा सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई। परिक्रमा के समापन के साथ ही प्रशासन और पुलिस ने राहत की सांस ली। इस वर्ष परिक्रमा में लगभग 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के जयघोष के साथ पुण्य लाभ अर्जित किया।

ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हुई सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी

एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस, पीएसी तथा अन्य सुरक्षा इकाइयों को लगातार सक्रिय रखा गया। परिक्रमा मार्ग पर ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की गई, जिससे किसी भी आपात स्थिति पर तत्काल नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस, प्रशासन, स्थानीय सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों के समन्वित प्रयासों के कारण यह विशाल धार्मिक आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। उन्होंने श्रद्धालुओं, सामाजिक संस्थाओं तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। ब्रजमंडल परिक्रमा के समापन के साथ ही अधिकमास के प्रमुख धार्मिक आयोजनों का भी समापन हो गया। परिक्रमा पूर्ण करने वाले श्रद्धालुओं के चेहरों पर संतोष और आस्था की झलक दिखाई दी तथा पूरे ब्रज क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने पूरी की परिक्रमा

पुलिस प्रशासन के अनुसार अधिकमास के अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु ब्रज क्षेत्र पहुंचे और 2.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने परिक्रमा में भाग लिया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए परिक्रमा मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई, जबकि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। वहीं पुलिस प्रशासन ने गोवर्धन परिक्रमा का 7 करोड़ के करीब श्रद्धांलुओं के परिक्रमा करने का सरकारी आंकड़ा जारी किया है।

शॉर्ट स्टोरी

एक महीने में बंगला खाली कर दूंगी- राबड़ी देवी

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

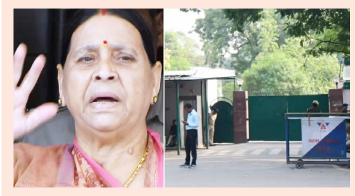

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए राज्य सरकार से एक महीने का अतिरिक्त समय मांगा है। उन्होंने इसके पीछे राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों का हवाला दिया है। दरअसल, बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को सरकारी बंगला खाली करने के लिए 15 दिनों का नोटिस जारी किया था। नोटिस की अवधि समाप्त होने के बाद राबड़ी देवी ने सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि परिवार फिलहाल नए आवास में शिफ्ट होने की स्थिति में नहीं है। राबड़ी देवी ने पत्र में लिखा, 'बंगला खाली करने के लिए एक महीने का अतिरिक्त समय चाहिए'। अपने पत्र में राबड़ी देवी ने बताया कि लालू प्रसाद यादव की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें विशेष देखभाल की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि लालू यादव को संक्रमण का खतरा बना रहता है, इसलिए उनके लिए अलग कमरे और विशेष सुविधाओं की आवश्यकता है। राबड़ी देवी ने सरकार से यह भी अनुरोध किया है कि परिवार को आवंटित नए सरकारी आवास 39 हार्डिंग रोड में भी इसी प्रकार की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि नए आवास में अभी मरम्मत और अन्य जरूरी तैयारियां पूरी नहीं हुई हैं, जिसके कारण परिवार वहां स्थानांतरित नहीं हो पा रहा है। पत्र में राबड़ी देवी ने आश्वासन दिया है कि जैसे ही नए आवास में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी हो जाएंगी, परिवार वहां शिफ्ट हो जाएगा। उन्होंने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सरकार से एक महीने का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया है।

'मैं सनातनी हिंदू हूं...' रौशन आनंद ने फैजल खान को ललकारा

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार की चर्चित कोचिंग इंडस्ट्री में शुरू हुआ विवाद अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां राजनीति, पुलिस जांच और रहस्यमयी मौत एक-दूसरे से उलझती नजर आ रही हैं। ज्ञान बिंदु जीएस अकादमी के संचालक रौशन आनंद के छोटे भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद अंतिम संस्कार में काफी भीड़ उमड़ी। सोमवार को बेउर जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद रौशन आनंद ने अपने भाई के अंतिम संस्कार से पहले मीडिया के सामने सीधे तौर पर खान सर के नाम से मशहूर फैजल खान पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने मिलकर मेरे भाई को मार दिया। मीडिया से बातचीत में रौशन आनंद ने बेहद तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि फैजल खान सुबह से शाम तक सिर्फ षड्यंत्र रचते हैं और उन्होंने पटना पुलिस को भी गुमराह कर रखा है। रौशन आनंद ने कहा, फैजल खान पढ़ाते नहीं हैं, सिर्फ षड्यंत्र रचते हैं। पटना पुलिस उनका सहयोग कर रही है, मेरा नहीं। मेरे भाई की मौत को सामान्य घटना बताने की कोशिश की जा रही है, लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि वह कानून और न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखते हैं और जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग देंगे। रौशन आनंद ने खुद को सनातनी हिंदू बताते हुए कहा कि वह किसी तरह का टकराव नहीं चाहते, बल्कि न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं सनातनी हिंदू हूं। मैं पटना पुलिस का पूरा सहयोग करूंगा। मुझे न्याय व्यवस्था पर भरोसा है। मैं चाहता हूं कि मेरे भाई की मौत की निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। पूरे विवाद की जड़ में प्रिंस यादव की मौत है। प्रिंस यादव नेपाल के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। मौत कैसे हुई, इसके बारे में अभी तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। नेपाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नालंदा में मॉब लिंचिंग! भीड़ ने पीट-पीटकर दो को मार डाला

हिंदमाता नेटवर्क @ नालंदा

बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में दो युवकों की हत्या ने हिलाकर रख दिया है। झुनकिया बाबा मंदिर के पास चोरी के आरोप में पकड़े गए दो युवकों की भीड़ की ओर से पिटाई के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं अब इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है, क्योंकि मृतकों के परिजन ने इसे मॉब लिंचिंग नहीं, बल्कि प्लान्ड मर्डर बताया है। मामला राजगीर थाना क्षेत्र के झुनकिया बाबा मंदिर के समीप का है। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने चोरी के संदेह में दो युवकों को पकड़ लिया। आरोप है कि इसके बाद भीड़ ने दोनों की बेरहमी से पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजगीर ले गई। वहां से उनकी हालत नाजुक होने पर पीएमसीएच पटना रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान दीपनगर थाना क्षेत्र के गंजपर निवासी अमरदीप पासवान के 22 वर्षीय पुत्र पिंटू कुमार और नरेश पासवान के 22 वर्षीय पुत्र श्रवण कुमार के रूप में हुई है। राजगीर डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि झुनकिया बाबा मंदिर के पास दो लोगों को चोरी करते हुए पकड़ लिया गया है। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दोनों युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों ने पुलिस की प्रारंभिक कहानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजन का आरोप है कि दोनों युवकों का किसी भी तरह की चोरी या आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध नहीं था। उनका कहना है कि गांव के कुछ लोग दोनों को मलमास मेला घुमाने के बहाने अपने साथ लेकर गए थे।

1 लाख 85 हजार बिल.. पान विक्रेता ने बिजली विभाग से परेशान होकर दी जान

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र स्थित मुरादचक गांव से एक बेहद दर्दनाक और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां सड़क किनारे एक छोटी सी गुमटी में पान बेचकर अपने परिवार का पेट पालने वाले सुरेंद्र कश्यप ने कथित तौर पर बिजली विभाग के भारी-भरकम बिल और वसूली के लगातार दबाव से परेशान होकर सल्फास (जहर) खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक के पास से मिले सुसाइड नोट ने पूरे सरकारी महकमे और उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, करीब एक साल पहले बिजली विभाग की विजिलेंस टीम ने सुरेंद्र की दुकान पर छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के बाद उन पर लगभग 1 लाख 12 हजार रुपए का जुर्माना और बकाया बिल निर्धारित किया गया था। एक गरीब पान विक्रेता के लिए यह रकम बहुत बड़ी थी। बाद में जब यह मामला तहसील पहुंचा और आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी हुई, तो यह बकाया राशि बढ़कर लगभग 1 लाख 85 हजार रुपए हो गई।

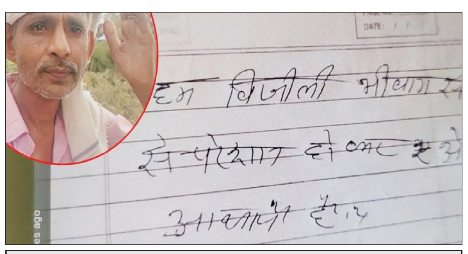

अधिकारियों के चक्कर काट कर थक चुका था पीड़ित

परिजनों का आरोप है कि सुरेंद्र कश्यप इस भारी-भरकम बिल को कम कराने और कोई राहत पाने के लिए लगातार बिजली विभाग और तहसील के अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। लेकिन उन्हें कोई राहत मिलने के बजाय बार-बार मानसिक प्रताड़ना और भुगतान का दबाव झेलना पड़ रहा था। राजस्व कर्मी और बिजली विभाग के लोग लगातार उनकी दुकान पर पहुंचकर वसूली के लिए धमकाते थे और दुकान बंद कराने की चेतावनी देते थे।

दिल्ली-एनसीआर का दायरा कम करने वाला प्रस्ताव खारिज

चार नमो सिटी होगी विकसित

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

मंगलवार को सुबह 11 बजे दिल्ली में विज्ञान भवन में एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की। बैठक में एनसीआर का दायरा कम करने के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। अब एनसीआर के सीमा क्षेत्र में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं होगा। बैठक में हरियाणा सरकार की ओर से राज्य के 5 जिलों को एनसीआर से बाहर रखने का प्रस्ताव रखा था। बैठक में यह तय हुआ है कि जो क्षेत्र पहले से एनसीआर में है, आगे भी वो बना रहेगा। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि बैठक में बोर्ड ने एक सब कमेटी बनाई है। यह कमेटी अगस्त तक अपनी रिपोर्ट देगी। प्लानिंग बोर्ड की अगली बैठक दिसंबर महीने में होगी।

चार नमो सिटी बनी सहमति

आज नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक हुई, जिसमें चार राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। संशोधित आरपी-21 की घोषणा दो महीने बाद की जाएगी। प्रदूषण से जुड़ी पाबंदियां तीन क्षेत्रों पर आधारित होंगी। बीएस-6 ट्रांज़िशन स्कीम के तहत बीएस-4 वाहनों पर 30% की छूट मिलेगी। बैठक में वाहनों की संख्या कम करने और उपलब्ध जमीन पर चार नमो सिटी विकसित करने पर चर्चा हुई।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

बैठक की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने एक्स हैंडल से जानकारी साझा करते हुए लिखा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के सुव्यवस्थित, समन्वित एवं संतुलित विकास को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की 42वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान के बीच संस्थागत समन्वय को मजबूत करने, क्षेत्रीय आवागमन एवं संपर्क सुविधाओं को बेहतर बनाने, विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा एनसीआर से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। एनसीआरपीबी राज्यों के बीच समन्वित विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को अधिक सुव्यवस्थित, सुगम, सक्षम एवं सतत विकास की दिशा में अग्रसर करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

आगरा में बड़ा एक्शन: बीच सड़क बनी मजार को हटाने का काम शुरू

हिंदमाता नेटवर्क @ काशी

आगरा पुलिस प्रशासन ने एमजी रोड पर आगरा कॉलेज के सामने बीच सड़क स्थित विवादित मजार को हटाने की बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। यातायात बाधित होने और हादसों की आशंका के कारण इस मजार को हटाने की मांग लंबे समय से हो रही थी। प्रशासन और संबंधित पक्षों के बीच कई दौर की चर्चा के बाद सहमति बनी, जिसके तहत अब कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच पुलिस बल की निगरानी में मजार को शिफ्ट किया जा रहा है। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर एमजी रोड के इस रास्ते को रोक दिया गया है।

अधिकारियों को जारी हुआ था समन

इससे पहले कुंवर अजय तोमर ने 19 जनवरी 2026 को धारा 80 सीपीसी के तहत नोटिस भेजकर कार्रवाई की मांग की थी। अधिकारियों द्वारा समय सीमा में जवाब न देने पर उन्होंने कोर्ट का रुख किया। इसके बाद न्यायाधीश श्वेत्शा चंद्रा की अदालत ने वाद स्वीकार करते हुए आगरा के जिलाधिकारी, नगर आयुक्त और पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता को समन जारी किए थे। आखिरकार अब सहमति से शिफ्टिंग की कार्रवाई की जा रही है।

पक्षकार का बयान

योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष और ताजमहल-तेजोमहालय केस के पक्षकार हिंदूवादी नेता कुंवर अजय तोमर लगातार इसके लिए लड़ रहे थे। कुंवर अजय तोमर ने मजार के ध्वस्तीकरण के लिए 19 जनवरी 2026 को आगरा नगर निगम के नगर आयुक्त, पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता और डीएम को धारा 80 सीपीसी का नोटिस भेजा था जिस पर अधिकारियों ने ना कोई संज्ञान लिया और ना कोई कार्रवाई की थी।

हिंदूवादी नेता ने दायर किया था कोर्ट में वाद

इस मजार को लेकर लंबे समय से कानूनी विवाद भी चल रहा था। हिंदूवादी नेता कुंवर अजय तोमर ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से दोनों मजारों के ध्वस्तीकरण की मांग को लेकर अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में वाद दायर किया था। वादी का आरोप था कि यह मजार और दरगाह सरकारी भूमि पर बनी हैं।

ट्रेन में सीट नहीं मिली तो फैलाई बम की अफवाह!

मची अफरा-तफरी

हिंदमाता नेटवर्क @ उन्नाव

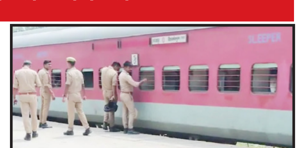

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक यात्री की गैरजिम्मेदाराना हरकत से रेलवे स्टेशन पर हड़कंप मच गया। आरोप है कि ट्रेन में सीट नहीं मिलने से नाराज एक युवक ने ट्रेन में बम होने की झूठी सूचना फैला दी। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस, स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। आनन-फानन में ट्रेन की तलाशी शुरू की गई, जिससे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार, घटना ऐशबाग रेलवे स्टेशन की है। यहां तेलंगाना निवासी 26 साल का युवक ट्रेन में सफर करने के लिए पहुंचा था। बताया जा रहा है कि ट्रेन में उसे बैठने के लिए जगह नहीं मिली, जिससे वह नाराज हो गया। इसी दौरान उसने ट्रेन में बम होने की झूठी सूचना फैला दी।

ट्रेन में मच गई खलबली

बम की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई। स्थानीय पुलिस, जीआरपी और अन्य सुरक्षा इकाइयों की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। इसके बाद ट्रेन और उसके सभी कोचों की गहन तलाशी ली गई। कई यात्रियों को सुरक्षा कारणों से ट्रेन से नीचे उतारा गया और पूरे क्षेत्र की सघन जांच की गई।

अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह के चार आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

10 लाख कराए गए फ्रीज

हिंदमाता नेटवर्क @ उन्नाव

साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान साइबर ठगी के जड़ में वार के तहत जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। साइबर सेल और अहरौला पुलिस की संयुक्त टीम ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में इनके तार देशभर में दर्ज 448 साइबर शिकायतों से जुड़े पाए गए हैं। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान करीब 10 लाख रुपए की साइबर ठगी की धनराशि फ्रीज कराई है।

क्या है पूरा मामला

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि समन्वय पोर्टल और तकनीकी जांच से अहम सुराग मिले। जांच में सामने आया कि फर्जी फर्मों ट्विनबिल्ड वेल और आरजे इन्फ्रा के नाम पर बैंक खाते खोलकर साइबर ठगी से अर्जित धनराशि का लेन-देन किया जा रहा था। साइबर सेल की वित्तीय जांच में इन खातों से जुड़े कुल 448 साइबर शिकायतें राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज मिलीं। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि एक खाते में मात्र तीन दिनों के भीतर लगभग 40 लाख रुपए का संदिग्ध लेन-देन पाया गया।

ऐसे करते थे साइबर ठगी

एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य फर्जी फर्म बनाकर बैंक कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से करंट अकाउंट खुलवाते थे। भोले-भाले लोगों को झांसे में लेकर उनके नाम पर फर्म और बैंक खाते खुलवाए जाते थे। बाद में पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड और मोबाइल नंबर अपने कब्जे में लेकर साइबर ठगी से प्राप्त रकम को इन खातों के जरिए इधर-उधर ट्रांसफर किया जाता था और आपस में बांट लिया जाता था।

हिंदमाता एंकर: मोबाइल लेने पहुंचे कई लोगों की कहानी लगभग एक जैसी थी, किसी का मोबाइल ट्रेन यात्रा के दौरान गुम हुआ था, किसी का बाजार में भीड़ के बीच खो गया था

210 लोग जिस मोबाइल को हमेशा के लिए खोया समझ बैठे थे, वह पुलिस ने लौटाया

हिंदमाता संवाददाता @ लखनऊ

मोबाइल आज सिर्फ एक गैजेट नहीं रह गया है। इसमें लोगों की यादें, जरूरी दस्तावेज, बैंकिंग जानकारी, तस्वीरें और रोजमर्रा की जिंदगी का बड़ा हिस्सा कैद होता है। ऐसे में जब मोबाइल खो जाता है तो सिर्फ एक गैजेट नहीं, बल्कि व्यक्ति का एक अहम हिस्सा उससे दूर हो जाता है। प्रयागराज में भी कुछ ऐसा ही हुआ था। किसी का मोबाइल बाजार में गुम हो गया, किसी का बस में छूट गया तो किसी का सफर के दौरान कहीं खो गया। धीरे-धीरे लोगों ने अपने मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद छोड़ दी। लेकिन कई महीनों बाद जब पुलिस का फोन आया और कहा गया कि आपका मोबाइल मिल गया है, तो लोगों को पहले यकीन ही नहीं हुआ। पुलिस लाइन सभागार में जब एक-एक कर लोगों को उनके खोए हुए मोबाइल लौटाए गए तो वहां का दृश्य किसी सम्मान समारोह से कम नहीं था। किसी के चेहरे पर मुस्कान थी, कोई मोबाइल हाथ में लेकर बार-बार उसे देख रहा था, तो कोई पुलिसकर्मियों का धन्यवाद करते नहीं थक रहा था।

210 लोगों की लौटी खुशी

पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज की गंगानगर जोन की सर्विलांस सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 210 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की कुल कीमत 63 लाख 24 हजार रुपए बताई गई है। बरामदगी के बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत की मौजूदगी में मोबाइल स्वामियों को उनके फोन लौटाए गए। जैसे ही लोगों ने अपने हाथों में महीनों पहले खोया मोबाइल देखा, उनके चेहरे खिल उठे। कई लोगों ने कहा कि उन्हें बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि उनका मोबाइल कभी वापस मिल पाएगा।

हमें लगा था अब कभी नहीं मिलेगा

मोबाइल लेने पहुंचे कई लोगों की कहानी लगभग एक जैसी थी। किसी का मोबाइल ट्रेन यात्रा के दौरान गुम हुआ था, किसी का बाजार में भीड़ के बीच खो गया था, तो किसी का फोन चोरी हो गया था। मोबाइल मिलने के बाद लोगों ने कहा कि शुरुआत में उन्होंने तलाश की, लेकिन समय बीतने के साथ उम्मीद खत्म हो गई थी। ऐसे में जब पुलिस की ओर से सूचना मिली तो उन्हें भरोसा ही नहीं हुआ। एक युवक ने बताया कि उसके मोबाइल में पढ़ाई से जुड़े महत्वपूर्ण नोट्स और निजी तस्वीरें थीं। मोबाइल वापस मिलने के बाद उसे ऐसा लगा जैसे कोई खोई हुई चीज फिर से मिल गई हो।

कैसे ढूंढ निकाले गए इतने मोबाइल

सबसे बड़ा सवाल यही था कि आखिर इतने मोबाइल बरामद कैसे हुए? डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि भारत सरकार की ओर से सीईआईआर पोर्टल शुरू किया गया है। इस पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति अपना मोबाइल गुम होने या चोरी होने की जानकारी दर्ज करा सकता है। शिकायत दर्ज होने के बाद सर्विलांस सेल सक्रिय हो जाती है और तकनीकी माध्यमों से मोबाइल की तलाश शुरू करती है।

तकनीक बनी सबसे बड़ी मददगार

डीसीपी के अनुसार मोबाइल खोजने के लिए सिर्फ एक तरीका नहीं अपनाया जाता। सर्विलांस टीम कॉल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, लोकेशन ट्रैकिंग और भौतिक सत्यापन समेत कई स्तरों पर काम करती है। सबसे खास बात यह है कि जब खोया हुआ मोबाइल कोई दूसरा व्यक्ति इस्तेमाल करना शुरू करता है तो सिस्टम के जरिए इसकी सूचना सर्विलांस टीम तक पहुंच जाती है। यानी मोबाइल चाहे किसी भी जिले या क्षेत्र में पहुंच जाए, उसके सक्रिय होते ही उसकी जानकारी जुटाई जा सकती है। इसी तकनीकी निगरानी और पुलिस टीम की मेहनत के कारण 210 मोबाइलों को खोजकर उनके असली मालिकों तक पहुंचाया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ मोबाइल रिकवरी का मामला नहीं है, बल्कि लोगों के विश्वास को मजबूत करने का भी प्रयास है। आज के दौर में जब मोबाइल व्यक्ति की जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है, तब उसे वापस मिल जाना किसी बड़ी राहत से कम नहीं होता।

16 महीनों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिले प्रधानमंत्री मोदी, मिलाया हाथ

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

फ्रांस के एवियन में पीएम मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात हुई है। दोनों नेताओं के बीच ये मुलाकात 16 महीने बाद हुई है। प्रधानमंत्री मोदी एवियन में जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल हुए थे, जिस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाथ मिलाया। इस सत्र में दोनों नेता एक दूसरे के बगल बैठे थे। बता दें, जी7 शिखर सम्मेलन के इतर कल शाम 6.30 बजे दोनों नेताओं के बीच पूरी द्विपक्षीय बातचीत होनी है। दोनों नेताओं के बीच यह संक्षिप्त बातचीत तब हुई, जब दुनिया भर के नेता फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की ओर आयोजित कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुए हैं। फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री के वॉशिंगटन दौरे के बाद जब से ट्रंप ने अपना दूसरा कार्यकाल शुरू हो किया है यह दोनों नेताओं का पहली बार आमना-सामना था। यह बातचीत भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक अहम समय पर हो रही है। हाल के महीनों में ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय आयात पर ट्रंप प्रशासन द्वारा भारी टैरिफ लगाने के फैसले के कारण इन संबंधों में तनाव देखा गया है।

कश्मीर छोड़ो, सब्सिडी तुम्हारे मुंह पर मारेंगे

पीओके में पाक के खिलाफ बगावत, भारत से ट्रेड की मांग

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बिजली के बिलों, गेहूं की कीमतों और आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन चरम पर है। जो आंदोलन कभी सब्सिडी, महंगाई और प्रशासनिक नीतियों के विरोध तक सीमित था, वो अब पाकिस्तान की भूमिका, उसके प्रशासनिक नियंत्रण और सैन्य प्रतिष्ठान पर सीधे सवाल उठाने लगा है। रावलकोट में आयोजित एक बड़ी सभा में जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी और अवामी एक्शन कमेटी के नेताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ तीखे तेवर दिखाए। इस दौरान आंदोलनकारी नेता सरदार अमन कश्मीरी ने इस्लामाबाद और पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा, हम तुम्हारे मुंह पर मारते हैं सब्सिडी। तुम रियासत से बाहर निकलो। रियासत के सारे मसाइल हमारे हवाले करो। हम जाने हिन्दुस्तान जाने, जम्मू-कश्मीर जाने, हमारा मसला है, हमारा मुल्क है। हम जाने हमारा काम जाने, तुम्हारा क्या काम है? उनका बयान पाकिस्तान के प्रशासनिक नियंत्रण को सीधी चुनौती है। पीओके में अशांति की जड़ें 2024 और 2025 में हुए प्रदर्शनों से जुड़ी हैं। शुरूआत में प्रदर्शनकारी बिजली के ऊंचे टैरिफ, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों और इस्लामाबाद की कथित भेदभावपूर्ण आर्थिक नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरे थे। इसके बाद पाकिस्तान को गेहूं पर सब्सिडी और बिजली दरों में राहत जैसे कदम उठाने पड़े। आंदोलनकारी नेताओं का कहना है कि ये राहत उपाय सिर्फ अस्थायी हैं। इससे राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संसाधनों पर नियंत्रण और आर्थिक अधिकारों से जुड़े मूल सवालों का समाधान नहीं होता। इसी वजह से हाल के महीनों में आंदोलन का स्वरूप बदलता गया। पाकिस्तान के प्रशासनिक नियंत्रण को चुनौती देने वाले आंदोलन में तब्दील हो गया। 'यदि आप हमारा राशन रोकेंगे, तो हम दूसरे व्यापार के रास्ते खोल देंगे', रावलकोट की सभा में बोलते हुए सरदार अमन कश्मीरी ने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान पर आरोप लगाया कि वह आर्थिक दबाव बनाकर आंदोलन को कमजोर करना चाहता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान हमारा राशन रोक रहा है। हमारे दूसरे ट्रेड रूट भी हैं। वे खोल देंगे। उन्होंने दावा किया कि स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन अब लोग वैकल्पिक रास्तों की तलाश के लिए तैयार हैं।

जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे पीएम मोदी

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति ने किया स्वागत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के एवियन पहुंचे। सोमवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 52वें जी7 समिट का औपचारिक उद्घाटन किया था। आगमन के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आगमन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वे विश्व नेताओं के साथ मुलाकात करने और वैश्विक महत्व के प्रमुख मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं।

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया से जिनेवा होते हुए एवियन पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, भारत एक अधिक सतत और समृद्ध भविष्य के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिनेवा पर विमान से उतरते ही स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पारमेलिन ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, एयरपोर्ट पर मैं स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति से मिला और हम दोनों के बीच अच्छी बातचीत हुई। वहीं विदेश मंत्रालय ने कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि दोनों नेताओं ने एक दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया और दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

3 दिन चलेगा समिट

जी7 सम्मेलन फ्रांस के रिसॉर्ट शहर एवियां-ले-बैंस में आयोजित किया गया है। यहां दुनिया की प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं के नेता और आमंत्रित साझेदार देश वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौतियों पर चर्चा करते हैं। 3 दिन तक चलने वाले इस समिट में सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे।

कैलिफोर्निया में यूएस एयरफोर्स बेस पर बी-52 बॉम्बर क्रैश

8 लोगों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ कैलिफोर्निया

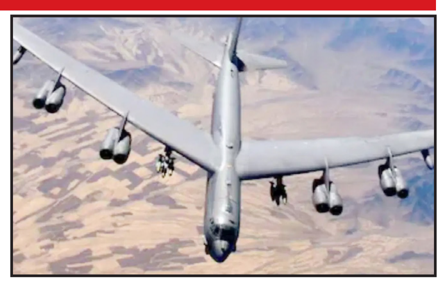

अमेरिका में साउथ कैलिफोर्निया के मोजावे रेगिस्तान में यूएस एयरफोर्स बेस पर उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक बी-52 बॉम्बर क्रैश हो गया। इस हादसे में विमान में सवार आठ लोगों की मौत हो गई है। लॉस एंजिल्स के नॉर्थ में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, शुरूआती संकेतों से पता चलता है कि इस क्रैश में किसी के बचने की उम्मीद नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि क्रैश की वजह की जांच की जा रही है। क्रू के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है, लेकिन हवाई फुटेज में विमान का नामो-निशान नहीं दिख रहा था। सोमवार सुबह करीब 11:20 बजे विमान के गिरने के बाद इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं। एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस पर रनवे जैसी जगह के पास रेगिस्तान का एक बड़ा हिस्सा जलकर काला पड़ गया था और वहां से काला धुआं उठ रहा था। पास में ही इमरजेंसी गाड़ियां मौजूद थीं। सेना ने यह नहीं बताया है कि बॉम्बर में हथियार लगे थे या नहीं।

लंबी दूरी का बॉम्बर है बोइंग बी-52

बोइंग इ-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस एक लंबी दूरी का बॉम्बर है, जिसे 1955 में सेवा में शामिल किया गया था। इसे पारंपरिक और परमाणु, दोनों तरह के हथियार ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है और वियतनाम से लेकर ईरान तक यूएस सेना से जुड़े संघर्षों में इसका इस्तेमाल किया गया है। सोमवार दोपहर तक एयरफील्ड बंद रहा और आने वाले सभी विमानों का रास्ता बदल दिया गया।

टेकऑफ के तुरंत बाद क्रैश

जिस तरह से बी-52 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद, ज्यादा ऊंचाई पर पहुंचे या दूर गए बिना ही क्रैश हो गया, उससे एविएशन सेफ्टी एक्सपर्ट जेफ गुजेटी को शक है कि शायद फ्लाइट कंट्रोल में कोई खराबी आई होगी। लेकिन अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि कंट्रोल में समस्या किस वजह से हुई।

क्या है हादसे की वजह?

उन्होंने कहा कि हो सकता है कि मेंटेनेंस के बाद कंट्रोल गलत तरीके से सेट किए गए हों, या फिर इंजन में कोई बड़ी खराबी आई हो या जिस इक्विपमेंट की टेस्टिंग हो रही थी, उसमें कोई खराबी आ गई हो। गुजेट्टी ने कहा, मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से कंट्रोल से जुड़ी समस्या थी। अब, यह इंजन फेलियर, फ़्लाइट कंट्रोल फेलियर या किसी नए टेस्टिंग डिवाइस के फेल होने की वजह से हुआ, इस बारे में मैं पक्का नहीं कह सकता।

चीन और जापान में भूकंप के जोरदार झटके

कई लोगों के मौत की आशंका

हिंदमाता नेटवर्क @ बीजिंग

चीन और जापान में तेज भूकंप के झटकों से धरती हिल उठी है। मंगलवार, 16 जून 2026 को एक के बाद एक आए दो शक्तिशाली भूकंपों से जापान और चीन दहल गए हैं। भूकंप की तीव्रता 6.3 थी। तेज भूकंप से भारी नुकसान की आशंकी जताई जा रही है। वहीं इस भूकंप से कई लोगों की मौत की भी आशंका है। अभी तक एक की मौत और चार अन्य के घायल होने की पुष्टि हुई है।

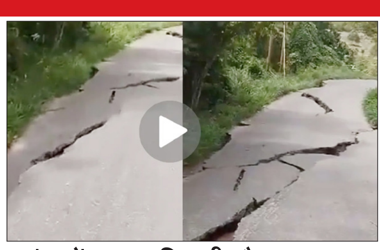

भूकंप में एक व्यक्ति की मौत

बता दें कि चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत किंगहाई के हासी में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया है। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र की मानें तो भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार, इस भूकंप में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई और चार अन्य घायल हो गए हैं।

अस्पतालों ने मरीजों को भी बाहर निकाला

बता दें कि आज ही इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर 6.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे कई जगहों पर नुकसान भी हुआ है। भूकंप की वजह से लोग सड़कों पर निकल आए। मालूम हो कि सुलावेसी द्वीप का पालू शहर आठ साल पहले आए तेज भूकंप और सुनामी में तबाह हो गया था। पालू शहर में लगभग चार लाख लोग रहते हैं। एहतियातन कई अस्पतालों ने मरीजों को भी बाहर खुले स्थानों में स्थानांतरित कर दिया, जिनमें से कुछ मरीजों को ड्रिप भी लगी थी।

ब्रिटेन में 16 साल से कम उम्र बच्चों के लिए बैन होगा सोशल मीडिया

पीएम स्टार्मर का बड़ा ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने सोमवार को घोषणा की कि बच्चों की भलाई और सुरक्षा के लिए 16 साल से कम उम्र के सभी अवयस्कों के लिए सोशल मीडिया ऐप के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाएगी। लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट से दिए गए एक भाषण में, स्टार्मर ने कहा कि एक प्रधानमंत्री के तौर पर और छोटे बच्चों के पिता के तौर पर उनका यह फैसला उचित है। उन्होंने माना कि दुनिया की कुछ सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर इस तरह की रोक लगाना आसान नहीं होगा, लेकिन बच्चों की सेहत और भलाई सबसे ज्यादा जरूरी है।

हमारे बच्चों के लिए एक बड़ा कदम

पीएम स्टार्मर ने कहा कि आज हमारे देश के लिए एक बड़ा पल है। यह हमारे बच्चों और हमारे भविष्य के लिए एक बड़ा कदम और असल बदलाव है, क्योंकि आज मैं यह घोषणा कर सकता हूं कि सरकार 16 साल से कम उम्र के सभी बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाएगी।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

दरअसल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने ऐलान किया है कि वो 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजकल बच्चों को ऐसी दुनिया में अपनी जगह बनानी पड़ती है, जहां टेक्नोलॉजी उनकी ज़िंदगी के हर हिस्से में घुस गई है। मैं अब ऐसा और नहीं होने दे सकता। इसलिए हम बच्चों को उनका बचपन वापस दे रहे हैं।

परमाणु समझौते पर साइन से पहले ईरान को मिल गए 9 अरब डॉलर, किसने दिए?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु डील पर 19 जून को जिनेवा में साइन होने हैं। डील पर साइन होने के बाद ईरान को जब्त पैसे मिलने की बात कही जा रही है, लेकिन 2 अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट की मानें तो ईरान को डील पर साइन होने से पहले ही 9 अरब डॉलर की राशि मिल चुकी है। पैसे मिलने की पूरी प्रक्रिया अमेरिका की देखरेख में हुई है। यानी अमेरिका को इसकी पूरी जानकारी थी। जिन देशों ने ईरान को पैसे भेजे हैं, उनमें कतर और संयुक्त अरब अमीरात का नाम प्रमुख हैं। कतर ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका में है।

यूएई ने 3 अरब डॉलर दिए, 10 और देने का वादा

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात ने अमेरिका और ईरान डील से पहले तेहरान को 3 अरब डॉलर दिए। ये पैसे डील के तहत दिए गए थे। ईरान ने इसके बाद यूएई पर कोई हमला नहीं किया। हालांकि, पैसे देने की बात को यूएई ने खारिज किया है।

डील के तुरंत बाद ईरान को मिलेंगे 24 अरब डॉलर

परमाणु समझौते के बाद ईरान की 24 अरब डॉलर की राशि को तुरंत अनफ्रीज करने की बात कही गई है। यानी डील के बाद ईरान को 24 अरब डॉलर की राशि मिलेगी। ईरान के ये पैसे अमेरिका के कहने पर दुनिया के देशों ने जब्त कर रखे हैं। जिन देशों में ईरान के जब्त पैसे हैं, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कतर, तुर्की, दक्षिण कोरिया, चीन और भारत का नाम प्रमुख है। इसके अलावा कुछ बैंकों में भी ईरान के पैसे जब्त हैं। ईरान का दावा है कि उसके 120 अरब डॉलर की राशि जब्त हैं।

हिंदमाता एंकर होर्मुज के पानी के नीचे कुल 34,000 किलो बारूद एक्टिव मोड में है, मतलब समुद्री मार्ग के हर एक मीटर के दायरे में औसतन 1 किलो बारूद सेट है

हर एक मीटर पर बिछा है 1 किलो बारूद, होर्मुज को साफ करने में कितने दिन लगेंगे?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान डील के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की चर्चा तेज हो गई है। अमेरिका और ईरान के अनुसार, समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद इसकी प्रक्रिया शुरू होगी। जानकारों का कहना है कि जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने में कम से कम 30 दिन लग सकते हैं। इसकी मुख्य वजह होर्मुज के समुद्री क्षेत्र में बिछाई गई माइंस (बारूदी सुरंगें) हैं। बताया जा रहा है कि युद्ध के दौरान ईरान ने अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियों को रोकने के लिए पानी के भीतर बड़ी संख्या में माइंस बिछाई थीं। अब इन्हें हटाना ईरान के लिए भी आसान नहीं होगा। 34 किलोमीटर चौड़ा होर्मुज जलडमरूमध्य को फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसी मार्ग से खाड़ी के देश दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति करते हैं। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है।

होर्मुज में कितनी बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं?

एक्सियोस ने अमेरिकी खुफिया अधिकारियों के हवाले से एक रिपोर्ट की थी। इसमें कहा गया था कि होर्मुज के नीचे 100 से ज्यादा माइंस बिछी हैं। एक माइंस जो कि माहम (3) है में 340 किलो बारूद है। यानी 34000 किलो बारूद होर्मुज में पानी के नीचे ईरान ने बिछा रखा है। यानी एक मीटर पर एक किलो बारूद सेट किया गया है। ईरान ने आधिकारिक तौर पर इसको लेकर कुछ नहीं कहा है। अमेरिका से समझौते के बाद इसे कैसे हटाया जाएगा, इसको लेकर भी ईरान ने कुछ नहीं कहा है। हालांकि, माना जा रहा है कि ईरान इस काम में फ्रांस जैसे देशों की सहायता ले सकता है। हाल ही में फ्रांस और ब्रिटेन ने बारूद हटाने वाले अपने जहाज को साइप्रस की ओर भेजा था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बयान जारी कर कहा था कि समझौते के बाद फ्रांस होर्मुज को साफ करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इससे पहले पेंटागन का कहना है था कि इतने सारे माइंस हटाने में 6 महीने का वक्त लग सकता है।

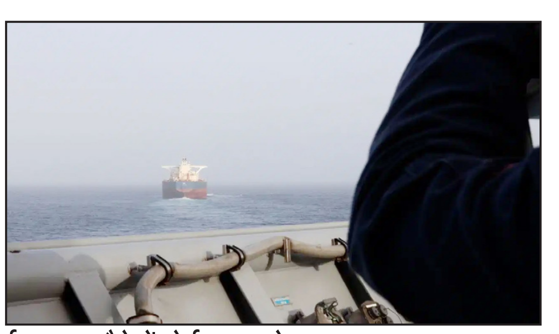

ईरान समझौते में होर्मुज पर फोकस

ईरान और अमेरिका के बीच समझौते में होर्मुज पर फोकस है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति और वार्ता दल के प्रमुख जेडी वेंस के मुताबिक डील पर साइन होने के तुरंत बाद ईरान ने होर्मुज खोलने की बात कही है। वेंस का कहना है कि ईरान इस रूट से आवाजाही के लिए कोई पैसा नहीं लेगा। वहीं ईरान की कोशिश इस रूट से पर्यावरण टैक्स वसूलने की है। इसके लिए ईरान अपने पड़ोसी देश ओमान के साथ मिलकर एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है।

हर एक मीटर पर एक किलो बारूद का खौफनाक गणित

अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के हवाले से जो सनसनीखेज आंकड़े सामने आए हैं, वे वैश्विक व्यापार के लिए बेहद डरावने हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने होर्मुज के संकरे समुद्री रास्ते में पानी के नीचे माहम-3 नामक 100 से अधिक घातक माइंस तैनात कर रखी हैं। इस अत्याधुनिक माइंस की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसके महज एक यूनिट में करीब 340 किलोग्राम अत्यधिक शक्तिशाली विस्फोटक भरा होता है। गणितीय अनुमान के मुताबिक, होर्मुज के पानी के नीचे कुल 34,000 किलो बारूद एक्टिव मोड में है, जिसका मतलब यह हुआ कि इस समुद्री मार्ग के हर एक मीटर के दायरे में औसतन 1 किलो बारूद सेट है।

बिजनेस वर्ल्ड

टीमलीज एडटेक का आईआईटी रुड़की के साथ सहयोग, ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स के लिए 'एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन एआई' लॉन्च किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

TeamLease™ EDTECH Making India Employable

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रुड़की (आईआईटी रुड़की) के 'कंटिन्यूइंग एजुकेशन सेंटर' ने 'टीमलीज एडटेक' के सहयोग से 'एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन एआई फॉर ई-कॉमर्स एंड क्विक कॉमर्स' शुरू करने की घोषणा की है। यह 6 महीने का कोर्स कामकाजी पेशेवरों को भारत के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बिजनेस सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की व्यावहारिक क्षमताओं को विकसित करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। आज जिस तरह से ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ग्राहकों को जोड़ने, इन्वेंट्री मैनेजमेंट, पर्सनल एक्सपीरियंस, डायनेमिक प्राइसिंग और ऑर्डर डिलीवरी के तरीकों को बदल रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसे पेशेवरों की मांग काफी बढ़ गई है जो व्यावसायिक रणनीति के साथ एआई की समझ को जोड़ सकें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक कॉमर्स परिवेश में एआई, मशीन लर्निंग, एनएलपी , जनरेटिव एआई और बिग डेटा के व्यावहारिक उपयोग को सिखाकर इसी अंतर को पाटना है। यह कोर्स लाइव ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से संचालित किया जाएगा, जिसमें आईआईटी रुड़की परिसर में 'कैंपस इमर्शन' का अवसर भी मिलेगा। इसे ई-कॉमर्स, क्विक कॉमर्स, रिटेल, प्रोडक्ट, एनालिटिक्स, ऑपरेशन्स, कस्टमर एक्सपीरियंस और डिजिटल बिजनेस भूमिकाओं में काम कर रहे या करियर बनाने की इच्छा रखने वाले पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें शिक्षार्थियों को व्यावहारिक व्यावसायिक चुनौतियों, वास्तविक मामलों और एक 'कैपस्टोन प्रोजेक्ट' पर काम करने का मौका मिलेगा, जो सीधे तौर पर कस्टमर चर्न, रिकमेंडेशन, प्राइसिंग, डिमांड फोरकास्टिंग और कस्टमर इंटेलिजेंस जैसी चुनौतियों पर आधारित होगा।

मनबा फाइनेंस का दक्षिण भारतीय बाजार में प्रवेश

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मनबा फाइनेंस लिमिटेड, भारत की एक प्रसिद्ध व्हीकल-फाइनेंसिंग एनबीएफसी, ने आज श्रीसस्था (नम्मा लोन) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी के जरिए दक्षिण भारतीय बाजार में प्रवेश करने की घोषणा की। यह साझेदारी देश में मनबा के विकास यात्रा का एक अहम मोड़ है जो आने वाले समय में दक्षिण भारत के सभी राज्यों में चरणबद्ध तरीके से कंपनी के विस्तार की नींव बनेगी। इस वित्तीय वर्ष में, कर्नाटक में विस्तार के जरिए इस सहयोग की शुरूआत होगी, जिसके बाद तमिलनाडु में काम शुरू होगा। उसके बाद दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में भी चरणबद्ध तरीके से विस्तार की योजना है। इस पहल के अंतर्गत, दक्षिण भारत में 100 से अधिक संभावित स्थानों की पहचान की गई है। कंपनी बाजार की तैयारियों और परिचालनात्मक प्राथमिकताओं के अनुरूप धीरे-धीरे इन स्थानों में परिचालन आरम्भ करेगी। इस साझेदारी के पीछे की गहरी विशेषज्ञता ही इस सहयोग की खासियत है। चार वरिष्ठ लीडरों की एक कोर टीम इस उद्यम का नेतृत्व कर रही है, जो वाहन ऋण उद्योग में संयुक्त रूप से 100 से अधिक वर्षों का अनुभव रखते हैं। वाहनों की उत्पत्ति, ऋण, संग्रह और वाहन-ऋण मूल्य श्रृंखला में जमीनी स्तर पर वितरण जैसे सभी पहलू इनकी कार्य श्रेणी का हिस्सा हैं। मनीष शाह, मैनेजिंग डायरेक्टर, मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, दक्षिण भारत देश के सबसे तेजी से बढ़ते हुए वाहन बाजारों में से एक है और हमारे लिए यह जरूरी है कि हम इस बाजार में जल्दी प्रवेश करने के बजाय सही तरीके से प्रवेश करने पर ध्यान दें। श्रीसस्था (नम्मा लोन) के साथ सहयोग से हमें कुछ ऐसा हासिल हुआ है जो सिर्फ.पैसे से नहीं खरीदा जा सकता, एक ऐसी टीम जिसने दशकों से इन बाजारों में वाहनों के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराया है। इस अनुभव और मनबा के उत्पादों, बैलेंस शीट और टेक्नोलॉजी के मेल से ही हमें इस विस्तार के लिए प्रेरणा मिलती है। मोनील शाह, चीफ बिजनेस ऑफि सर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, यह मनबा के लिए एक बड़ा कदम है और हम अनुशासन के साथ यह कदम उठाना चाहते हैं। हम कर्नाटक में ऐसे उत्पाद उपलब्ध कराने के साथ अपनी शुरुआत कर रहे हैं जिनकी हमें सबसे अच्छी जानकारी है और धीरे- धीरे आगे बढ़ने के साथ हम एक-एक करके दूसरे राज्यों में भी विस्तार करेंगे। हम दक्षिण भारत में एक मजबूत और विश्वसनीय छवि बनाने को महत्व देते हैं, न कि जल्दबाजी में कदम बढ़ाने पर। इस उद्योग के बारे में विशेष ज्ञान और अनुभवों के समागम की शक्ति से दक्षिण भारत में व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ाने का मकसद है।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने 'एक्सीलेंस इन एआई फॉर शुगर इंडस्ट्री' पुरस्कार जीता, कृषि-औद्योगिक क्षेत्रों में एक अग्रणी टेक्नोलॉजी इनोवेटर के रूप में सम्मानित

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने चीनीमंडी द्वारा आयोजित तीसरे शुगर, इथेनॉल एंड बायोएनर्जी इंटरनेशनल अवॉर्ड्स (एसईआईए) 2026 में एक्सीलेंस इन एआई फॉर शुगर इंडस्ट्री पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार इस क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान मंचों में से एक है। यह पुरस्कार शुगर, इथेनॉल एंड बायोएनर्जी इंडिया कॉन्फरन्स 2026 की उद्घाटन संध्या पर प्रदान किया गया। यह सम्मान फाइंडेबिलिटी साइंसेज को ऐसे क्षेत्र के केंद्र में स्थापित करता है, जो दशकों में अपने सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव से गुजर रहा है। भारत का चीनी उद्योग, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उद्योग है, एक साथ गन्ने की उपज, मिल रिकवरी, इथेनॉल ब्लेंडिंग लक्ष्यों और स्थिरता परिणामों को बेहतर बनाने के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। फाइंडेबिलिटी साइंसेज इस बदलाव को संभव बनाने के लिए एआई इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है — जो फील्ड-लेवल डेटा, फैक्ट्री ऑपरेशंस और एंटरप्राइज निर्णय-प्रक्रिया को एक सुसंगत इंटेलिजेंस लेयर में जोड़ता है। लोग हमेशा यह नहीं समझते कि चीनी, इथेनॉल और बायोएनर्जी लाखों किसान परिवारों की आजीविका हैं, हमारे वाहनों का ईंधन हैं, और अब तेजी से ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े उन सवालों का उत्तर बन रहे हैं जिन्हें हल करने के लिए सरकारें प्रयासरत हैं। फिर भी, यह उद्योग आज भी अपने सबसे महत्वपूर्ण निर्णय लगभग उसी तरह ले रहा है जैसे तीस साल पहले लेता था — अनुभव के आधार पर, या उस डेटा के आधार पर जिसे किसी ने सीजन खत्म होने से पहले लिख लिया हो। मैं ऐसे मिल मैनेजर्स के साथ बैठा हूं जो अपने काम में बेहद दक्ष हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में उनके पास स्पष्ट डेटा-आधारित दृश्यता नहीं होती। यही वह अंतर है जिसे हम दूर करने के लिए यहां हैं। क्योंकि जब इंटेलिजेंस लेयर सही बनती है, तो केवल मिल बेहतर नहीं चलती; किसान को उचित मूल्य मिलता है, देश अपने इथेनॉल लक्ष्यों को पूरा करता है, और उद्योग को अंततः अपनी वास्तविक क्षमता के अनुरूप उपकरण मिलते हैं, आनंद महुरकर, संस्थापक एवं सीईओ ने कहा।

'रेयर अर्थ्स' मैग्नेट का हब बनेगा भारत, जापान के साथ हो गई बड़ी डील

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और जापान की जुगलबंदी आने वाले दिनों में एशिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी चीन के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है। उसका सबसे बड़ा कारण है भारत में रेयर अर्थ्स प्रोडक्शन। जिसमें जापान की बड़ी कंपनी साथ दे रही है। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश में जापानी कंपनी 2250 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है। भारत का प्लान है कि जिस तरह से भारत सेमीकंडक्टर के मोर्चे पर आत्मनिर्भर की राह पर निकल पड़ा है। उसी तरह से रेयर अर्थ्स के मोर्चे पर भी आगे बढ़े। ताकि इंटरनेशनल मार्केट से चीन की मोनोपॉली को खत्म किया जा सके। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस तरह की रिपोर्ट सामने आई है। एडवांस्ड मटीरियल्स के सेक्टर में दुनिया की दिग्गज कंपनी, जापान की प्रोटेरियल, आंध्र प्रदेश में 2,250 करोड़ के निवेश से रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट बनाने का प्लांट लगाएगी। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, यह कदम भारत की लोकल रेयर अर्थ वैल्यू चेन बनाने और चीनी सोर्स पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह प्रोजेक्ट अनाकापल्ली जिले के अच्युतापुरम में लगाया जाएगा। यहां हर साल 1.2 किलो टन सिंटर्ड नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन परमानेंट मैग्नेट बनाए जाएंगे। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, विंड टबाईंस, इंडस्ट्रियल मोटर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस और डिफेंस सिस्टम में इस्तेमाल होने वाले सबसे जरूरी पार्ट्स में से एक हैं। राज्य की इन्वेस्टमेंट प्रमोशन कमेटी ने पिछले हफ्ते हुई बैठक में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। यह प्रस्तावित निवेश ऐसे समय में हो रहा है जब भारत इम्पोर्टेड रेयर अर्थ मैग्नेट पर निर्भरता कम करने और रणनीतिक सेक्टर में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। केंद्र सरकार ने हाल ही में सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक खास इंसेंटिव प्रोग्राम को मंजूरी दी है, जो इस सेक्टर के राष्ट्रीय महत्व को दिखाता है।

रोहित शर्मा के पास इतिहास रचने का मौका

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन वनडे मैचों की श्रृंखला खेली जा रही है। इसका पहला मैच भारत ने 7 विकेट से जीत लिया था, लेकिन रोहित शर्मा उस मैच में केवल 16 रन ही बना सके थे और रन आउट हो गए थे। सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 जून, बुधवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में रोहित शर्मा के पास इतिहास रचने का मौका है। वे अगर अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 109 रन बना देते हैं तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनर बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल, यह रेकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम है।

सहवाग से सिर्फ 109 रन पीछे हैं रोहित शर्मा

वीरेंद्र सहवाग मौजूदा समय में भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर ओपनिंग करते हुए अपने करियर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 16,119 रन बनाए। हाल ही में रोहित शर्मा ने भी बतौर भारतीय सलामी बल्लेबाज 16,000 रन पूरे किए हैं और सहवाग के बाद ऐसा करने वाले भारत के दूसरे बैटर हैं। रोहित शर्मा के मौजूदा समय में बतौर सलामी बल्लेबाज कुल 16,010 रन हैं। उन्हें वीरेंद्र सहवाग को पीछे करने के लिए कुल 109 रनों की जरूरत है। ऐसे में अगर वे दूसरे वनडे में इतने रन बना देते हैं तो भारत की ओर सर्वाधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज बन जाएंगे और सहवाग का महारेकॉर्ड ध्वस्त कर देंगे। भारत की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले टॉप 5 सलामी बल्लेबाजों में पहले स्थान पर फिलहाल. वीरेंद्र सहवाग हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम है। इस सूची में तीसरे स्थान पर सचिन तेंडुलकर का नाम है, जबकि चौथे स्थान पर सुनील गावस्कर हैं। सचिन ने 15,335 रन बतौर ओपनर बनाए, जबकि गावस्कर ने 12,258 रन बनाए हैं। शिखर धवन लिस्ट में पांचवें और सौरव गांगुली 6वें स्थान पर हैं।

भारत की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज

16119 – वीरेंद्र सहवाग, 16010 – रोहित शर्मा

15335 – सचिन तेंडुलकर, 12258 – सुनील गावस्कर

10867 – शिखर धवन, 9157 – सौरव गांगुली

पहले मैच में रन आउट हो गए थे रोहित शर्मा

बता दें कि अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे मैच में भी रोहित शर्मा अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन शुभमन गिल के साथ विकटों के बीच हुई मिस अंडरस्टैंडिंग के कारण वे 16 रनों के स्कोर पर ही रन आउट हो गए। ऐसे में रोहित शर्मा के और तमाम भारतीय क्रिकेट को पसंद करने वाले लोगों को उम्मीद होगी कि वे दूसरे वनडे मैच में शतकीय पारी खेलें और महारेकॉर्ड अपने नाम करें।

टाइम मैगजीन की टॉप 100 लिस्ट में स्मृति मंधाना

प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने मंगलवार को 2026 की खेल जगत के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की लिस्ट जारी की है। मैगजीन ने सुपरस्टार क्रिकेटर विराट कोहली या भारतीय कप्तान शुभमन गिल को अपनी लिस्ट में जगह नहीं दी। भारत से स्मृति मंधाना को इसमें शामिल किया गया है। वह सूची में जगह पाने वाली एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर और उपकप्तान मंधाना ने अपने करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। वह महिला टी-20 इंटरनेशनल में सर्वाधिक अर्धशतक (34) जड़ने वाली प्लेयर हैं। वह इस फॉर्मेट में दूसरी सबसे ज्यादा रन (4401) बनाने वाली क्रिकेटर हैं। वह वनडे में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय हैं। 29 वर्षीय मंधाना इन दिनों महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में खेल रही हैं।

लिस्ट में मेसी से लेकर बावुमा तक

टाइम मैगजीन की सूची में ऐसे खिलाड़ी, कोच, समर्थक और निवेशक शामिल हैं, जिन्होंने खेलों में अहम भूमिका निभाई है। लिस्ट में मंधाना के अलावा अमेरिकी बास्केटबॉल के दिग्गज लेब्रॉन जेम्स, फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, चीनी-अमेरिकी स्कीयर एलीन गु, टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज, बास्केटबॉल खिलाड़ी विक्टर वेम्बन्यामा, दिग्गज गोल्फर रोरी मैकलॉय और दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट कप्तान टेम्बा बावुमा तक शामिल हैं।

मैगजीन ने ओपनर के बारे में क्या कहा?

टाइम मैगजीन में ओपनर के बारे में कहा गया है कि मंधाना घरेलू वनडे मैच में दोहरा शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं, वह तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं। उन्होंने 17 शतक लगाए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में संयुक्त रेकॉर्ड से सबसे अधिक हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 2024 और 2026 में महिला प्रीमियर लीग का खिताब जिताया और पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम की उपकप्तान थीं।

मंधाना ने साल 2013 में किया था डेब्यू

मंधाना ने 2025 वनडे वर्ल्ड कप में नौ मैचों में 54.25 के औसत से 434 रन बनाए, जिसमें एक सेंचुरी और दो फिफ्टी हैं। वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। यह टूर्नामेंट के एक संस्करण में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बन गए सबसे ज्यादा रन हैं। उन्होंने मिताली राज का रेकॉर्ड ध्वस्त किया था। मिताली ने 2017 संस्करण में 409 रन जुटाए थे। महिला क्रिकेट की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में शुमार मंधाना दो बार आईसीसी विमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं। साल 2013 में इंटरनेशनल डेब्यू करने के बाद से बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने अभी तक 167 टी-20, 120 वनडे और 8 टेस्ट मैच खेले हैं।

दीपिका के बाहर होते ही कल्कि 2 में हुई आलिया भट्ट की एंट्री?

साल 2024 में प्रभास और दीपिका पादुकोण की फिल्म कल्कि 2898 AD में नजर आई थीं। फिल्म में उनके किरदार और काम को पसंद किया गया था। मेकर्स कल्कि का दूसरा पार्ट बना रहे हैं। कुछ समय पहले खबर सामने आई थी कि दीपिका इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गई है। मेकर्स ने दीपिका को रिप्लेस करते हुए साई पल्लवी को अपने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बताया था। अब ताजा खबरों की मानें तो आलिया भट्ट भी इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकती हैं। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।

आलिया भट्ट होंगी कल्कि का हिस्सा?

सोशल मीडिया की कई रिपोर्ट्स की मानें तो कल्कि 2 से आलिया भट्ट का नाम जुड़ गया है। कहा गया है कि वो दीपिका को रिप्लेस कर रही हैं। वहीं कुछ के मुताबिक उनका रोल एकदम अलग और नया होगा। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस ने पहले फी फिल्म के लिए कुछ सीन शूट कर लिए हैं। इन सीन को शूट करने के लिए आलिया हैदराबाद गई थीं। अगर ये रिपोर्ट सही निकलीं तो आलिया भट्ट और साई पल्लवी एक ही फिल्म में नजर आएंगी। इस खबर पर आलिया भट्ट की तरफ से कोई पुष्टि नहीं है। लेकिन फिल्म कल्कि 2 से जुड़े एक शख्स ने बातचीत की। शख्स ने बताया कि इस खबर पर अभी कोई ऑफिसियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। किसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और सब वही कॉपी पेस्ट कर रहे हैं। आलिया की कास्टिंग को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

दीपिका ने रिजेक्ट कर दी ये दो फिल्में?

दीपिका पादुकोण के साथ से एक नहीं दो बड़ी फिल्में निकल गई। पहले एक्ट्रेस का संदीप रेड्डी वांगा के साथ फिल्म स्पिरिट को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद डायरेक्टर ने दीपिका की जगह तृप्ति डिमरी को कास्ट कर लिया। इसके बाद नागआश्विन की फिल्म कल्कि 2 से भी एक्ट्रेस बाहर हो गई।

आलिया भट्ट की आने वाली फिल्में

बता दें, आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म अल्फा को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। इस फिल्म को शिव रवैल डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में बॉबी देओल, शरवरी और अनिल कपूर अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म 10 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इसके बाद आलिया भट्ट संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ विकी कौशल और रणबीर कपूर लीड रोल में नजर आएंगे।

प्राइम वीडियो पर 26 जून से शुरू होगा कुणाल खेमू का पहला डेली रियलिटी शो

दर्शकों के लिए मनोरंजन की दुनिया में एक नया और रोमांचक अध्याय शुरू होने जा रहा है। प्राइम वीडियो ने अपने बहुप्रतीक्षित रियलिटी शो 'अलायंस' की प्रीमियर डेट का ऐलान कर दिया है। यह शो 26 जून से स्ट्रीम होगा और खास बात यह है कि यह प्राइम वीडियो का पहला डेली रियलिटी शो होगा, जिसमें दर्शकों को हर दिन एक नया एपिसोड देखने को मिलेगा। कुल 42 एपिसोड वाले इस शो का प्रसारण छह सप्ताह तक चलेगा। हर दिन दोपहर 12 बजे नया एपिसोड रिलीज किया जाएगा। हिंदी भाषा में तैयार यह अनस्क्रिप्टेड रियलिटी सीरीज भारत समेत दुनिया के 240 देशों और क्षेत्रों में उपलब्ध होगी।

पहली बार होस्टिंग करते नजर आएंगे कुणाल खेमू

अपनी शानदार अभिनय क्षमता और कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अभिनेता कुणाल खेमू इस शो के साथ पहली बार किसी रियलिटी कार्यक्रम की मेजबानी करते दिखाई देंगे। उनका नया अंदाज दर्शकों के लिए खास आकर्षण बनने वाला है। बानिजय एशिया द्वारा निर्मित इस शो में 16 प्रतियोगी जोड़ी बनाकर खेल की शुरुआत करेंगे। हालांकि, खेल आगे बढ़ने के साथ उन्हें समझ आएगा कि कोई भी गठबंधन हमेशा के लिए नहीं होता। बदलते रिश्ते, रणनीतिक चालें और अप्रत्याशित ट्विस्ट हर कदम पर खिलाड़ियों की परीक्षा लेंगे। शो की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां गठबंधन कभी ताकत बन सकता है तो कभी सबसे बड़ी चुनौती।

क्या वैभव सूर्यवंशी बनेंगे टीम के 'संकटमोचक'?

श्रीलंका में इन दिनों खेली जा रही ट्राई सीरीज में भारतीय ए टीम की हालत खस्ता है। बैक टू बैक हार से टीम के फाइनल खेलने की उम्मीदों पर झटका लगा है। बुधवार को तिलक वर्मा की कप्तानी वाली टीम का सामना अफगानिस्तान ए टीम से होगा। इस मुकाबले में भारत की युवा टीम हार की हैट्रिक से बचना चाहेगी। सभी को उम्मीद हैं कि वैभव सूर्यवंशी मैच 'संकटमोचक' बनकर उतरेंगे। इस मैच से पहले भारतीय ए टीम में एक बदलाव हुआ है। युद्धवीर सिंह की जगह तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। अब देखना होगा कि उन्हें अंतिम 11 में जगह मिलती है या नहीं?

वैभव करेंगे आगाज

भारत की ओर से वैभव सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह ही पारी का आगाज कर सकते हैं। दोनों की कोशिश करो या मरो वाले मैच में अपनी टीम को तेज शुरुआत देने पर होगी। वैभव पिछले 3 मैच में कोई अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं। ऐसे में सभी की निगाहें उन पर टिकी हुई हैं। 3 नंबर पर उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और 4 पर कप्तान तिलक वर्मा ही उतर सकते हैं।

गेंदबाजी में हो सकता बदलाव

आयुष बदोनी को नंबर 5 पर भेजा जा सकता है। लोअर ऑर्डर में निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, अनुकूल रॉय और विपराज निगम एक्शन में नजर आ सकते हैं। श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच में टॉप और मिडिल ऑर्डर के फेल होने के बाद सूर्यांश शेडगे आर निगम ने भारतीय टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया था। हालांकि, भारतीय टीम सुपर ओवर में मैच हार गई। यश ठाकुर और अरशद खान गेंदबाजी की कमान संभाल सकते हैं। यश की जगह अशोक शर्मा को भी मौका मिल सकता है।

भारत ए की संभावित प्लेइंग 11

वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा (कप्तान), आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, अनुकूल रॉय, यश ठाकुर/अशोक शर्मा, अरशद खान, विपराज निगम।

भारतीय ए टीम

वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा (कप्तान), आयुष बदोनी, सूर्यांश शेडगे, अरशद खान, विपराज निगम, अनुकूल रॉय, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, कुमार कुशाग्र, निशांत सिंधु।

पाकिस्तान को रौंदने के बाद नीदरलैंड से भिड़ेंगी भारतीय बेटियां

विमंस टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। रविवार को खेले गए मैच में भारतीय महिलाओं ने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को 64 रन से करारी शिकस्त दी। अब अपने अगले मैच में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम नीदरलैंड से टकराएगी। भारत की नजर जीत के सिलसिले को बरकरार रखने पर होगी। वहीं, बांग्लादेश से हारकर आ रही नीदरलैंड को कोशिश जीत का खाता खोलने पर होगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि भारत और नीदरलैंड के बीच मैच कब और कहां खेला जाएगा?

क्या रचित सिंह के साथ डेट पर निकलीं हुमा कुरैशी?

बॉलीवुड में इन दिनों एक नया कपल चर्चा में है। हुमा कुरैशी और रचित सिंह के रिलेशनशिप में होने की खबरें हैं। बीते दिनों रचित को लेकर एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर हुमा ने साझा की थी। सोमवार देर रात वह रचित के साथ डिनर डेट पर दिखीं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है।

रचित ने थामा हुमा का हाथ, प्यार से एक्ट्रेस ने निहारा

सोशल मीडिया पर हुमा कुरैशी और रचित सिंह का एक वीडियो वायरल है। इसमें दोनों ही एक कार से निकलते हैं। पैपराजी के सामने ही रचित, हुमा का हाथ थाम लेते हैं। यह देखकर हुमा मुस्कुराने लगती हैं। आगे वीडियो में बड़े प्यार से रचित को निहारती हुईं नजर आती हैं।

रचित के नाम लिखी थी हुमा कुरैशी ने खास पोस्ट

हुमा और रचित सिंह फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में साथ अभिनय कर रहे हैं। इस फिल्म और रचित को लेकर एक पोस्ट बीते दिनों हुमा कुरैशी ने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इसमें वह लिखती हैं कि कुछ कहानियां कैमरा चालू होने से बहुत पहले ही लिखी जा चुकी होती हैं। जब मैं पहली बार रचित से मिली, तो मुझे सिर्फ उनकी प्रतिभा ही नहीं, बल्कि उनका सब्र और शांत लगन भी बहुत प्रभावित कर गई।

शादी को लेकर भी लगती हैं अटकलें

हुमा कुरैशी और रचित सिंह जल्द शादी करने वाले हैं, इन बातों को लेकर भी खूब अटकलें लगती हैं। बता दें कि रचित और हुमा अक्सर अपने दोस्तों की पार्टी में साथ दिखते हैं। अभी ऑफिशियली दोनों ने अपने रिश्ते को दुनिया के सामने कबूल नहीं किया लेकिन इसे छिपाने की कोशिश भी कभी नहीं की है।

मोनालिसा की दिलकश अदा

अंतरा बिस्वास उर्फ मोनालिसा! भोजपुरी इंडस्ट्री का चर्चित नाम, जिन्होंने कई टीवी सीरियल में भी काम किया है। मोनालिसा अपनी एक्टिंग को लेकर जितनी चर्चा बटोरती हैं, उससे ज्यादा सुर्खियां उन्हें अपने लुक की वजह से मिलती है। सोशल मीडिया पर वे अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। आज मंगलवार को मोनालिसा ने दिलकश फोटोज साझा किए हैं।

■ मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। इनमें वे व्हाइट कलर की वेस्टर्न ड्रेस पहनी हैं, जिस पर फ्लॉवर प्रिंट डिजाइन है। अभिनेत्री बालकनी में खड़े होकर पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने सफेद फूलों को झुमकों की तरह कानों में अटकाया हुआ है। मोनालिसा तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। 43 की उम्र में एक्ट्रेस अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वे नियमित वर्कआउट करती हैं। मोनालिसा के इस लुक पर नेटिजंस तारीफों के पुल बांध रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं कि बेहद आकर्षक। स्टाइल में आपका मुकाबला नहीं। मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी शादी एक्टर विक्रांत सिंह से हुई है। दोनों को बीते दिनों 'द 50' शो में देखा गया था। सोशल मीडिया पर मोनालिसा की अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्हें इंस्टाग्राम पर ही 5.8 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप